THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 262 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.13/14 2080 सोमवार, 11 दिसंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय

डॉ. रमन सिंह विधानसभा अध्यक्ष, अरुण साव और विजय शर्मा बन सकते हैं डिप्टी सीएम

रायपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय होंगे। रायपुर के बीजेपी प्रदेश कार्यालय में विधायक दल की बैठक में उन्हें विधायक दल का नेता चुना गया है। साय ने राजभवन पहुंचकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। इसके बाद राज्यपाल ने उन्हें कैबिनेट गठन के लिए आमंत्रित किया है।

सूत्रों के मुताबिक पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह विधानसभा अध्यक्ष हो सकते हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में 2 डिप्टी सीएम होंगे। इनमें अरुण साव और विजय शर्मा को उपमुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। दोनों ही नेता पहली बार ही विधायक बने हैं। विजय शर्मा जहां पहली बार चुनाव जीतकर

निर्वाचित हुए हैं वहीं अरुण साव सांसद रह चुके हैं।

सीएम चुने जाने के बाद 2 बड़ी घोषणाएं

मुख्यमंत्री चुने जाने के बाद विष्णुदेव साय ने कहा कि, सबसे पहले मैं बीजेपी को धन्यवाद देता हूं। मैं मोदी की गारंटी को पूरा करने का शत प्रतिशत काम करूंगा। इसके बाद उन्होंने 2 बड़ी घोषणाएं की।

*** आवास योजना के तहत 18 लाख आवास बनाने का सबसे पहले करूंगा।**

*** 25 दिसंबर को ही सबसे पहले किसानों को 2 साल का बकाया बोनस दिया जाएगा।**

विष्णुदेव के नाम पर ही मुहर क्यों?

भाजपा ने छत्तीसगढ़ में मिली ऐतिहासिक जीत में आदिवासी बहुल क्षेत्र सरगुजा और बस्तर संभागों में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

पार्टी ने सरगुजा की सभी 14 सीटों व बस्तर संभाग की 12 में से 8 सीटों पर कब्जा किया है। ऐसे में लोकसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा ने आदिवासी कार्ड खेला है।

मायावती ने आकाश आनंद को सौंपी विरासत

लखनऊ, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की सुप्रीमो मायावती ने रविवार को राजधानी लखनऊ में आयोजित पार्टी की मीटिंग में बड़ा निर्णय लिया है। मायावती ने बैठक में बड़ी घोषणा की है। मायावती ने एलान किया है कि बसपा में उनके उत्तराधिकारी आकाश आनंद होंगे। बैठक में मायावती ने पार्टी के सभी राष्ट्रीय पदाधिकारियों और राज्यों के प्रमुख पदाधिकारियों को बुलाया था। बैठक में वरिष्ठ पदाधिकारियों और राज्यों के वरिष्ठ नेताओं के साथ हाल ही में चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों से उपजी चुनौतियों से निपटने की रणनीति भी तय की गई। वहीं, लोकसभा चुनाव के लिए मजबूत दावेदारी वाले उम्मीदवारों के नाम पर भी चर्चा की गई। बता दें विधानसभा चुनाव के नतीजों को विचित्र और रहस्यमयी बताते हुए बसपा सुप्रीमो ने देश भर के पदाधिकारियों को बैठक में बुलाया है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) नेता उदयवीर सिंह का कहना है कि बसपा प्रमुख मायावती ने आकाश आनंद (मायावती के भतीजे) को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है।

कौन है आकाश आनंद :

मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने लंदन से मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) की पढ़ाई की है। साल 2017 में आकाश की राजनीति में एंट्री हुई थी। सहारनपुर रैली में पहली बार मायावती के साथ आकाश मंच पर दिखाई दिए थे। मायावती ने 2017 में एक बड़ी रैली कर आकाश आनंद को राजनीति में लाने का एलान किया था। आकाश को इससे पहले पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी मिली हुई थी। अब मायावती ने उन्हें अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है।

मानवाधिकार दिवस पर उपराष्ट्रपति बोले

कोई भी कानून से ऊपर नहीं

यह देश का नया मानदंड, एनएचआरसी अध्यक्ष ने कहा- आतंकियों से सहानुभूति अधिकारों का बड़ा नुकसान

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। आतंकवाद के कारण पूरी दुनिया में मानवाधिकारों का उल्लंघन होता है। निर्दोष जनता परेशान होती है। आतंकवादियों से सहानुभूति रखना मानवाधिकारों का बड़ा नुकसान है। इसलिए हमें आतंक का महिमामंडन नहीं करनी चाहिए।

ये बात नेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन (एनएचआरसी) अध्यक्ष रिटायर्ड जस्टिस अरुण मिश्रा ने कही। वे मानवाधिकार दिवस पर भारत मंडपम में हुए इवेंट में मौजूद थे। 2023 में मानवाधिकारों के यूनिवर्सल डिक्लरेशन की 75वीं एनिवर्सिरी भी मनाई गई।

इस दौरान संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कॉर्डिनेटर शोम्बी शार्प और उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि हमारी सभ्यता, लोकाचार और संवैधानिक रूपरेखा मानव अधिकारों की सुरक्षा और उनके पालन के लिए हमारे कमिटमेंट को दिखाती है। यह हमारे डीएनए में है।

ज्ञानवापी का केस लड़ रहे हरिहर पांडेय का निधन

वाराणसी, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। काशी की ज्ञानवापी परिसर से मस्जिद हटाने का केस लड़ने वाले हरिहर पांडेय का निधन हो गया। कुछ समय से उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। बीएचयू स्थित सर सुंदरलाल हॉस्पिटल में उन्होंने रविवार को 77 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। हरिहर पांडेय ने साल 1991 में ज्ञानवापी से मस्जिद को हटाने के लिए सिविल कोर्ट में एक मुकदमा दायर किया था। इसमें उनके साथ सोमनाथ व्यास और संपूर्णानंद विश्वविद्यालय में प्रोफेसर रहे रामरंग शर्मा शामिल थे।

अदालत में मुकदमा दायर होने के कुछ साल बाद पंडित सोमनाथ व्यास और रामरंग शर्मा की मौत हो गई। अब हरिहर पांडेय ही इस मामले के इकलौते पक्षकार बचे थे। 33 साल से ज्ञानवापी केस लड़ रहे थे। हरिहर पांडेय का घर लक्सा इलाके के औरंगाबाद में है। सर सुंदरलाल हॉस्पिटल में उनकी किडनी का डायलिसिस चल रहा था।

शनिवार को उन्हें डायलिसिस के बाद औरंगाबाद स्थित आवास लाया गया था, जहां आधी रात के बाद फिर हालत बिगड़ने पर अस्पताल में भर्ती कराया था। बेटे प्रणय पांडेय ने बताया कि अंतिम यात्रा एक बजे औरंगाबाद निवास स्थान से निकली। उनका अंतिम संस्कार मर्णिकर्णिका घाट पर किया गया।

केसीआर से मिले तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को हैदराबाद के यशोदा अस्पताल में पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव से मुलाकात की। राव की शुक्रवार को गिरने के बाद कूल्हे की सर्जरी हुई और अभी उनकी हालत स्थिर बताई जा रही हैं। मुख्यमंत्री के साथ पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री डी. अनसूया सीताक्का और पूर्व मंत्री शब्बीर अली भी थे। रेवंत रेड्डी ने सिरसिला विधायक के.टी. रामा राव से उनके पिता के स्वास्थ्य के बारे में पूछा।

बता दें कि 7 दिसंबर को एर्रावल्ली में अपने फार्महाउस में गिरने के बाद केसीआर का बाएं कूल्हे की रिप्लेसमेंट सर्जरी की गई थी।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को हैदराबाद के यशोदा अस्पताल में पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव से मुलाकात की।

मुख्य सचिव को दिए आदेश :

अस्पताल के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि राव ठीक हो रहे हैं और उन्होंने मुख्य सचिव को पूर्व सीएम के स्वास्थ्य की निगरानी करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि राव विधानसभा आएं और सरकार को अपने बहुमूल्य सुझाव दें।

इससे पहले, रेवंत के निर्देश पर, स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव ने भारत राष्ट्र समिति के अध्यक्ष राव के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने के लिए यशोदा अस्पताल का दौरा किया। शनिवार को अस्पताल प्रबंधन द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार, उनकी हालत स्थिर है।

सिब्बल ने विधायकों के शपथ ग्रहण का बहिष्कार करने पर भाजपा की आलोचना की

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के विधायक अकबरुद्दीन औवैसी को अस्थायी अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) नियुक्त किये जाने को लेकर तेलंगाना में नवनिर्वाचित विधायकों के शपथ ग्रहण समारोह का भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों द्वारा बहिष्कार करने पर राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने रविवार को केंद्र में सत्ताधारी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, इस तरह 'सार्वजनिक तौर पर नफरत की अभिव्यक्ति' यह सोचने पर मजबूर करती है कि देश किस दिशा में जा रहा है। तेलंगाना की तीसरी विधानसभा का पहला सत्र शनिवार को नवनिर्वाचित विधायकों के शपथ ग्रहण समारोह के साथ शुरू हुआ। हालांकि, भाजपा विधायक ने सदन से दूरी बनाये रखी और आरोप लगाया कि नियमों का उल्लंघन कर एआईएमआईएम विधायक औवैसी को अस्थायी अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में सिब्बल ने कहा, अकबरुद्दीन ओवैसी को तेलंगाना का अस्थायी अध्यक्ष बनाने पर भाजपा के आठ विधायकों ने शपथ ग्रहण समारोह का बहिष्कार किया। सार्वजनिक तौर पर इस तरह नफरत की अभिव्यक्ति यह सोचने पर मजबूर करती है कि मेरा देश कहां जा रहा है!

भगवान राम 22 जनवरी को अयोध्या में भव्य मंदिर में विराजमान होंगे: होसबाले

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि भगवान श्री राम अगले साल 22 जनवरी को अयोध्या में अपने जन्मस्थान पर बने भव्य मंदिर में विराजमान होंगे। होसबाले ने यहां एक पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 'श्रीराम जन्मभूमि' के लिए 72 बार संघर्ष हुआ और हर पीढ़ी ने संघर्ष किया, लेकिन कभी हार नहीं मानी। उन्होंने कहा, "हर भाषा, वर्ग, समुदाय और संप्रदाय" के लोगों ने इस संघर्ष में हिस्सा लिया। होसबाले के हवाले से आरएसएस ने एक बयान में कहा, "14 वर्ष के वनवास के बाद भगवान श्री राम सबसे पहले अपने राजमहल लौटे थे। अब 500 साल के संघर्ष के बाद भगवान राम 22 जनवरी को अपने जन्मस्थान पर बने भव्य मंदिर में लौट रहे हैं।" उन्होंने कहा, "राम मंगलकारी हैं, राम प्रेरणा हैं, राम आस्था हैं।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज, एक्यूआई 'बहुत खराब'

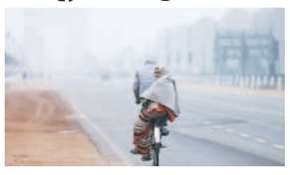

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को न्यूनतम तापमान मौसम के औसत तापमान से एक डिग्री कम 8।3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह नौ बजे 314 दर्ज किया गया जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है। शनिवार शाम छह बजे एक्यूआई 322 दर्ज किया गया। आईएमडी के अनुसार, सापेक्षिक आर्द्रता सुबह साढ़े आठ बजे 88 फीसदी दर्ज की गयी। मौसम विभाग ने रविवार को आसमान मुख्यतः साफ रहने का अनुमान जताया है। दिल्ली में अभी तक नवंबर में गंभीर वायु गुणवत्ता वाले 10 दिन दर्ज किए गए हैं। शून्य और 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 और 100 के बीच को 'संतोषजनक', 101 और 200 के बीच को 'मध्यम', 201 और 300 के बीच को 'खराब', 301 और 400 के बीच 'बहुत खराब', 401 और 450 के बीच 'गंभीर' और 450 से ऊपर 'अति गंभीर' माना जाता है।

भारत में कोविड-19 के 166 नए मामले, इलाज कराने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 895 हुई

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत में एक दिन में कोविड-19 के 166 नए मामले सामने आए है और उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 895 हो गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में कोविड-19 के कुल मामलों की संख्या 4,50,03,055 (4.50 करोड़) है और मृतकों की संख्या 5,33,306 (5.33 लाख) हो गयी है। आंकड़ों के अनुसार, इस बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,44,68,854 (4.44 करोड़) हो गयी है और बीमारी से उबरने की राष्ट्रीय दर 98.81 प्रतिशत है। मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, देश में अभी तक कोविड-19 रोधी टीके की 220.67 करोड़ खुराक दी गयी हैं।

'बीजेपी में शामिल होने पर गंगा न नहला दें'

कांग्रेस सांसद से 300 करोड़ बरामद होने पर शिवसेना यूबीटी का तंज

मुंबई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद धीरज साहू के ठिकानों से बरामद नकदी की गिनती अभी भी जारी है। अब तक 300 करोड़ रुपये की गिनती हो चुकी है और नकदी की मात्रा को देखते हुए नोट गिनने वाली और मशीनें और लोग भेजे गए हैं। वहीं इतनी बड़ी मात्रा में कांग्रेस नेता के ठिकानों से नकदी मिलने के मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी भी शुरू हो गई है। हालांकि, कांग्रेस ने इस मामले से पल्ला झाड़ लिया है। उसका साफ कहना है कि साहू का यह निजी मामला है, पार्टी का कोई लेना देना नहीं है। वहीं, भाजपा को भी आड़े हाथ लिया है।

भाजपा पर निशाना

उद्धव बाल ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भाजपा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ समय बाद अगर साहू भाजपा में शामिल हो जाते हैं, तो उन्हें पहले कुछ नेताओं की तरह क्लीन चिट मत पकड़ा देना। उन्होंने कहा, 'मैं भाजपा के मंत्रियों और उनके नेताओं से कहना चाहती हूं कि वे आज देश को आश्वासन दें कि अगर धीरज साहू कुछ समय बाद भाजपा में शामिल होते हैं, तो उन्हें क्लीन चिट नहीं मिलेगी। हमने महाराष्ट्र में 70,000 करोड़ रुपये का घोटाला देखा है और जैसे ही वे भाजपा में शामिल हुए, हर कोई इसे भूल गया।' उन्होंने आगे कहा, 'इतना ही नहीं कई सांसद और विधायक हैं, जिन्होंने भ्रष्टाचार किया। बाद में हमसे और पार्टी से गद्दारी करके भाजपा के खेमे में शामिल हो गए और उनके प्रति चल रही सभी कार्रवाई बंद हो गई। तो ऐसा ही धीरज साहू के मामले में न किया जाए कि जैसे ही वह भाजपा में शामिल हो जाते हैं तो गंगा नहा लें।'

उनका निजी मामला

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि धीरज साहू और उनके पिता पारिवारिक लोग हैं। वे एक बड़े व्यवसाय और एक बड़े परिवार से संबंधित हैं। वे सैकड़ों वर्षों से अपना बड़ा व्यवसाय कर रहे हैं। यह पैसा कहां से आ रहा है? यह आयकर विभाग द्वारा स्पष्ट किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसा तो नहीं है कि यह रिश्वत का पैसा है। अगर ऐसा है तो जांच की जा रही है। जांच के बाद, सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। यह उनका निजी मामला है, इसका पार्टी से कोई लेना-देना नहीं है।

बौद्ध डिस्टलरी के ठिकानों पर छापेमारी जारी

बता दें कि आयकर विभाग ने बौद्ध डिस्टलरी प्राइवेट लिमिटेड के ठिकानों पर बीते दिनों छापेमारी की थी। यह छापेमारी कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू और उनके रिश्तेदारों के ओडिशा, झारखंड और पश्चिम बंगाल स्थित विभिन्न ठिकानों पर एक साथ की गई और यह अभी तक जारी है। धीरज साहू के बेटे रितेश साहू बौद्ध डिस्टलरी के एमडी हैं और धीरज साहू के बड़े भाई उदय शंकर प्रसाद कंपनी के चेयरमैन हैं। यह कंपनी एक्सट्रा न्यूट्रल एल्कोहल बनाती है, जो कि शराब बनाने में इस्तेमाल होती है। शनिवार को आयकर विभाग ने धीरज साहू के करीबी और शराब कारोबारी राज किशोर जायसवाल के ठिकानों पर भी छापेमारी की।

जम्मू-कश्मीर में पड़ रही भयानक ठंड कुछ इलाकों में -6.3 तक लुढ़का पारा

जम्मू, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। कश्मीर में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। श्रीनगर का तापमान माइनस 4.4 तक पहुंच गया है। वहीं शोपेन कश्मीर का सबसे सर्द इलाका रहा। यहां का तापमान माइनस 6.3 रहा। इसके अलावा पुलवामा में माइनस 5.8 और पहलगाम का तापमान माइनस 5.5 रिकॉर्ड किया गया है। वहीं कल जम्मू कश्मीर के श्रीनगर में इस मौसम की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई थी जब न्यूनतम तापमान शून्य से 4.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया था। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी में शुक्रवार की रात तापमान गुरुवार को दर्ज हुए -2.4 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले दो डिग्री कम दर्ज किया गया था।

श्रीनगर में दर्ज हुई मौसम की सबसे ठंडी रात

वहीं जम्मू कश्मीर के श्रीनगर में कल इस मौसम की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई।

कल रात न्यूनतम तापमान -4.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी में शुक्रवार की रात तापमान गुरुवार को दर्ज हुए -2.4 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले दो डिग्री कम दर्ज किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर में दर्ज हुआ तापमान इस मौसम का सबसे कम तापमान है। कश्मीर घाटी में पहलगाम सबसे ठंडा स्थान रहा था। अधिकारियों ने कहा कि दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में न्यूनतम तापमान -पांच डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया था। यह स्थान वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए तय आधार शिविरों में से एक है।

टॉपर घोटाले का मुख्य आरोपी

ईडी की जमीन पर कब्जा, रेड में निकला 3 करोड़ कैश

पटना, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में साल 2016 में हुए बहुचर्चित टॉपर घोटाले के मुख्य अभियुक्त बच्चा राय के तीन ठिकानों पर कल ईडी ने छापेमारी की। इस दौरान करीब 3 करोड़ रुपये कैश बरामद हुआ है। ईडी ने बच्चा राय के वैशाली के भगवानपुर स्थित आवास और शिक्षण संस्थानों पर कल छापेमारी की थी। ईडी के सूत्रों के अनुसार, छापेमारी के दौरान करीब तीन करोड़ नगद के अलावा कई स्थानों पर संपत्ति से जुड़े 100 से अधिक दस्तावेज भी बरामद हुए हैं।

ईडी द्वारा जप्त जमीन पर कर रहा था निर्माण

जानकारी मिली है कि वैशाली जिले में भगवानपुर के पास विशुन राय महाविद्यालय, विशुन राय राजदेव ट्रेनिंग कॉलेज और कीरतपुर गांव में मौजूद बच्चा राय के आवास पर कल सघन छापेमारी हुई थी। बच्चा राय ईडी द्वारा जप्त उसकी जमीन पर अवैध तरीके से निर्माण कार्य करा रहा था। इस छापेमारी से पहले 24 नवंबर को ईडी के सहायक निदेशक की तरफ से वैशाली जिले के भगवानपुर थाने में बच्चा राय उर्फ अमित कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई थी। इसमें ईडी ने कहा था कि जिस जमीन को उनकी एजेंसी ने जब्त कर उस पर इससे संबंधित साइन बोर्ड लगाया था, उसे उखाड़ दिया गया है और वहां पर अवैध तरीके से निर्माण कार्य भी कराया जा रहा है। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने निर्माण कार्य पर रोक लगा दी।

क्या है 2016 का टॉपर घोटाला?

गौरतलब है कि साल 2016 में इंटर परीक्षा में रूबी राय नाम की लड़की पूरे राज्य में टॉप कर गई थी, जो बच्चा राय के कॉलेज की थी और उसकी ही बेटी थी। टॉप-10 की सूची में विशुन राय महाविद्यालय के ही अधिकांश छात्र थे। जब इनकी मेघा की जांच की गई तो पता चला कि पैसे लेकर परीक्षा में कॉपी बदलकर और धांधली कर इस संस्थान के छात्र टॉपर बन गए थे। इसमें बच्चा राय के अलावा इंटर काउंसिल के तत्कालीन अध्यक्ष प्रो। लालकेश्वर प्रसाद सिंह, उनकी पत्नी विधायक उषा सिन्हा व कई अफसरों की मिलीभगत सामने आई थी।

होटल में गई महिला कर्मचारी, अमेरिकी नागरिक ने उतारे अपने कपड़े, यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज

मुंबई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। पुलिस ने नवी मुंबई के एक होटल में एक महिला कर्मचारी के यौन उत्पीड़न के आरोप में 26 वर्षीय अमेरिकी नागरिक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना पूर्वाह्न करीब साढ़े 11 बजे तुर्भे इलाके में स्थित होटल में हुई। तुर्भे थाने के अधिकारी ने पीड़िता की शिकायत के हवाले से बताया कि जब 23 वर्षीय महिला होटल के एक अपार्टमेंट में दाखिल हुई, तो आरोपी ने अपने कपड़े कथित तौर पर उतार दिए और उससे यौन संबंध बनाने को कहा। उन्होंने बताया कि पीड़िता बाद में शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंची जिसके बाद शनिवार रात को अमेरिका के पेंसिल्वेनिया के निवासी व्यक्ति के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 354ए (यौन उत्पीड़न) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने बताया कि इस मामले में अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है

कांग्रेस की रणनीति पर संजय राउत ने उठाए सवाल

ईवीएम को लेकर क्या बोले उद्धव गुट के नेता?

मुंबई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। शिवसेना (यूटीबी) के मुखपत्र सामना के जरिए सांसद संजय राउत ने कांग्रेस की राजनीतिक रणनीति पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने साप्ताहिक लेख के जरिए कहा कि अगर कांग्रेस में ऐसे लोग होंगे जो प्रधानमंत्री मोदी के लिए अनुकूल राजनीति करेंगे, तो यह सुनिश्चित है कि कांग्रेस को 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों(ईवीएम) पर सवाल खड़े किए हैं। विधानसभा चुनावों के नतीजों को लेकर उन्होंने कहा कि मतपत्रों की गिनती के दौरान मध्य प्रदेश में कांग्रेस 199 सीटों पर आगे थी, लेकिन जब ईवीएम में वोटों की गिनती हुई तो अचानक स्थिति बदल गई। साथ ही उन्होंने कहा कि यह भी एक मिथक है कि कांग्रेस मोदी को नहीं हरा सकती। मुख पत्र में जारी लेख के अनुसार, संजय राउत ने कहा कि 2018 में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान में भाजपा को कांग्रेस ने हराया था। हालांकि राजस्थान और छत्तीसगढ़ के निवर्तमान मुख्यमंत्रियों अशोक गहलोत और भूपेश बघेल ने लड़ाई लड़ी, फिर भी कांग्रेस इन दोनों राज्यों में हार गई। बता दें तीन दिसंबर को पांचों राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजों की घोषणा की गई थी। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान में भाजपा, तेलंगाना में कांग्रेस और मिजोरम में जेडपीएम ने जीत हासिल की।

चक्रवात गया, लेकिन संकट नहीं टला ! केरल और तमिलनाडु में भारी बारिश का अलर्ट

चेन्नई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आने वाले दिनों में तमिलनाडु और केरल राज्यों के लिए अतिरिक्त वर्षा का अनुमान लगाया है, जिससे इन क्षेत्रों के सामने चुनौतियां बढ़ जाएंगी। आईएमडी के अनुसार, अगले 2-3 दिनों में तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी और कराईकल में तेज़ हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। यह पूर्वानुमान ऐसे समय में आया है जब चेन्नई चक्रवात मिचौंग के परिणामों से जूझ रहा है, जिसके कारण भारी बारिश हुई, जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। तमिलनाडु और केरल के कुछ इलाकों में शनिवार को बारिश हुई। तमिलनाडु के तिरुनेलवेली और कुन्नूर में 2 सेमी बारिश दर्ज की गई, जबकि केरल के वडावथूर में 3 सेमी बारिश हुई।

अनुच्छेद 370: सोमवार को आने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने घाटी के बड़े नेताओं की बढ़ाई चिंता, सियासी हलचल तेज

श्रीनगर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। अनुच्छेद 370 को लेकर उच्चतम न्यायालय की तरफ से सोमवार को फैसला आने वाला है। इसके साथ ही राजनीतिक गलियारे में हलचल बढ़ गई है। इसको लेकर आमजन की धड़कनें भी बढ़ी हैं। इस बीच नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने एक बार फिर नजरबंद किए जाने की आशंका जताई है। उधर, पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने उनके कार्यकर्ताओं की लिस्ट पुलिस थानों में लिए जाने पर अफसोस जताया है।

पीपुल्स कांफ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने कहा कि उन्हें उच्चतम न्यायालय की न्याय प्रक्रिया पर पूरा विश्वास है। उमर ने कुलगाम जिले के देवसर में जनसभा को संबोधित करने के बाद कहा कि अनुच्छेद 370 को लेकर आने वाले फैसले के बारे में किसी को भी पता नहीं हो सकता है। उनके अनुसार सरकार को उन्हें नजरबंद करने के लिए कोई भी बहाना चाहिए और यह बहाना उन्हें मिल गया है। उधर, पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने अनंतनाग जिले के बिजबिहाड़ा में कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के बाद कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही इस मामले को सुनने में 5 साल लगा दिए। दूसरा उसके बाद खुद सुप्रीम कोर्ट में कई पुराने फैसले इसको लेकर आए हैं। उनमें कहा गया है कि 370 को जम्मू-कश्मीर की संविधान सभा के बगैर कोई नहीं हटा सकता है। इसमें यह होना चाहिए कि जो 5 अगस्त 2019 को किया गया, वह गैरकानूनी था। संविधान और जम्मू-कश्मीर के खिलाफ था। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि उन्हें पता चला है कि शुक्रवार रात से उनके कार्यकर्ताओं की लिस्ट पुलिस थानों के जरिए ली जा रही है। ऐसा लगता है कि ऐसा फैसला आने वाला है, जो जम्मू-कश्मीर के बजाय सिर्फ भाजपा के हक में है। इसीलिए एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं।

इसका मुझे अफसोस है। कई कार्यकर्ताओं को पुलिस स्टेशनों से फोन भी आया और उन्हें थाने बुलाया गया है। इस बीच पीपुल्स कांफ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने कहा कि उन्हें उच्चतम न्यायालय की न्याय प्रक्रिया पर पूरा विश्वास है। उन्होंने कहा कि वह उस दल हैं, जिसने अनुच्छेद 370 हटाए जाने के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की थी। सज्जाद के अनुसार किसी भी कानूनी मामले में न्यायालय केवल तथ्यों के आधार पर फैसला देती है न कि बहुसंख्यक या अल्पसंख्यक देखकर।

कठुआ में फर्जीवाड़ा

कर्ज मुक्ती कराने के नाम पर जुटाया जा रहा था लोगों का डाटा, छह आरोपी धरे

जम्मू, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के जिला कठुआ में रविवार को प्रशासन ने कर्ज मुक्ति कराने के नाम पर लोगों का डाटा इकट्ठा करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया। इस मामले में पुलिस ने छह लोगों को हिरासत में लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार, कठुआ शहर के एक साइबर कैफे के बाहर रविवार को बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए थे। यहां पहुंचे लोगों का कहना था कि उन्हें पता चला है कि कर्ज मुक्त कराने के लिए उन्हें अपने कुछ दस्तावेज जमा कराने होंगे, जिसके बाद उन्हें कर्ज से मुक्त कर दिया जाएगा। कठुआ शहर के साथ लगते गांवों से सैकड़ों की संख्या में लोग यहां पहुचे हुए थे। मामले का स्वयं संज्ञान लेते हुए जिला उपायुक्त पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों से बातचीत की और लोगों के दस्तावेज जमा करे रहे आरोपियों से पूछताछ की। इस दौरान आरोपी डाटा एकत्रित करने के सवाल का उचित जवाब नहीं दे पाए और न ही केंद्र सरकार या जम्मू कश्मीर प्रशासन की ओर से जारी किसी भी तरह की ऐसे योजना के बारे कोई साक्ष्य दे पाए। इस पर पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में ले लिया। जिला उपायुक्त ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे शातिरों के झांसे में न आए और सरकार की तरफ से चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी अपने नजदीकी किसी भी सरकारी कार्यालय या सरकारी अधिकारी से प्राप्त करें।

हरीश रावत बोले- कोने में दुबके नजर आए हमारे व्यंजन, लेकिन पीएम मोदी के आइडिया को सराहा

देहरादून, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन में उत्तराखंड के पारंपरिक व्यंजनों की उपेक्षा का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इस पूरे आयोजन में हम पहाड़ी व्यंजनों को बड़े फलक पर प्रस्तुत कर सकते थे, लेकिन हमने यह मौका खो दिया। उन्होंने कहा कि पूरे आयोजन में हमारे केवल दो उत्पाद मंडुवा और झंगोरा ही कहीं किनारे दुबके हुए नजर आए। हरीश रावत ने कहा कि अच्छा होता इस आयोजन में केवल विशुद्ध उत्तराखंडी व्यंजन परोसे जाते। इसमें हरिद्वार का चावल, बुरा-घी और धुले मास की दाल सहित विभिन्न तमाम उत्पादों को शामिल किया जाता। स्वीट डिश में उत्तराखंडी जैविक गुड़ के साथ अरसा, बाल मिठाई, सिंगोड़ी और डीडीहाट का खैंचुआ, आगरा खाल की रबड़ी को स्थान मिलता। आतिथ्य सत्कार के एक भव्य समारोह में हमारे लिए अवसर था कि हम अपने व्यंजन, आभूषण, संस्कृति, कला, हस्तशिल्प को प्रदर्शित करते। उन्होंने कहा कि व्यंजन व्यवसाय उत्तराखंड में एक बड़ा सेक्टर बन सकता है, जिसमें रोजगार और आर्थिक समृद्धि, दोनों देने की बड़ी क्षमता है।

पीएम मोदी के वेड इन इंडिया के आइडिया को सराहा

पूर्व सीएम रावत ने पीएम मोदी के वेड इन इंडिया के आइडिया को सराहा है। उन्होंने कहा कि आइडिया फील गुड का आभास करता है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में बहुत सारे औद्योगिक घराने अपना निवेश भारत से बाहर कर रहे हैं। पीएम मोदी ने उन्हें भी यह संदेश दिया है कि इन्वेस्ट इन इंडिया। उन्होंने पीएम मोदी के लोकल-वोकल से ग्लोबल को भी सशक्त मंत्र बताया। उन्होंने हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड नाम दिए जाने को लेकर सीएम धामी की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि हिमालय से बड़ा दुनिया में कोई बड़ा ब्रांड नाम नहीं है। रावत ने कहा कि वह कांग्रेसी हैं और मोदी के विचारों के घोर विरोधी भी हैं, लेकिन जो बात सबके हित में है, उसकी सराहना की जानी चाहिए।

कोर्ट में केंद्र ने कहा- गुटखा विज्ञापन मामले में शाहरुख, अक्षय, देवगन को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने एक अवमानना याचिका के जवाब में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ को सूचित किया कि गुटखा कंपनियों के विज्ञापन करने के मामले में बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार, शाहरुख खान व अजय देवगन को नोटिस जारी किए गए हैं। केंद्र सरकार के वकील ने यह भी कहा कि इसी मसले पर उच्चतम न्यायालय भी सुनवाई कर रहा है, लिहाज़ा यह याचिका खारिज कर दी जाए। इस पर अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए नौ मई 2024 की तिथि निर्धारित कर दी । यह आदेश न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान की एकल पीठ ने एक अवमानना याचिका पर पारित किया। न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान की पीठ ने पहले केंद्र सरकार को याचिकाकर्ता के प्रतिवेदन पर निर्णय लेने का निर्देश दिया था। याची ने दलील दी थी कि उन अभिनेताओं और गणमान्य व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए जिन्हें उच्च सम्मान दिए गए हैं, लेकिन वे गुटखा कंपनियों के लिए विज्ञापन कर रहे हैं। याचिकाकर्ता ने कहा कि 22 अक्टूबर को सरकार को प्रतिवेदन दिया गया था लेकिन मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई।

इसके बाद अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार के कैबिनेट सचिव को नोटिस जारी किया था। शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से उप सॉलिसिटर जनरल एसबी पांडे ने बताया कि केंद्र ने अक्षय कुमार, शाहरुख खान और अजय देवगन को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है। वहीं, अदालत को यह भी जानकारी दी गई कि अभिनेता अमिताभ बच्चन ने करार रद्द करने के बावजूद उन्हें विज्ञापन में दिखाने पर सम्बंधित गुटखा कंपनी को कानूनी नोटिस भेजा है।

वार्षिक जीडीपी है 5.4%, लेकिन तिमाही वृद्धि पर अपनी पीठ थपथपा रही है मोदी सरकार: कांग्रेस

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी ने रविवार को केंद्र सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि वह हाल की तिमाही जीडीपी ग्रोथ को खूब बढ़ा चढ़ाकर पेश कर रही है, और कहा कि अब तक की वार्षिक औसत जीडीपी ग्रोथ रेट 5.4 प्रतिशत ही है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री बार-बार जुलाई-सितंबर 2023 के हालिया आंकड़ों के आधार पर 'भारत में परिवर्तनकारी जीडीपी वृद्धि' की बात कर रहे हैं। लेकिन अगर आप तिमाही विकास आंकड़ों को छोड़ दें तो जो बात बहुत अधिक मायने रखती है कि अर्थव्यवस्था कितना अच्छा प्रदर्शन कर रही है। लंबी अवधि में जीडीपी ग्रोथ रेट काफी कम है। जयराम रमेश ने पूछा, जब डॉ। मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे तब वार्षिक औसत जीडीपी विकास दरः 8.1 प्रतिशत थी। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में अब तक वार्षिक औसत जीडीपी विकास दर 5.4 प्रतिशत है। कौन सा वास्तव में परिवर्तनकारी है? उनकी यह टिप्पणी केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के गुरुवार को उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत की दूसरी तिमाही की वृद्धि दुनिया में सबसे अधिक है। देश सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। मंत्री ने देश में आर्थिक स्थिति पर राज्यसभा में तीन दिनों तक बड़ी संख्या में सदस्यों की भागीदारी के साथ हुई बहस का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 11 दिसंबर, 2023 3

सुविचार

वक्त तेरा लाख शुक्रिया जो भी सिखा, तुझसे ही सीखा है !

बड़े ड्रग रैकेट का पर्दाफाश, महिला समेत सात गिरफ्तार

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स (पश्चिम) की टीम ने रविवार को टॉलीचौकी में कथित तौर पर चरस का तेल रखने और बेचने के आरोप में एक महिला सहित सात लोगों को पकड़ा।

पुलिस ने उनके पास से 310 मिलीलीटर चरस का तेल और 70 ग्राम चरस बरामद की। एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, इंस्पेक्टर खलील पाशा के नेतृत्व में टास्क फोर्स टीम ने सैयद मुजफ्फर अली (26), अबुबकर बिन अब्दुल अजीज (23), मोहम्मद कासिम (35), सैयद मुर्तुजा अली (34), मुबाशिर खान (28), नितिन गौड़ (22) और पूनम कुमारी (25) को गिरफ्तार किया है। इस मामले के दो अन्य ज़ीशान नवीद और सैयद अनवारुल्लाह हुसैनी क़ादरी निवासी टोली चौकी फरार हैं। पुलिस के अनुसार, मुजफ्फर और अबुबकर कासिम के माध्यम से आंध्र प्रदेश के अरुकु क्षेत्र के पडेरू गांव से ड्रग्स खरीद रहे थे और अन्य चार लोगों को आपूर्ति कर रहे थे, जो स्थानीय तस्कर थे।

मुख्यमंत्री ने एमसीआर एचआरडीआईटी का दौरा किया

संकाय सदस्यों से की बातचीत

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सरकारी मशीनरी को संरेखित करने पर ध्यान केंद्रित किया है। उसी के तहत, एमसीआर ने रविवार को एचआरडीआईटी का दौरा किया और संकाय के साथ बातचीत की। उन्होंने इस संगठन की गतिविधियों के बारे में बात की। कर्मचारियों को दिए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में जानकारी ली।

बाद में, उन्होंने सौर ऊर्जा वाहन से संगठन के विभिन्न ब्लॉकों का दौरा और निरीक्षण किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के साथ राज्य की पंचायत राज, ग्रामीण विकास और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री श्रीमती डी. अनसूया (सीताक्का) ने भाग लिया। मुख्यमंत्री का एमसीआर एचआरडीआईटी महानिदेशक डॉ. शशांक गोयल ने स्वागत किया। पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से संस्था की गतिविधियों के बारे में मुख्यमंत्री को जानकारी दी गई। एमसीआर एचआरडीआईटी के डीजी डॉ. शशांक गोयल ने मुख्यमंत्री को कई महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस कार्यक्रम में

संस्थान के एडीजी बेनहर महेश इक्का, सीजीजी डीजी राजेंद्र निमजे, पूर्व मंत्री शब्बीर अली, हैदराबाद जिला कलेक्टर और विभिन्न विभागों के संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

जनता की सरकार जनता के लिए काम करेगी : भट्टी विक्रमार्क

खम्मम, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि सार्वजनिक सरकार का मुख्य एजेंडा धन पैदा करना और उसे लोगों में वितरित करना है। वे मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव और पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के साथ खम्मम कांग्रेस पार्टी जिला कार्यालय में मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनता की सरकार जनता के लिए काम करेगी। हमने सत्ता में आने के दो दिन के भीतर ही दो गारंटी लागू कीं। बाकी चार गारंटी हम 100 दिन के अंदर लागू करेंगे। सार्वजनिक सरकार में हर व्यवस्था, हर संस्था लोगों के लिए काम करती है। यह जनता की सरकार पूरी तरह से जनता को समर्पित है। रविवार को विधानसभा के उत्सवी माहौल में कांग्रेस पार्टी की ओर से दिए गए दो वादों का लोकार्पण किया गया। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए पहले कदम के रूप में, राज्य की सभी महिलाओं को आरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा प्रदान करके मुफ्त आरटीसी बसें शुरू की गई हैं। हमने प्रदेश के हर परिवार को राजीव आरोग्यश्री सहायता राशि बढ़ाकर दस लाख रुपये करने की गारंटी शुरू की है। हम राज्य में लोगों के घरों, बंजर भूमि और अन्य समस्याओं का समाधान करेंगे।

CLASSIFIEDS

चाहिए ड्राईवस

एमकेआर कम्पनि के लिए ड्राईवर्स 4+3 व्हीलर्स लड़के चाहिए, फिल्ड वर्क करने के लिए लड़के चाहिए। सैलरी 12हजार से 14 हजार रुपये, रहना खाना मुफ्त, उम्र 35 वर्ष के भीतर, सिकन्दराबाद फ़ोन : 7989856361, 040--27503331

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

झगड़े के बाद पत्नी की चाकू मारकर हत्या की

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के आदिबटला में शनिवार रात निजी मुद्दों को लेकर एक 33 वर्षीय महिला की उसके पति ने कथित तौर पर हत्या कर दी। पीड़िता बनोथु ज्योति (33) अपने पति बनोथु जब्बार आदिबटला इंस्पेक्टर, पी रघुवीर रेड्डी ने कहा, शनिवार देर रात, जब्बार और ज्योति के बीच कुछ पारिवारिक मुद्दों पर झगड़ा हुआ, जिसके दौरान उस व्यक्ति ने ज्योति पर चाकू से बार-बार वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। शोर सुनकर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचित किया, पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को स्थानीय सरकारी अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस जांच कर रही है। जब्बार लाल अपनी पत्नी की हत्या करने के तुरंत बाद भाग गया और पुलिस उसे पकड़ने के प्रयास कर रही है।

वनों और पर्यावरण की रक्षा के लिए मिलकर काम करेंगे: कोंडा सुरेखा

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सुश्री कोंडा सुरेखा कल (सोमवार, 11 दिसंबर) सुबह 10 बजे राज्य के वन, पर्यावरण और राजस्व मंत्री के रूप में कार्यभार संभालेंगी। सचिवालय की चौथी मंजिल पर स्थित कार्यालय (कमरा नंबर 410) में पूजा होगी और जिम्मेदारियां स्वीकार की जाएंगी। मुख्य वन संरक्षण अधिकारी (पीसीसीएफ और एचओएफएफ) आरएम डोबरियाल ने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मंत्री का उनके आवास पर स्वागत किया। इस मौके पर मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि हम राज्य में पर्यावरण और वनों की रक्षा और हरियाली बढ़ाने के लिए मिलकर काम करेंगे। इससे पहले राजस्व विभाग के आयुक्त अनिल कुमार समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू दो दिवसीय दौरे पर आज आएंगी लखनऊ, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

लखनऊ, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु के सोमवार और मंगलवार के कार्यक्रम के मद्देनजर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं।

कार्यक्रम स्थल इंदिरागांधी प्रतिष्ठान और डिवाइन हार्ट एंड मल्टीस्पेशियलिटी हास्पटिल के आस पास का एरिया नो-फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है। इन दोनों स्थलों के आस पास कोई प्राइवेट ड्रोन नहीं उड़ा सकेगा। ऐसा करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। राष्ट्रपति सोमवार को आएंगीं और उनका रात में यहीं प्रवास होगा। मंगलवार तक उनके यहां कार्यक्रम हैं। विभिन्न मार्गों से

उनके आवागमन के दौरान कुछ देर लिए सामान्य वाहनों का संचालन रोका जाएगा। इस दौरान सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं।

सुरक्षा में लगाया पुलिस बल

डीसीपी/एसपी 10, अपर पुलिस अधीक्षक 16, सीओ/एसीपी 34, इंस्पेक्टर 46, दारोगा 465, महिला दारोगा 48, मुख्य आरक्षी 340, सिपाही 1170, पीएसी छह कंपनी, ट्रैफिक इंस्पेक्टर 12, ट्रैफिक दारोगा 120, मुख्य आरक्षी ट्रैफिक 150, ट्रैफिक सिपाही 350

पुलिस मुख्यालय से लगाया गया पुलिस बल

एसपी छह, अपर पुलिस अधीक्षक 10, सीओ 15, इंस्पेक्टर 25, दारोगा 200, महिला दारोगा 25, मुख्य आरक्षी 150, सिपाही 400, पीएसी छह कंपनी, ट्रैफिक इंस्पेक्टर छह, दारोगा 40, मुख्य आरक्षी 50, सिपाही 150, एटीएस टीम दो (महत्वपूर्ण स्थानों पर), अर्ध सैनिक बल एक सुरक्षा के लिए एनएसजी द्वारा एंटी ड्रोन टीम भी उपलब्ध कराई जा रही है, जो ड्रोन के प्रभावित खतरे पर कार्रवाई करेगी।

लोकसभा चुनाव से पहले एक और झटका

कद्दावर नेता जेबा यास्मीन ने छोड़ा सपा का साथ

लखनऊ, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। बीजेपी, कांग्रेस समेत देश के सभी राजनीतिक दल अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गए हैं। इसी क्रम में समाजवादी पार्टी ने भी अपनी तैयारियों को धार देना शुरू कर दिया है। इसी बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को तगड़ा झटका लग गया है। सपा प्रवक्ता जेबा यास्मीन ने सपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। जेबा यास्मीन साल 2017 से समाजवादी पार्टी से आधिकारिक रूप से जुड़ी हुई थीं। सपा प्रवक्ता यास्मीन ने

सपा मुखिया अखिलेश यादव को पत्र लिखकर इस्तीफा दे दिया है। जेबा यास्मीन ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को पत्र में लिखा कि आंतरिक नीतियों और परिस्थितियों से पूर्ण रूप से सहमत न होने के कारण कुछ समय से काम नहीं कर पा रही थी। इसलिए समाजवादी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे रही हूं। इसके साथ ही जेबा यास्मीन ने पत्र में लिखा कि सपा की ओर से दिए गए पद और जिम्मेदारियों से खुद को मुक्त करती हूं। जेबा यास्मीन ने बताया कि उन्होंने 2017 में आधिकारिक रूप से समाजवादी पार्टी को जॉइन किया था। तब से लेकर आज तक मेहनत की। इसके बदले समाजवादी पार्टी ने उन्हें बहुत सम्मान और एक अच्छा पद भी दिया था। आंतरिक नीतियों और परिस्थितियों से पूर्ण रूप से सहमत न होने के कारण कुछ समय से काम नहीं कर पा रही थी, इसलिए समाजवादी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे रही हूं। 2017 में आधिकारिक रूप से समाजवादी पार्टी को जॉइन किया था। तब से लेकर आज तक मेहनत की। इसके बदले समाजवादी पार्टी ने बहुत सम्मान और एक अच्छा पद भी दिया। सपा की ओर से दिए गए पद और जिम्मेदारियों से खुद को मुक्त करती हूं।

पति ने पत्नी को पढ़ाया, यूपी पुलिस में भर्ती कराया

किसी और के साथ फेरे लेने की थी तैयारी, तभी मंडप में पहुंची पुलिस

गाजियाबाद, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। शादी के बाद पत्नी को पढ़ा-लिखाकर सरकारी नौकरी दिलाने में खून पसीना एक करने वाले बुलंदशहर के बस चालक को शायद ये अंदाजा न होगा कि एक दिन वह उसका ही साथ छोड़कर किसी और के साथ सात फेरे लेने को तैयार हो जाएगी, बिल्कुल उसी तरह जैसे प्रदेश सरकार में कार्यरत एक महिला पीसीएस अधिकारी ने कुछ माह पहले करने की कोशिश की थी। शनिवार को बस चालक ने अपनी पत्नी की शादी किसी और से होने की सूचना मिलने पर पुलिस को सूचित किया, जब तक पुलिस पहुंची जयमाल कार्यक्रम हो चुका था, फेरे लेने के लिए दूल्हा-दुल्हन तैयार थे। यह शादी पुलिस के दखल के बाद रोक दी गई। बुलंदशहर में रहने वाले बस चालक की शादी सात साल पहले वर्तमान में गाजियाबाद में रहने वाली युवती से हुई थी, उसकी इच्छा शादी के बाद पढ़ाई पूरी कर सरकारी नौकरी करने की थी, इसमें पति ने पूरा साथ दिया। पढ़ाई में किसी तरह की कमी न आए, इसके लिए न केवल उसने अपनी खून-पसीने की कमाई खर्च की, बल्कि घर के काम मे भी हाथ बंटाया। दोनों की मेहनत रंग लाई और बस चालक की पत्नी का चयन 2019 में उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही के पद पर हो गया। वर्तमान में उसकी तैनाती शाहजहांपुर जिले में है। सरकारी वर्दी पहनने के कुछ समय बाद ही उसके व्यवहार में बदलाव आ गया, पति से उसने दूरी बनानी शुरू कर दी और उसे नापसंद करने लगी। मामला इस कदर आगे बढ़ा की दोनों के बीच तलाक की नौबत आ गई।

सीएम योगी बोले- 'माफिया हावी होंगे तो विकास बाधित कर देंगे

आमजन को तबाह कर देंगे, 2017 से पहले यही होता था

लखनऊ, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सहकारिता हो या अन्य कोई क्षेत्र, यदि उसमें माफिया हावी होंगे तो विकास बाधित कर देंगे, आमजन को तबाह कर देंगे। उत्तर प्रदेश में 2017 से पहले यहीं होता था। आज उत्तर प्रदेश में माफिया गिरोहों पर शिकंजा कस दिया गया तो न केवल प्रदेश के प्रति लोगों की धारणा बदली है बल्कि विकास के बड़े बड़े कार्य हो रहे हैं। इन बातों का जिक्र मुख्यमंत्री योगी ने गोरखपुर के नथमलपुर में जिला सहकारी फेडरेशन (डीसीएफ) लिमिटेड के नवनिर्मित व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स का लोकार्पण करने के बाद आयोजित समारोह में किया। उन्होंने कहा कि एक लंबे दौर तक गैंगवार के कारण गोरखपुरवासियों पर पहचान का संकट था। यहां उद्यमी निवेश नहीं करना चाहते थे, बैंक युवाओं को लोन नहीं देते थे। विकास के बड़े कार्य नहीं होते

थे। अगर विकास की कोई बड़ी परियोजना आ भी गई तो माफिया ठेका हथियाने को हावी हो जाते थे, नतीजा होता था गैंगवार।

सहकारिता आंदोलन भारत के विकास की आत्मा: सीएम

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सहकारिता आंदोलन भारत के विकास की आत्मा रही है। जिन राज्यों ने इसकी मूल अवधारणा और महत्व को समझ लिया, वे विकास में आगे निकल गए। जिन राज्यों में सहकारिता की उपेक्षा हुई या सहकारिता गलत लोगों के हाथ में चली गई, वे राज्य पिछड़ गए। उत्तर प्रदेश में शरारत के तहत सहकारिता को कमजोर किया गया। 2017 के पूर्व यूपी के 16 जिला सहकारी बैंकों के लाइसेंस रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने निरस्त कर दिए थे। इन बैंकों में पैसा जमा करने वाले छोटे किसान और छोटे व्यापारी तबाह थे। बेटी की शादी के लिए भी पैसा नहीं निकल पा रहा था।

सहकारिता के जरिये स्थापित हो रहे विकास के नए आयाम

सीएम योगी ने कहा कि आज सरकार के सहयोग से कई बैंक फिर से खड़े हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में सहकारिता का फैलाव किया है।

इसके लिए अलग से मंत्रालय गठित किया है, जिसकी कमान गृहमंत्री अमित शाह के पास है। सहकारिता के जरिये सबकी सहभागिता से विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। छोटी जोत के किसानों के बीच एफपीओ बनाकर और अलग अलग कार्यों जैसे खाद्य प्रसंस्करण, भण्डारण आदि से किसानों को जोड़कर सहकारिता का मॉडल खड़ा किया जा सकता है। इन मॉडलों से बड़ी संख्या में लोग प्रेरित होंगे और रोजगार भी बढ़ेगा।

कंपकपाती ठंड के लिए यूपी वाले हो जाएं तैयार, राज्य में छायेगा घना कोहरा

प्रयागराज, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में इस सप्ताह अलग-अलग जिलों में बारिश हुई है। हालांकि अब अगले सप्ताह ज्यादातर जिलों में मौसम साफ रहने की संभावना जताई गई है। लेकिन आईएमडी की माने तो 15 और 16 दिसंबर को राज्य के कुछ जिलों में फिर से बारिश होने की संभावना है। रविवार को पूरे दिनों मौसम साफ रहेगा और कुछ जिलों में घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार 11 दिसंबर को एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालय क्षेत्र को प्रभावित करेगा। इसका हल्का असर राज्य के पश्चिमी हिस्से में पड़ सकता है। पछुआ हवाओं के कारण ये उत्तर से उत्तर पूर्व की ओर बढ़ गया है, इसके कारण आने वाले तीन दिनों में पारा 2 से 3 डिग्री तक गिर सकता है। हालांकि ज्यादातर जिलों में मौसम बिल्कुल साफ रहेगा और तेज धूप निकलने की संभावना है।

जानें 5 दिनों के मौसम का हाल

मौसम विभाग की माने तो अगले 5 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे लगभग 2 डिग्री की गिरावट आने की संभावना है अगले 3 दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे 2 से 3 डिग्री की गिरावट की संभावना है। उसके बाद न्यूनतम तापमान में कोई बदलाव नहीं होगा। वहीं बीते सप्ताह हुई बारिश की बात करें तो राज्य में सबसे ज्यादा बारिश सोनभद्र में हुई है। रविवार को राजधानी लखनऊ और प्रयागराज में आसमान में हल्के बादल छाए रहने की संभावना है। राज्य में शनिवार को बरेली सबसे ठंडा जिला रहा, यहां न्यूनतम तापमान 12 डिग्री दर्ज किया गया।

गांधी खानदान में किसका एटीएम है 200 करोड़ वाला सांसद? अमेठी में स्मृति ईरानी का कांग्रेस पर वार

अमेठी, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा अमेठी से भारतीय जनता पार्टी की सांसद स्मृति ईरानी ने कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य धीरज प्रसाद साहू के परिसर से 'बेहिसाब' नकदी की बरामदगी पर तंज करते हुए कहा भ्रष्टाचार का यह 'एटीएम' गांधी परिवार में किसका है, इस सवाल के जवाब का इंतजार रहेगा। ईरानी ने अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र अमेठी के गौरीगंज में संवाददाताओं से बातचीत में कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य साहू के यहां पड़े आयकर विभाग की छापे का जिक्र करते हुए कहा, 'नोट गिनते-गिनते इंसान के साथ-साथ मशीन भी थक गई है लेकिन कांग्रेस के भ्रष्ट नेता के घर से पैसा अब भी बरामद हो रहा है।' उन्होंने कहा, 'भ्रष्टाचार के 200 करोड़ रुपए कांग्रेस के एक भ्रष्ट सांसद के घर से निकले। यह गांधी खानदान में किसका एटीएम है, इस सवाल के जवाब का इंतजार रहेगा। उन्होंने कहा, कांग्रेस का यह पहला

सांसद नहीं है जो भ्रष्टाचार में लिप्त है। आखिर ऐसा क्यों है कि जहां घोटाला है, वहीं कांग्रेस का नेता भी है। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य धीरज प्रसाद साहू की ओडिशा स्थित बौध डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड और उससे जुड़ी कंपनियों के खिलाफ आयकर विभाग की छापेमारी में अब तक 225 करोड़ रुपये की बेहिसाब नकदी बरामद की गई है। सूत्रों ने बताया कि आयकर विभाग ने राशि की गिनती के लिये तीन दर्जन से अधिक नोट गिनने वाली मशीनें लगाई हैं। मशीनों की सीमित क्षमता की वजह से बेहिसाब राशि को गिनने में समय लग रहा है। अधिकारियों ने बताया कि अलमारियों में रखी 200 करोड़ रुपये की नकदी ओडिशा के बोलनगीर जिले में डिस्टिलरी समूह के परिसर से बरामद की गई है जबकि शेष राशि ओडिशा के संबलपुर तथा सुंदरगढ़, झारखंड के बोकारो और रांची जैसे अन्य स्थानों से बरामद की गई। कुछ रकम कोलकाता से भी मिली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक हिंदी समाचार पत्र की खबर साझा की, जिसमें दावा किया गया है कि झारखंड से कांग्रेस सांसद धीरज प्रसाद साहू से कथित तौर पर संबद्ध एक कारोबारी समूह के विभिन्न ठिकानों से आयकर विभाग ने 200 करोड़ रुपये की नकदी बरामद की है। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा,'देशवासी इन नोटों के ढेर को देखें और फिर इनके नेताओं के ईमानदारी के 'भाषणों' को सुनें। जनता से जो लूटा है, उसकी पाई-पाई लौटानी पड़ेगी, यह मोदी की गारंटी है।' केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा को संबोधित करते हुए गांधी नेहरू परिवार का नाम लिए बगैर उसे पर निशाना साधा और कहा, जिस क्षेत्र में वर्षों तक भारत के शीर्ष राजनेताओं ने राज किया हो और यहीं की बदौलत सत्ता सुख भोगते रहे, उन्होंने अमेठी के बारे में नहीं सोचा। उन्होंने केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और नीतियों का विस्तार से जिक्र करते हुए कहा कि भारत को साल 2047 तक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित किया जाएगा।

प्रयागराज जंक्शन पर हेड कांस्टेबल की मौत

प्रयागराज, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफ़ॉर्म नंबर सात पर ट्रेन की प्रतीक्षा करते समय, 55 वर्षीय हेड कांस्टेबल छांगुर राम की मौत हार्टअटैक के कारण हो गई। वे जौनपुर से प्रयागराज अपनी बेटी और बहू के साथ आए थे और वह जौनपुर पुलिस लाइन में तैनात थे। छांगुर राम नगरा थाने के खनवर नवादा गांव के निवासी थे और उनके परिवार में पत्नी प्रेम शीला देवी, दो बेटे और तीन बेटियां शामिल थीं।

उनके पिता ने उन्हें और भाभी सुनीता को जौनपुर से प्रयागराज छोड़ने के लिए ट्रेन से लेकर आए थे, और उन्हें छोड़कर छांगुर राम फिर अपनी ड्यूटी के लिए प्लेटफ़ॉर्म नंबर सात पर ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान अचानक हेड कांस्टेबल गिर पड़े, और लोगों की सूचना पर जीआरपी पुलिस ने उन्हें तत्काल इलाज के लिए जीआरपी अस्पताल में ले जाया, जहाँ डॉक्टरों ने उनकी मौत की सूचना दी।

बरेली-नैनीताल हाईवे पर भीषण सड़क हादसा

कार और ट्रक की टक्कर, 8 लोगों की जिंदा जलकर मौत

बरेली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के बरेली में दर्दनाक सड़क हादसे में कार सवार 8 लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। भोजीपुरा थाना क्षेत्र में नैनीताल हाइवे पर हुए इस हादसे में एक बच्चे समेत 8 लोगो की जिंदा जलकर मौत हो गई है। घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी सहित तमाम पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत बचाओ कार्य में लग गए। बरेली एसएसपी सुशील चंद्रभान ने एक बच्चे सहित 8 लोगों के मरने की पुष्टि की है।

इस सभी मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। सड़क हादसे के संबंध में जानकारी देते हुए बरेली एसएसपी सुशील चंद्रभान ने कहा, 'भोजीपुरा के पास हाईवे पर एक कार की सामने से आ रहे ट्रक से टक्कर हुई, जिसके बाद गाड़ी में आग लग गई। एक बच्चे सहित 8 लोगों के शव निकाले गए हैं। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज

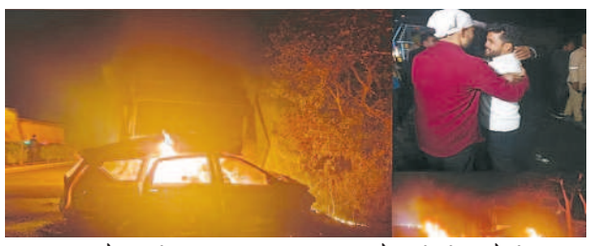

दिया गया है। आगे की कार्रवाई जारी है।'

कार में लगी आग

ये सड़क हादसा बरेली के भोजीपुरा इलाके में हुआ है। यहां थाने से थोड़ी दूरी पर डंपर से टकराने के कारण कार में आग लग गई। कार सवार एक बारात से आ रहे थे। हादसे में कार सवार सभी 8 बारातियों की मौत हो गई है। कार में आग की सुचना मिलते ही वहां प्रशासन पहुंचा और फिर फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। इसके बाद आग बुझाकर कार से शवों को निकाला गया। पुलिस के अनुसार शादी समारोह में शामिल होने के बाद सभी बाराती अपने गांव बहेड़ी वापस लौट रहे थे। लौटते वक्त रात करीब 12 बजे दभौरा गांव में अचानक कार का टायर फट गया और कार असंतुलित हो गई। असंतुलित कार सड़क के दूसरी ओर चली गई और सामने से आ रही डंपर से टकरा गई। डंपर से टकराने के बाद कार करीब 30 मीटर तक घिसटती रही। घटना के सूचना मिलते ही एसएसपी सुशील चंद्रभान भी घटना स्थल पर पहुंचे थे। कुछ देर में सीओ चमन भी वहां पहुंचे और ट्रैफिक को खाली कराया गया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। खबर लिखे जाने तक मरने वाले सभी लोगों की पहचान नहीं हो पाई है।

गजब का जज्बा! कांस्टेबल की हत्या का लगा था आरोप, दो साल काटी जेल, फिर पढ़ी वकालत और खुद को साबित किया निर्दोष

मेरठ, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। विपरीत हालात में हिम्मत नहीं हारने वाले लोग दुनिया में बेहद कम ही होते हैं। एक ऐसे ही कहानी मेरठ के अमित चौधरी की है। जब अमित की कहानी आप पढ़ेंगे तो हैरान रह जाएंगे। बारह साल पहले, 18 साल की उम्र में अमित ने खुद को एक ऐसे अपराध में फंसा हुआ पाया जो उसने किया ही नहीं था। रिपोर्ट के अनुसार यूपी के मेरठ में दो कांस्टेबलों की हत्या के लिए दोषी ठहराए जाने और गैंगस्टर होने का गलत आरोप लगाए जाने के बाद अमित का जीवन अचानक अंधेरे में डूब गया था। चूंकि मृतक पुलिसकर्मी थे, इसलिए अपराध ने तत्कालीन यूपी सीएम मायावती का ध्यान आकर्षित किया, जिन्होंने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी का आदेश दिया। घटना के समय अपनी बहन के साथ शामली में होने के बावजूद अमित इस मामले में 17 आरोपियों में से एक बन गए, जिन पर आईपीसी और एनएसए के तहत कड़े आरोप लगाए गए। हत्या की साजिश रचने वाले कुख्यात कैल गिरोह का हिस्सा होने का आरोप लगाते हुए अमित को दो साल तक सलाखों के पीछे रहना पड़ा, ऐसे आरोपों का सामना करना पड़ा जिससे उनके भविष्य को खराब होने का खतरा था। हलांकि अमित ने प्रतिकूल परिस्थितियों को अपने उल्लेखनीय परिवर्तन में लगा दिया और परिस्थितियों से भागने के बजाय अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए कानून का अध्ययन किया। बागपत के किरथल गांव के एक किसान का बेटा, वह जेल में भी अपने संकल्प पर दृढ़ रहा और कुख्यात जेल कैदियों द्वारा उसे आपराधिक गतिविधियों में शामिल करने के प्रयासों का विरोध किया। उन्होंने कहा 'मुजफ्फरनगर जेल में, अनिल दुजाना और विक्की त्यागी (दोनों मुठभेड़ों में मारे गए) जैसे खूंखार गैंगस्टरों ने मुझे अपने गिरोह में शामिल करने की कोशिश की। जेलर अच्छे स्वभाव के थे, और उन्होंने मुझे एक ऐसे बैरक में जाने दिया, जहां गैंगस्टर नहीं रहते थे।' साल 2013 में जमानत पर रिहा हुए अमित ने अपना नाम साफ करने के लिए एक दृढ़ यात्रा शुरू की। उन्होंने कहा कि 'ताकि मेरा परिवार समाज में अपना सिर ऊंचा करके चल सके।' कलंक से ऊपर उठकर, उन्होंने खुद को कानून के अध्ययन में शामिल कर लिया, शैक्षणिक मील के पत्थर हासिल किए जिनमें बीए, एलएलबी और एलएलएम शामिल थे, और अंततः बार काउंसिल की परीक्षा उत्तीर्ण की। कानूनी ज्ञान से लैस होकर, उन्होंने अपने केस की जिम्मेदारी स्वयं संभाली। उन्होंने आगे कहा 'मैं, एक वकील के रूप में, अपने मामले का प्रतिनिधित्व करते हुए, उस अधिकारी के ठीक सामने खड़ा था जो गवाह बॉक्स में खड़ा था, और फिर भी वह मुझे नहीं पहचान सका।

उमेश पाल हत्याकांड में पुलिस का एक्शन अतीक की बहन आयशा का घर कुर्क

प्रयागराज, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हुए उमेश पाल मर्डर केस में पुलिस का ताबड़तोड़ एक्शन जारी है। इस हत्याकांड में अतीक अहमद के बहनोई अखलाक का नाम भी सामने आया था। पुलिस ने आयशा-अखलाक के मेरठ वाले घर को कुर्क कर लिया। उमेश पाल हत्याकांड पुलिस का एक्शन अतीक की बहन आयशा नूरी का घर कुर्क हत्या के बाद आयशा के इसी घर में रुका था गुड्डू मुस्लिम सूत्रों के मुताबिक, उमेश पाल हत्याकांड का आरोपी गुड्डू मुस्लिम वारदात के बाद मेरठ के इसी घर में पनाह दी थी। प्रयागराज की धूमनगंज पुलिस ने इस कुर्की की कार्रवाई को अंजाम दिया है। अतीक की बहन आयशा नूरी अब तक फरार चल रही है, कोर्ट के आदेश पर आयशा नूरी के घर कुर्की की कार्रवाई की गई है। इससे पहले उमेश पाल और दो सरकारी गरन के शूटआउट मामले में माफिया अतीक अहमद के भाई खालिद अजीम उर्फ अशरफ की पत्नी जैनब फातिमा के घर की कुर्की की। जैनब फातिमा उमेश पाल शूटआउट केस में वांटेड है। पूरामुफ्ती थाना इलाके के सल्लाहपुर में वक्फ की जमीन पर बना दो मंजिला आलीशान मकान कुर्क किया गया। धूमनगंज थाना पुलिस ने कोर्ट से धारा 83 सीआरसीपी के तहत कुर्की का नोटिस इश्यू कराया था। जैनब के घर पर भी धारा 82 सीआरपीसी की हो कार्रवाई चुकी है। धारा 82 सीआरपीसी की कार्रवाई के तहत जैनब फातिमा को भगोड़ा घोषित किया गया था। अब धारा 83 सीआरपीसी के तहत कुर्की की कार्रवाई की गई।

वैवाहिक बलात्कार 'अपराध' नहीं है

इलाहाबाद हाईकोर्ट का अहम फैसला, पति को किया बरी

प्रयागराज, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। (यूपी)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि यदि पत्नी की उम्र 18 वर्ष से अधिक है तो वैवाहिक बलात्कार को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत अपराध नहीं माना जा सकता। अदालत ने एक पति को अपनी पत्नी के खिलाफ 'अप्राकृतिक अपराध' करने के आरोप से बरी करते हुए यह टिप्पणी की। यह मानते हुए कि इस मामले में आरोपी को आईपीसी की धारा 377 के तहत दोषी नहीं ठहराया जा सकता, न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की पीठ ने कहा कि इस देश में अभी तक वैवाहिक बलात्कार को अपराध नहीं माना गया है। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि चूंकि वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित करने की मांग करने वाली याचिकाएं अभी भी सुप्रीम कोर्ट के समक्ष लंबित हैं, जब तक शीर्ष अदालत मामले का फैसला नहीं कर देती, जब तक पत्नी 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र की नहीं हो जाती, तब तक वैवाहिक बलात्कार के लिए कोई आपराधिक दंड नहीं है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की पिछली टिप्पणी का समर्थन करते हुए यह भी कहा कि वैवाहिक रिश्ते में किसी भी 'अप्राकृतिक अपराध' (आईपीसी धारा 377 के अनुसार) के लिए कोई जगह नहीं है।

शिकायतकर्ता ने अपनी याचिका में आरोप लगाया कि उनका विवाह एक अपमानजनक रिश्ता था और पति ने कथित तौर पर उसके साथ मौखिक और शारीरिक दुर्व्यवहार और जबरदस्ती की, जिसमें अप्राकृतिक यौनाचार भी शामिल था। अदालत ने उसे पति या पति के रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता (498-ए) और स्वेच्छा से चोट पहुंचाने (आईपीसी 323) से संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराया, जबकि धारा 377 के तहत आरोपों से बरी कर दिया। इस साल की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट वैवाहिक बलात्कार को अपराध मानने की याचिकाओं को सूचीबद्ध करने पर सहमत हुआ।

माँ आदि शक्ति की महिमा से हैदराबाद हुआ स्पंदित

श्रीमद देवी भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का प्रथम दिवस

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा 10 से 16 दिसंबर 2023 को गोशामहल पुलिस ग्राउंड में 7 दिवसीय श्रीमद देवी भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारम्भ आज दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या विश्व विख्यात कथा व्यास साध्वी अदिति भारती ने किया। प्रथम दिवस महादेवी के विस्तृत माहात्म्य का वर्णन करते हुए साध्वी जी ने बताया कि जिसे वेद विद्या कहते हैं, योगी जिसे परा शक्ति कहते है, जिसे भक्त माँ पार्वती, लक्ष्मी, दुर्गा, काली, सरस्वती, अन्नपूर्ण आदि नामों से पूजते हैं, पाश्चात्य दार्शनिक जिसे गीगा कहते हैं, वैज्ञानिक जिसे एनर्जी कहते हैं, वास्तव में यह सब गुणवाचक नाम है ब्रह्म की उस एक सनातन शक्ति के जिन्हें हम आदिशक्ति जगत जननी जगदम्बा कहते हैं। कथा कि सारगर्भिता को रखते हुए साध्वी जी ने बताया कि आज के परिवेश मे जहाँ हर ओर समाज मे तनाव और मतभेद पनप रहा है, मर्यादाएं भंग हो गई हैं और संवेदनाओं का ह्रास हो रहा है ऐसे मे जगत जननी ही अपनी सृष्टि को प्रेम से सींच कर मर्यादाओं में बाँध सकती है क्योंकि माँ ही अपने शिशु को शुभ संस्कारों से पोषित करती है। साध्वी जी ने श्रीमद देवी भागवत महापुराण के माहात्म्य प्रसंग मे स्यमन्तक मणि हरण प्रसंग का वर्णन किया। कथा के गूढ़ रहस्य को उजागर करते हुए उन्होंने श्रद्धालुओं को बताया कि आज मानव की सबसे बड़ी खोज है शांति की, प्रत्येक मानव शांति और सुख की तलाश में संसार में दौड़ रहा है परन्तु उसके हाथ केवल दुःख लग रह है। साध्वी जी ने बताया की मानव को उसकी शक्ति और उस शक्ति को कहाँ लगाना है इससे परिचित करने के लिए ही वह आदि शक्ति ही कभी लीलाधर भगवान कृष्ण के रूप में तो कभी पुरुषोत्तम राम के रूप में, तो कभी देवी के रूप में इस धरा पर आते हैं। साध्वी जी ने अंतिम क्षणों में इस तथ्य को भी रेखांकित किया की इस कलिकाल में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के संस्थापक श्री आशुतोष महाराज जी ने ज्ञान यज्ञ का अनुष्ठान कर एक बार फिर जाग्रति का शंखनाद किया है क्योंकि यह कथा केवल रोचक कथाओं का वर्णन भर नहीं है अपितु कथाओं के गर्भ में छिपे गूढ़ रहस्य को उजागर कर ब्रह्म सत्ता से एकाकार की एक सीढ़ी है। कथा में प्रमुख यजमान श्रीमती विमला बाई जी एवं सुपुत्र अमित जी अग्रवाल, कौशल्या देवी जी बंग, मुख्य यजमान नरसिंह दास जी भगवान दास जी, ताराचंद जी, कौशल्या देवी जी सोनी, सनत जी, विक्की दास, प्रशांत जी, दैनिक यजमान प्रियंका सिंह एवं आनंद कृष्ण जी सिंह, श्रीमती दीपिका खेड़कर एवं शशिकांत जी खेड़कर, श्रीमती चेतना जी गारे एवं श्री सुनील जी गारे, श्री पुरनचंद जी, अशोक जी बंग, दैनिक प्रसाद यजमान दुर्गा प्रसाद, किशन लाल अग्रवाल जी, लीला गोल्ड आबिड्स हैदराबाद, जानकी लाल जी संगी, कैलाश जी मनिवार, पुरुषोत्तम जी बांगड़, रमेश मोदानी, रितेश संगी रूपाराम जी कुमावत, रामगोपाल जी बंग एवं सुशील जी तोतला की विशिष्ट उपस्थिति रही। संस्थान के देसी गौ संवर्धन व संरक्षण प्रकल्प-कामधेनु को समर्पित इस कथा में देसी गौ की महिमा के प्रति समाज को जागरुक करने हेतु एक विशेष प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। आये हुए श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़ कर इस प्रदर्शनी को देखा एवं संस्थान की इस पहल को सराहा।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी के दिशा निर्देशन में संस्थापित एवं संचालित एक गैर-लाभकारी आध्यात्मिक संस्था है। यह विश्व की एक मात्र आध्यात्मिक संस्था है जहां ईश्वर की चर्चा ही नहीं की जाती बल्कि ईश्वर का शास्त्र प्रमाणित साक्षात दर्शन भी कराया जाता है। यह सामाजिक परिवर्तन एवं सांस्कृतिक पुनरुत्थान हेतु "आत्मिक जाग्रति' द्वारा विश्व की आधारभूत इकाई "मानव' के आमूल परिवर्तन हेतु कार्यरत है।

महिलाओं की मुफ्त बस यात्रा योजना की समीक्षा करेगी तेलंगाना सरकार

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में नवगठित कांग्रेस सरकार ने अपने घोषणापत्र में पार्टी द्वारा घोषित छह गारंटियों में से पहली को लागू कर दिया है। परिवहन और पिछड़ी जाति कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि यदि कोई समस्या होगी तो 15 दिनों के बाद योजना की समीक्षा की जाएगी। रेवंत रेड्डी सरकार ने शनिवार को वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के 77 वें जन्मदिन के अवसर पर तेलंगाना महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं के लिए मुफ्त तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) बस यात्रा लागू की। पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि यह 6 गारंटी में से पहली गारंटी है, इसे कल सोनिया गांधी के जन्मदिन के अवसर पर लागू किया गया। हम 15 दिनों के बाद इसकी समीक्षा करेंगे और यदि कोई समस्या है तो उसका समाधान निकालेंगे। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस सरकार ने गारंटी का वादा किया था और इसे लागू भी किया है। सभी कांग्रेस कार्यकर्ता इसे बिना किसी परेशानी के लागू करने के लिए जमीन पर काम कर रहे हैं। कांग्रेस सरकार ने गुरुवार को महा लक्ष्मी योजना शुरू की, जो महिलाओं, लड़कियों और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए मुफ्त यात्रा प्रदान करती है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, तेलंगाना सरकार के परिवहन विभाग ने 6 गारंटी-महालक्ष्मी योजना शुरू करने की घोषणा की है। महालक्ष्मी योजना की घोषणा कांग्रेस पार्टी ने 18 सितंबर को तेलंगाना के लिए अपने घोषणापत्र में की थी। योजना के अनुसार, कांग्रेस पार्टी तेलंगाना में महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा प्रदान करेगी, साथ ही महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये भी प्रदान करेगी। तेलंगाना के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद, रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए सभी छह गारंटी को मंजूरी दे दी। महालक्ष्मी योजना का उद्देश्य तेलंगाना राज्य की सीमाओं के भीतर राज्य संचालित पल्लै वेलुगु और टीएसआरटीसी द्वारा संचालित एक्सप्रेस बसों में लड़कियों, सभी आयु वर्ग की महिलाओं और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को मुफ्त यात्रा प्रदान करना है। यह योजना 9 दिसंबर, 2023 से प्रभावी होगी।

तेलुगु राज्यों में एटीए समारोह शुरू

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अमेरिकन तेलुगु एसोसिएशन (एटीए) अमेरिका में तेलुगु राज्यों तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में वेदुकालु (उत्सव और सेवा दिवस) आयोजित करता है। इस वर्ष वेदुकालू की योजना 10 से 30 दिसंबर तक आयोजित की गई है। अमेरिका में सम्मेलन 2024 में 7, 8 और 9 जून को आयोजित होने वाला है। आज यहां मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, एटीए के इलेक्ट चेयर प्रेसिडेंट, जयंत चल्ला ने कहा कि वेदुकालु का लक्ष्य अमेरिका, कनाडा और भारत के बीच तेलुगु मूल के छात्रों, वैज्ञानिकों और पेशेवरों के लिए विनिमय कार्यक्रमों को बढ़ावा देना है। वेदुकालु के हिस्से के रूप में, पंद्रह कार्यक्रम - व्यवसाय, शैक्षिक, स्वास्थ्य और आध्यात्मिक सेमिनार, अंतर्राष्ट्रीय साहित्यिक सम्मेलन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और धर्मार्थ गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। इन कार्यक्रमों की योजना दोनों तेलुगु राज्यों हैदराबाद, श्रीशैलम, बासर, नलगोंडा, वारंगल, गजवेल, विजाग, तिरुपति और विजयवाड़ा में बनाई गई है। एटीए भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), बसर आईआईआईटी, आंध्र विश्वविद्यालय, तेलंगाना उच्च शिक्षा और स्थानीय धर्मार्थ गतिविधियों जैसे कई संगठनों के साथ साझेदारी कर रहा है।

सिकंदराबाद से पुणे रूट पर एक और वंदे भारत ट्रेन की हो सकती है शुरूआत

पीएम नरेन्द्र मोदी वर्चुअली वन्दे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखायेंगे

हैदराबाद, 10 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। जल्द ही तेलंगाना के सिकंदराबाद शहर से महाराष्ट्र के पुणे शहर के रूट पर एक और वंदे भारत ट्रेन शुरू हो रही है। पीएम नरेन्द्र मोदी वर्चुअली वन्दे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखायेंगे। इस संदर्भ में दमरे के वरिष्ठ रेल आधिकारिक सूत्रों ने विस्तार से बताया कि, आम जनता के लिए यह सचमुच ही खुशी की खबर है कि, तेलंगाना के सिकंदराबाद शहर से महाराष्ट्र के पुणे शहर के रूट पर एक और वंदे भारत ट्रेन जल्द ही शुरू हो रही है। सिकंदराबाद से दो वंदे भारत ट्रेनें पहले से ही चल रही हैं। एक सिकंदराबाद-विशाखा रूट पर और दूसरा सिकंदराबाद-तिरुपति रूट पर चल रही है। अब जल्द ही सिकंदराबाद से एक और वंदे भारत ट्रेन चलेगी। यह नई वंदे भारत ट्रेन सिकंदराबाद से पुणे रूट पर चलेगी। इसके चलते देश में वंदे भारत सेमी हाई स्पीड ट्रेनों की अच्छी मांग होने से रेलवे विभाग में उत्साह है तथा इसी सिलसिले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जल्द ही एक ही दिन में 10 रूटों पर वंदे भारत ट्रेनों को वर्चुअली हरी झंडी दिखाएंगे। जिनमें सिकंदराबाद-पुणे वन्दे भारत ट्रेन भी शामिल है।

विशाखापट्टणम में आरके तट पर नौसेना का युद्धाभ्यास

विशाखापट्टणम, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टणम स्थित आरके तट पर नौसेना का युद्धाभ्यास..शुरू हुवा है। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल अब्दुल नजीर उपस्थित हुए। इस संदर्भ में, एपी सरकारी सूत्रों ने बताया कि, विशाखापत्तनम में पूर्वी नौसेना कमान के तत्वावधान में युध्दाभ्यास आयोजित हुवा। इस युद्धाभ्यास में भारतीय नौसेना और थल सेना की एयर विंग ने भी भाग लिया। विशाखापट्टणम के आरके बीच पर आयोजित युध्दाभ्यास कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गवर्नर अब्दुल नजीर उपस्थित होकर युध्दाभ्यास का निरीक्षण किया। इन युद्धाभ्यासों में निर्देशानुसार समुद्र में लक्ष्य को विस्फोटित करने का भी प्रदर्शन किया गया। तिरंगे का प्रदर्शन करते हुए पैराट्रूपर्स के करतब ने दर्शकों को प्रभावित किया। नौसेना के अभ्यास के मद्देनजर आरके बीच की ओर जाने वाली सभी सड़कों पर यातायात प्रतिबंध लगा दिया गया। युद्धाभ्यासों के माध्यम से भारतीय नौसेना की शक्ति और प्रतिभा का गर्व से प्रदर्शन किया गया। यह युद्धाभ्यास भारतीय नौसेना दिवस मनाने के लिए किया गया। इसमें नौसेना के कमांडो ने हिस्सा लिया और खतरे की स्थिति में तटीय क्षेत्र की सुरक्षा कैसे की जाए, इसका प्रदर्शन किया। इसमें हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर, नौसेना नौकाएं, बीएमपी युद्धक टैंक और मध्यम लैंडिंग जहाजों का प्रदर्शन किया गया।

झुंझुनूं प्रगति संघ, हैदराबाद की मासिक सभा में उपस्थित संघ के अध्यक्ष डॉ. दिलीप पसारी, सचिव राजकुमारी पसारी, कोषाध्यक्ष शंकर लाल तुलस्यान साथ में प्रदीप तुलस्यान, संदीप ढ़ेढीया, नितिन तुलस्यान, संदीप तुलस्यान और रितेश तुलस्यान।

राजमंड्री एयरपोर्ट पर नए टर्मिनल भवन के भूमि पूजन में पहुंचे सिंधिया

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राजमुंद्री हवाईअड्डे पर नए टर्मिनल भवन की भूमि पूजन की। भूमि पूजन से पहले उन्होंने नए टर्मिनल भवन की समीक्षा भी की। भूमि पूजन के बाद केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, राजमुंद्री के लिए आज एक ऐतिहासिक दिन है। नया टर्मिनल भवन पुराने टर्मिनल भवन से चार गुणा बड़ा है। इसका कुल आकार 21,000 वर्ग मीटर होगा। हमारे पास सलाना 30 लाख यात्रियों को प्रोसेस करने की क्षमता होगी। हमारी कनेक्टिविटी फिलहाल चेन्नई, बंगलूरू और हैदराबाद तीन शहरों से है। मुझे उम्मीद है कि आने वाले दिनों में यह बढ़ेगा। यह एक आधुनिक टर्मिनल है, जिसमें राजमंड्री की कला सभ्यता की झलक है। उन्होंने बताया कि हवाईअड्डा 3065 मीटर के रनवे के साथ 1,200 एकड़ की जमीन में फैला हुआ है। यहां बोइंग 737 के उतरने की क्षमता है। नया टर्मिनल भवन 17,000 वर्ग मीटर का है। नए टर्मिनल भवन की भूमि पूजन पर भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण के अध्यक्ष संजीव कुमार ने कहा, 'नया टर्मिनल भवन 17,000 वर्ग मीटर फैला होगा। 4,000 वर्ग मीटर वाला पुराना टर्मिनल भवन अब 21,000 वर्ग मीटर तक होगा। हर घंटे आठ से दस विमान यहां से उड़ान भर सकेगी। भीड़भाड़ वाले समय में भी यह 2000 यात्रियों को ले जाने में सक्षम होगी। उन्होंने आगे बताया कि यहां 30 चेक एनकाउंटर, एक्सबीआईएस मशीनों के साथ आठ सिक्यूरिटी लेन्स और तीन एयरोब्रिज होगा। हमें उम्मीद है कि अगले दो वर्षों में इसका निर्माण पूरा हो जाएगा। हम उम्मीद करते हैं कि आने वाले वर्षों में राजमुंद्री हवाईअड्डा देश के अन्य हिस्सों से भी जुड़ेगा।

भारतीय सेना ने कारगिल विजय रजत जयंती सम्मान दौड़ आयोजित की

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कारगिल विजय रजत जयंती के उपलक्ष्य में मुख्यालय तेलंगाना और आंध्र उप क्षेत्र द्वारा ऑनर रन का आयोजन किया गया। यह आयोजन चार श्रेणियों 21.1 किमी, 10 किमी, 5 किमी और 3 किमी में आयोजित किया गया। पूर्व सैनिकों, सेवारत कर्मियों के परिवारों और एमसीईएमई और सीडीएम सहित सिकंदराबाद सैन्य स्टेशन के बच्चों और एपीएस बोलारम, एपीएस आरके पुरम और एपीएस गोलकुंडा के स्कूली बच्चों ने दौड़ में भाग लिया। ऑनर रन में भाग लेने के लिए दिग्गजों, सेना के कर्मियों और स्कूली बच्चों ने भारी संख्या में सदस्यता ली। दौड़ के सफल समापन पर, सभी पोडियम फिनिशरों को मेजर जनरल राकेश मनोचा एसएम, वीएसएम, जीओसी तेलंगाना और आंध्र सबएरिया द्वारा रेस फिनिशर मेडल से सम्मानित किया गया।

तेलंगाना के यादाद्री मंदिर में भक्तों की भारी भीड

केवल एक ही दिन में आय में एक करोड रुपये से अधिक रिकार्ड बढोतरी

यादाद्री,10 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के यादाद्री मंदिर में भक्तों की भारी भीड देखी गयी है। इसके चलते मंदिर में रिकार्ड रूप में आय हो रही है।

इस संदर्भ में, यादाद्री मंदिर के आधिकारिक सूत्रों ने विस्तार से बताया कि, चूंकि रविवार होने से भारी संख्या में लोग लक्ष्मी नरसिंह मंदिर में भगवान के दर्शन के लिए उमडे। फलस्वरूप मंदिर की आय में एक करोड रुपये से अधिक रिकार्ड बढोतरी हो रही है।

इस बारे में उक्त मंदिर के अधिकारी ने यह भी कहा कि मंदिर में इस तरह की रिकार्ड आय में बढोतरी दूसरी बार हो रही है। जोकि सचमुच में ही खुशी की बात है। साथ ही उन्होंने आगे बताया कि इस मंदिर में भारी संख्या में पहुंचे भक्तों के लिए मंदिर के अधिकारियो ने लड्डू प्रसादम काउंटरों की व्यापक व्यवस्था की। इसके चलते मंदिर के नित्य कल्याणम, पहाड के नीचे कल्याण कट्टा, पुष्करिणी, वाहनों के पार्किंग स्थलों पर आल्हाददायक वातावरण बना रहा।

अग्रवाल समाज वनस्थलीपुरम शाखा का दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)।अग्रवाल समाज तेलंगाना वनस्थली पुरम शाखा का दीपावली स्नेह मिलन एवं अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम कनक दुर्गा मंदिर वनस्थलीपुरम में संपन्न हुआ!

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में शाखा के मानद मंत्री परमेश्वर दयाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम महाराजा श्री अग्रसेन जी महाराज की पूजा अर्चना के साथ शुरू हुआ, कार्यक्रम में लगभग 150 व्यक्तियों ने भाग लिया, सभी के लिए स्वादिष्ट प्रसाद की व्यवस्था की गई, इसका आने वाले सभी ने इसका भरपूर लाभ उठाया, अग्रवाल समाज तेलंगाना केंद्रीय अध्यक्ष मनीष अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष नवीन अग्रवाल मुख्य अतिथि के बतोर उपस्थित थे, जिनका शाखा द्वारा स्वागत व सम्मान किया गया, उपस्थित सदस्यों में शाखा अध्यक्ष सुरेश गोयल, उपाध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, मानद मंत्री परमेश्वर दयाल अग्रवाल, सह मंत्री कपिल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष घनश्याम बंसल केंद्रीय समिति सदस्य विजय बंसल, संस्थापक अध्यक्ष तुलसीराम अग्रवाल मालीराम, गोपाल, ओम प्रकाश, राधेश्याम सिंगल, रवि अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, विमल सराफ, संजय धन्नावत एव अन्य अग्र बंधु उपस्थित थे! शाखा अध्यक्ष सुरेश गोयल ने आने वाले सभी को धन्यवाद दिया !

अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन पर बीआरएस नेता के कविता बोलीं

ये करोड़ों हिंदुओं का सपना सच होने जैसा

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन की तैयारी चल रही है। इस मौके पर तेलंगाना के पूर्व सीएम की बेटी और बीआरएस नेता के कविता ने रविवार को कहा कि यह करोड़ों हिंदुओं के लिए एक सपना सच होने जैसा है। एक्स पर तेलुगु में लिखी एक पोस्ट में कविता ने भव्य राम मंदिर के उद्घाटन के लिए खुशी व्यक्त की। कविता ने पोस्ट में लिखा शुभ समय के दौरान जब अयोध्या में श्री सीताराम चंद्र स्वामी की मूर्ति स्थापित की जा रही है, जो करोड़ों हिंदुओं के लिए एक सपना सच होने जैसा है, देश तेलंगाना के साथ इसका स्वागत करता है। पोस्ट के साथ उन्होंने निर्माणाधीन राम मंदिर का एक वीडियो भी शेयर किया।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 11 दिसंबर - 2023

क्या हमारी न्याय व्यवस्था में सभी को न्याय सुलभ है?

रघु ठाकुर

26 नवंबर संविधान दिवस के दिन सर्वोच्च न्यायालय की ओर से संविधान दिवस का आयोजन किया गया था इस आयोजन को परंपरा के अनुसार राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू ने संबोधित किया और सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रचूड़ जी ने भी समारोह को संबोधित किया। राष्ट्रपति जी ने अपने संबोधन में देश में लोगों को त्वरित न्याय और गरीबों को न्याय मिल सके यह अपेक्षा सर्वोच्च न्यायालय से की। अपने संबोधन में और लगभग प्रति उत्तर में मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के दरवाजे गरीबों के लिए हमेशा खुले हैं और वह जब चाहें तब आ सकते हैं। राष्ट्रपति जी अदिवासी समाज से हैं और एक सामान्य परिवार से आई हैं अतः उनकी चिंता और पीड़ा आम लोगों के प्रति स्वाभाविक है। वे अपनी चिंता को पहले भी न्यायाधीशों के सम्मेलन में व्यक्त कर चुकी हैं, और अपने अनुभव भी उन्होंने कई बार न्यायाधीशों से साझा किये हैं। मुख्य न्यायाधीश महोदय के द्वारा दिए गए उत्तर का परीक्षण जरूरी है :-क्या सचमुच में सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालयों के दरवाजे आम आदमियों के लिए खुले हैं? क्या गरीब और सामान्य व्यक्ति को न्यायपालिका और विशेष कर शीर्ष न्यायपालिका में जाकर न्याय पाना आसान है? उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के मामलों की सुनवाई के लिए कोई समय सीमा नहीं बांधी गई है। वह कह सकते हैं कि इसका विधान में कोई प्रावधान नहीं है। परंतु सर्वोच्च न्यायालय ने विधान और प्रावधानों से हटकर भी अपनी जरूरत और सुविधा के अनुसार आदेश दिए या नियम बनाए हैं। सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों के चयन के लिए कॉलेजियम का कोई संवैधानिक, वैधानिक प्रावधान नहीं है ना किसी कानून में और ना ही संविधान में परंतु सर्वोच्च न्यायालय ने उसे स्वतः बनाया और उसे संविधान के समान सुरक्षा दी। सर्वोच्च न्यायालय में और अधीनस्थ न्यायालयों में करोडों. मामले लंबित हैं। स्वतः न्यायाधीश महोदय इस पर अपनी चिन्ता व्यक्त कर चुके हैं। परंतु यह मामले लंबित क्यों है, इस पर कोई ठोस या निर्णायक कदम नहीं उठाए गए हैं और ना ही इस बाबत कोई नीति संबंधी निर्णय किया है। आखिर मामले लंबित क्यों होते हैं इसकी एक वजह हमारा साक्ष्य अधिनियम भी है जो कई प्रकार की तकनीकी और गैर जरूरी बातों को अनिवार्य बनाता है। अब मान लीजिए की वकील साहिबान और विशेषकर बड़े नामधारी वकील कोर्ट में नहीं आ पा रहे हैं और वह कोर्ट से केस बढ़ाने का अनुरोध करते हैं तो विधान में ऐसी कोई बाध्यता न्यायपालिका की नहीं है कि वह इस अनुरोध को स्वीकार करें। न्यायाधीश भी वकील है और दस्तावेज़ तथा पक्षकारों की बातों को सुनकर कानून सम्मत निर्णय दे सकते हैं। होना तो यही चाहिए कि यदि कोई वकील किसी मुकदमे में वकालत करने की सहमति देता है और उसके लिए फीस भी लेता है तो उसे समय पर उपस्थित होना अनिवार्य किया जाए। एक ही वकील इतने मामले क्यों लें कि वह किसी कोर्ट में ही ना पहुंच पाए। यह एक प्रकार से विधिक नैतिकता के खिलाफ है और अदालतों को चाहिए कि बगैर वकील की उपस्थिति के सुनवाई तथा और निर्णय दें। साथ ही वकील के ऊपर पक्षकार को फीस वापसी का आदेश भी दें। यह भी अक्सर देखा गया है कि वकील अपने अनुसार निर्णय पाने के लिए अनुकूल जज की बेंच बनने का इंतजार करते हैं और तब तक किसी न किसी बहाने केस बढ़ाने का उपक्रम करते रहते हैं। एक गैर जरूरी न्यायालय व्यवस्था वकीलों को लेकर यह भी है कि पक्षकार अपने वकील के काम से यदि संतुष्ट नहीं है तो उसे अन्य वकील रखने के लिए अपने पूर्व वकील का अनापत्ति पत्र लेना आवश्यक है और यदि पक्षकार का पुराना वकील उसे यह पत्र नहीं दे तो वह अपना मुकदमा नए वकील से नहीं करवा सकता। क्या यह साधारण व्यक्ति को परेशानी में डालने वाली व्यवस्था नहीं है? यह भी तथ्य है कि न्यायाधीश महोदय की अपनी राय ही विधान की व्याख्या बन जाती है। जबकि विधान और नजीरों में न्यायिक आदेशों की मर्यादा और सीमा बनाई जानी चाहिए। मुझे स्मरण है की कुछ दिनों पहले मीडिया में यह समाचार आया था की एक जज साहब ने किसी छेड़छाड़ के अपराधी को यह आदेश दिया कि वह पीड़ित लड़की से राखी बंधवाए और इस आधार पर उसे जमानत दे दी। इसी प्रकार एक प्रकरण में एक जज साहब ने अपराधी को कुछ दिनों तक कहीं जाकर सेवा करने का आदेश दिया और इस आधार पर जमानत दे दी। क्या ऐसे आदेश मनमानी नहीं है? और न्यायपालिका को हास्यापद नहीं बनाते? इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक जज साहब को दिल्ली से इलाहाबाद आने के लिए रेल में वर्थ नहीं मिली तो उन्होंने दिल्ली स्टेशन पर ही अदालत लगाकर सुनवाई शुरू कर दी और रेलवे के अधिकारियों को तलब किया। क्या यह आचरण न्यायपालिका के अनुकूल है या फिर राजतंत्र है? सर्वोच्च न्यायालय में अगर कोई सामान्य व्यक्ति याचिका दायर करना चाहे तो उसके लिए यह आसान काम नहीं है। याचिका पेश करने के लिए अब हजारों रुपए का शुल्क देना पड़ता है। दिल्ली के एक बड़े वकील को अगर अपने मुकदमें में लगाना हो तो उनकी फीस लाखों रुपए प्रति सुनवाई की होती है। कौन गरीब आदमी इतनी फीस दे सकता है और कौन गरीब दिल्ली के इन बड़े वकीलों को अपने केस के लिए लगा सकता है। सच्चाई तो यह है कि, न्यायपालिका के दरवाजे कहने के लिए तो सबको खुले हैं पर वास्तव में वे केवल अमीरों और ताकतवर लोगों के लिए ही खुले हैं। बड़े-बड़े वकीलों की निरर्थक शब्दावलियों पर अदालतों में घंटों का समय लगाया जाता है पर गरीब की बात सुनने का उनके पास समय नहीं होता। न्यायपालिका ने स्वयं अपने आप को ऐसे किलो में बंद कर लिया है कि आम आदमी उसके दरवाजे तक पहुंच ही नहीं सकता। बताने को दरवाजे सबके लिए खुले हैं पर वास्तव में वे चंद लोगों के लिए ही खुले हैं। आजकल एक और प्रवृत्ति न्यायपालिका में आई है कि वह प्रतिदिन उपदेश बाँटते हैं परंतु आदेश नहीं देते। उनकी टिप्पणियां मीडिया में सुर्खियां बटोरती है परंतु उन पर कोई अमल नहीं होता। क्योंकि वह बाध्यकारी कानूनी आदेश नहीं होते। न्यायपालिका कोई उपदेशक संतों की जमात नहीं है जो उपदेश प्रसारित करें। न्यायपालिका का काम न्यायिक आदेश देना और उनका क्रियान्वयन कराना है। अपने काम की मात्रा बढ़ाने और बताने के लिए उन्होंने कुछ नए-नए असंवैधानिक, अवैधानिक और विषमतापूर्ण तरीके इजाद कर लिए हैं जैसे :- 1. चेंबर हियरिंग आजकल उच्च न्यायपालिका में बहुत सारे प्रकरण जो कमजोर लोगों के होते हैं या जिनमें बड़े नामधारी वकील नहीं होते या जिन पर मीडिया का ध्यान नहीं होता उन्हें बगैर किसी सुनवाई के चेंबर हियरिंग के नाम पर निपटा दिया जाता है । क्या चेंबर हियरिंग करना न्यायपालिका का स्वतः संविधान का उल्लंघन नहीं है। 2. निर्णय न करना या टालना सामान्य मामलों में और सामान्य लोगों के लिए न्यायपालिका उस व्यक्ति की शरण में भेज देती है जिससे प्रताड़ित होकर वह न्यायपालिका की शरण में जाता है और इस प्रकार प्रकरण सालों साल लंबित रहते हैं। 3. कोर्ट की अवमानना का कानून है परंतु हजारों न्यायिक आदेश पड़े हैं जिनका क्रियान्वयन नहीं हुआ और पीड़ित पक्ष न्यायपालिका की अवमानना की कार्यवाही चाहता है परंतु शायद ही आज तक किसी बड़े अधिकारी या मंत्री को न्यायिक आदेश की अवहेलना के लिए दंडित किया गया हो। और अगर कभी ऐसा निर्णायक अवसर आ भी जाए तो अधिकारी कोर्ट में जाकर क्षमा याचना कर लेते हैं और वह माफ भी कर दिए जाते हैं। क्या प्रशासनिक अपराध, अपराध नहीं है?

महुआ मोइत्रा संसद से बाहर

बडी तेजी से हुई कार्रवाई के बाद आखिरकार तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया। संसद की आचार समिति की सिफारिश पर यह कठोर कार्रवाई की गई है। बीते कुछ समय से लगातार यह बहस हो रही थी कि महुआ मोइत्रा पर लगे आरोपों में कितनी सच्चाई है और इसके आधार पर उनकी सदस्यता को रद्द करना कितना उचित होगा। शुक्रवार को एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट लोकसभा में पेश की गई जो दोपहर बात पारित हो गई। इसलिए पैसे लेकर सदन में सवाल पूछने के मामले में लिया गया फैसला उनके खिलाफ गया। बता दें कि झारखंड के गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा पर गंभीर आरोप लगाया था कि उन्होंने भारतीय कारोबारी गौतम अदाणी और उनकी कंपनियों के समूह को निशाना बनाने के लिए रिश्वत लेकर संसद में लगातार सवाल पूछे। महुआ पर लोकसभा पोर्टल का 'लाग-इन' भी अपने मित्र हीरानंदानी के साथ साझा करने का आरोप है। निष्कासन से नाराज महुआ मोइत्रा का आरोप है कि उन्हें संसद में अपना पक्ष रखने का मौका ही नहीं दिया गया। जाहिर है, अब इस पर भी बहस होगी कि सदस्यता रद्द करने जैसे सबसे सख्त फैसले के बजाय और कोई विकल्प या बीच का रास्ता नहीं बचा था? देखा जाए तो पैसे लेकर सदन में मुद्दा उठाने को लेकर इसके पहले भी कई बार सवाल उठते रहे हैं। इस तरह के आरोप के बाद आरोपित सांसद को सदन से निष्कासित करने के मामले पहले भी आए हैं। जहां तक महुआ मोइत्रा का सवाल है, तो इस मामले में अपने ऊपर लगे आरोपों को उन्होंने निराधार बताया और कहा कि उनके नगद या तोहफे लेने का कहीं कोई सबूत नहीं है, वे हर स्तर की जांच का सामना करने के लिए तैयार हैं। लोकसभा पोर्टल का लागिन किसी अन्य व्यक्ति से साझा करने के आरोप पर उनका मानना है कि इस बारे में कोई स्पष्ट नियम नहीं है। ऐसे में यह देखने की बात होगी कि आचार समिति ने यह निष्कर्ष किस आधार पर निकाला है। फिर भी, अगर इस आरोप के पक्के सबूत हैं, तो 'लाग-इन' किसी अन्य व्यक्ति के साथ साझा करना क्या नैतिक और तकनीकी दृष्टि से उचित है और क्या यह अपने दायित्वों की सीमा की अनदेखी नहीं है? जहां तक आचार समिति के पास निष्कासित करने और प्रक्रिया के दुरुपयोग का मसला है, तो इस पर संसद में बहस कराई जा सकती थी, जहां इस बारे में कोई स्पष्ट तस्वीर उभर कर सामने आ जाती। इस समूचे मामले में विपक्ष ने कुछ समय पहले लोकसभा में ही भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी के आपत्तिजनक बयान पर भी सवाल उठाया, जो उन्होंने बसपा सदस्य दानिश अली को लेकर कही थी। बिधूडी ने धर्म-आधारित टिप्पणियां भी की थीं। मगर उनके मामले में सुनवाई को लेकर न कोई जल्दबाजी की गई और न ही ऐसी सख्त कार्रवाई। हालांकि संसद में पैसे लेकर सवाल पूछने और वेबसाइट का 'लाग-इन' साझा करने के आरोप प्रकृति में अलग और गंभीर हैं, मगर सबूतों के आधार पर कार्रवाई की सिफारिश के बदले महुआ मोइत्रा को पक्ष रखने का मौका दिया जा सकता था। इससे पहले समिति की जांच के दौरान महुआ ने निजी सवाल किए जाने का आरोप लगा कर बैठक का बहिष्कार कर दिया था। आखिर कौन नहीं जानता कि संसद लोकतंत्र का प्रतिनिधि हिस्सा है और इसमें सवालों पर बहस किसी खास मुद्दे पर सभी पक्षों की पारदर्शिता और जनता के सामने स्पष्टता सुनिश्चित करने का जरिया है। इस मामले में महुआ मोइत्रा की सदस्यता रद्द होने के बाद इस पर बहस की मांग उठने लगे कि सदन में पैसे लेकर सवाल पूछने के मुद्दे की जांच का दायरा व्यापक हो।

महुआ मोइत्रा पहली सांसद नहीं है जिसका निष्कासन हुआ है

अशोक भाटिया

कैश फॉर क्वेरी मामले में तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा को कल लोकसभा के सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया। सदन में लोकसभा की आचार संहिता की रिपोर्ट को चर्चा के बाद मंजूरी दे दी गई जिसमें महुआ मोइत्रा को निष्कासित करने की सिफारिश की गई थी। महुआ मोइत्रा के खिलाफ सदन में प्रश्न पूछने के बदले नगदी लेने के प्रत्यक्ष संलिप्तता के आरोप लगे थे। भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे द्वारा 15 अक्टूबर को शिकायत की गई थी। इसके बाद इस पूरे मामले को लेकर जांच पड़ताल शुरू हुई हालांकि इसको लेकर सियासी बवाल भी शुरू हो गया है। विपक्षी दलों के नेताओं ने इसे तानाशाही और लोकतंत्र के साथ विश्वासघात करार दिया तो वहीं भाजपा का कहना है कि महुआ मोइत्रा के प्रकरण से दुनिया में भारतीय सांसदों की छवि धूमिल हुई है। मोइत्रा ने अपने इस निष्कासन की तुलना 'कंगारू अदालत' द्वारा सजा दिए जाने से करते हुए आरोप लगाया कि सरकार लोकसभा की आचार समिति को विपक्ष को झुकने के लिए मजबूर करने का हथियार बना रही है। उन्होंने कहा कि एथिक्स कमेटी के पास निष्कासित करने का कोई अधिकार नहीं है।यह आपके (भाजपा) अंत की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि अगर इस मोदी सरकार ने सोचा कि मुझे चुप कराकर वे अडानी मुद्दे को खत्म कर देंगे, मैं आपको यह बता दूं कि इस कंगारू कोर्ट ने पूरे भारत को केवल यह दिखाया है कि आपने जो जल्दबाजी और उचित प्रक्रिया का दुरुपयोग किया है, वह दर्शाता है कि अडानी आपके लिए कितना महत्वपूर्ण है और आप एक महिला सांसद को समर्पण करने से रोकने के लिए उसे किस हद तक परेशान करेंगे जबकि एथिक्स कमिटी ने अपनी रिपोर्ट में महुआ मोइत्रा की सांसदी रद्द करने के साथ ही इस पूरे मामले की कानूनी जांच कराने की सिफारिश की है। महुआ मोइत्रा के फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन के आपराधिक पहलुओं की जांच केंद्रीय एजेंसियों के जरिए होगी। फिर सबूतों के आधार पर चार्जशीट फाइल होने पर अदालत में मुकदमा चलेगा। क्रिमिनल केस में दोषी पाए जाने पर महुआ मोइत्रा को जेल भी हो सकती है। महुआ मोइत्रा लोकसभा के फैसले के खिलाफ संविधान के आर्टिकल-226 के तहत हाईकोर्ट और आर्टिकल-32 के तहत सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर सकती हैं। हालांकि, ऐसे मामले संसद और स्पीकर के अधिकारों के दायरे में आते हैं, जो अदालत के अधिकार क्षेत्र से बाहर होते हैं लेकिन संसद में पारित कानूनों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है। अगर महुआ निर्दोष पाई जाती हैं तो उनकी सांसदी बहाल हो सकती हैं। अगर दोषी पाई जाएंगी तो सांसदी बहाल करने के सारे रास्ते बंद हो जाएंगे। सवाल यह भी उठता है कि क्या दोबारा चुनाव लड़ पाएंगी?उसके उत्तर में बताया जाता है कि आपराधिक मामलों की जांच और केस चलने तक महुआ चुनाव लड़ सकती हैं लेकिन आपराधिक मामले में अगर महुआ मोइत्रा को 2 साल या 2 साल से ज्यादा सजा मिलती है तो उनके चुनाव लड़ने पर रोक लग सकती है हालांकि, क्रिमिनल केस के ट्रायल और सजा होने में वक्त लगता है। लोकसभा चुनाव 2024 होने में 6 महीने से कम का समय बचा है। ऐसे में जनता के बीच जाने से पहले खुद को साफ-पाक साबित करने के लिए महुआ के पास वक्त भी कम बचा है। 1951 में जनप्रतिनिधि कानून के तहत सांसदों और विधायकों के लिए सजा का प्रावधान है। इस कानून के धारा 8 में लिखा है कि अगर किसी सांसद या विधायक को आपराधिक मामले में दोषी ठहराया जाता है तो जिस दिन उसे दोषी ठहराया जाएगा, तब से लेकर अगले 6 साल तक वो चुनाव नहीं लड़ सकेगा। यदि इस मामले को राहुल गाँधी के मामले से मिला कर देखा जाता है तो दोनों केस बिल्कुल अलग है। राहुल गांधी को सूरत की अदालत ने मोदी सरनेम वाले मानहानि केस में 2 साल की सजा सुनाई थी। जिसके बाद जनप्रतिनिधि कानून के तहत राहुल गांधी की सांसदी चली गई। यहां तक कि उनके 6 साल चुनाव लड़ने पर भी तलवार लटक रही थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की सदस्यता बहाल कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'जब तक राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई पूरी नहीं होती, तब तक दोषसिद्धि पर रोक रहेगी।' सुनवाई की नई तारीख अभी नहीं बताई गई है। यह पहला मामला नहीं है जिसमें किसी सांसद को कैश फॉर क्वेरी के मामले में निष्काशन हुआ हो । 2005 में कांग्रेस के शासन में महुआ मोइत्रा जैसा एक मामला आया था। संसद में रिश्वत लेकर सवाल पूछने के आरोप को सही पाए जाने के बाद 23 दिसंबर 2005 को 10 लोकसभा सांसद और एक राज्यसभा सांसद (छत्रपाल सिंह लोधा) को बर्खास्त कर दिया गया था। बर्खास्त सांसदों में 6 भाजपा , 3 बीएसपी के थे। जबकि कांग्रेस और आरजेडी के एक-एक सांसद पर एक्शन लिया गया था। इनके खिलाफ पर्याप्त सबूत थे। ये लोग नेशनल टेलीविजन पर एक स्टिंग ऑपरेशन के तहत पैसे लेकर सवाल पूछने की बात स्वीकार कर रहे थे। बाद में अदालत में भी इनका कुछ नहीं हुआ था । निष्कासित सांसदों की याचिका को सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक खंडपीठ ने 4-1 के बहुमत से ख़ारिज कर दिया था और उनके निष्कासन को बरक़रार रखा था । अब थोडा सांसद महुआ मोइत्रा के बारे में भी जान लेते है कि कौन है वो सांसद महुआ मोइत्रा जिसको लेकर इतना हंगामा हो रहा है ?महुआ मोइत्रा का जन्म 12 अक्टूबर 1974 को असम के कछाड़ जिले में एक बंगाली हिंदू ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम द्विपेंद्र लाल मोइत्रा और माता का नाम मंजू मोइत्रा है। उनकी एक बहन है। महुआ तलाकशुदा हैं और उनके कोई बच्चे नहीं हैं। मोइत्रा की शुरुआती शिक्षा कोलकाता के गोखले मेमोरियल गर्ल्स स्कूल से हुई। इसके बाद उन्होंने 1998 में अमेरिका के मैसाचुसेट्स में माउंट होलोके कॉलेज साउथ हैडली से अर्थशास्त्र और गणित में ग्रेजुएशन की। उन्होंने वित्तीय मानक प्राधिकरण (यूके), वित्तीय उद्योग नियामक प्राधिकरण (यूएसए) में भी पढ़ाई की है। इसके अलावा उन्होंने न्यूयॉर्क सिटी और लंदन में जेपी मॉर्गन चेज के लिए एक निवेश बैंकर के रूप में काम किया। महुआ मोइत्रा 2009 में लंदन में जेपी मॉर्गन चेज में उपाध्यक्ष का पद छोड़कर राजनीति में आ गईं। वह कांग्रेस की युवा शाखा भारतीय युवा कांग्रेस में शामिल हो गई थीं, जहां उन्होंने पार्टी के कार्यक्रम 'आम आदमी का सिपाही' के लिए काम किया।

यूनिसेफ : 77 वर्षों से बच्चों के कल्याण के लिए प्रयासरत

योगेश कुमार गोयल

यूनिसेफ की स्थापना को आज 77 वर्ष हो चुके हैं और इन 77 वर्षों में यूनिसेफ ने दुनियाभर में बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए अनेक उल्लेखनीय कार्य किए हैं। प्रतिवर्ष 11 दिसम्बर को बच्चों के कल्याण के लिए यूनिसेफ दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1946 में यूनिसेफ की स्थापना द्वितीय युद्ध में प्रभावित बच्चों की सुरक्षा के उद्देश्य से ही की गई थी लेकिन अब यह संस्था दुनियाभर में बच्चों के कल्याण के लिए कार्यरत है। वर्तमान में यूनिसेफ के कार्यकर्ता दुनियाभर के 190 से भी अधिक देशों में बच्चों के कल्याण के लिए निरन्तर कार्य कर रहे हैं। भारत में इस संस्था ने वर्ष 1949 में कार्य करना प्रारंभ किया था। बाल विकास और पोषाहार, बाल संरक्षण, शिक्षा, बाल पर्यावरण, पोलियो उन्मूलन, प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य, बच्चे और एड्स, सामाजिक नीति, नियोजन, निगरानी एवं मूल्यांकन, हिमायत और भागीदारी, आचरण परिवर्तन संदेश, आपात स्थिति तैयारी और कार्रवाई जैसे क्षेत्रों पर यूनिसेफ का मुख्य फोकस रहता है। विश्वभर में बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कल्याण और विकास के लिए किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए ही यूनिसेफ को वर्ष 1965 में नोबेल शांति पुरस्कार, वर्ष 1989 में इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार तथा वर्ष 2006 में प्रिंस ऑफ अस्तुरियस अवार्ड जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों से भी नवाजा जा चुका है।

नोबेल पुरस्कार दिए जाने के बाद वैश्विक स्तर पर यूनिसेफ का कार्य और तेज हो गया। आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो यूनिसेफ की शिक्षा इकाई के कारण ही वर्ष 2006 तक विश्वभर में करीब 12 मिलियन बच्चे पढ़ाई के लिए स्कूल वापस जा सके। यूनिसेफ बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए आपात स्थितियों में कार्रवाई करता है और युद्ध, आपदा, घोर गरीबी, हर प्रकार की हिंसा और शोषण तथा विकलांगता से पीड़ित सर्वाधिक वंचित बच्चों के लिए विशेष संरक्षण सुनिश्चित करने के प्रति संकल्पबद्ध है। यह बच्चों को पहला अधिकार दिलाता है और वंचित बच्चों तथा उनके परिवारों के लिए उपयुक्त नीतियां बनवाने और सेवाएं प्रदान करने की देशों की क्षमता का निर्माण करता है। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान तबाह हुए देशों के बच्चों और माताओं को आपातकालीन स्थिति में भोजन तथा स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा 11 दिसम्बर 1946 को न्यूयार्क में यूनिसेफ की स्थापना की गई थी। विकासशील देशों में बच्चों और महिलाओं की दीर्घकालिक जरूरतों को पूरा करने के लिए वर्ष 1950 में यूनिसेफ के दायरे को विस्तारित किया गया। वर्ष 1953 में यूनिसेफ संयुक्त राष्ट्र का एक स्थायी हिस्सा बन गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग के अलावा यूनिसेफ द्वारा दुनियाभर में मौजूद अनेक स्वास्थ्य सेवा संस्थानों के साथ मिलकर बच्चों को पानी, स्वच्छता, इंफेक्शंस आदि के लिए कैम्पैन चलाए जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की इस संस्था द्वारा प्रतिवर्ष दुनियाभर में नवजात बच्चों के टीकाकरण के लिए तीन बिलियन से भी अधिक टीके प्रदान किए जाते हैं। यूनिसेफ की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यह संस्था दुनियाभर में बच्चों के कल्याण हेतु कार्य के दौरान किसी भी प्रकार के जाति, धर्म, राष्ट्रीयता, राजनीतिक विचारधारा इत्यादि के आधार पर भेदभाव नहीं करती। यह संस्था करीब 50 देशों में एचआईवी/एड्स से बचाव की लड़ाई में निरन्तर कार्यरत है। यूनिसेफ का 36 सदस्यों का कार्यकारी दल इसके कार्यों की देखरेख करता है, इसकी नीतियां बनाता है तथा यूनिसेफ के वित्तीय एवं प्रशासनिक योजनाओं से जुड़े कार्यक्रमों को स्वीकृति प्रदान करता है। यूनिसेफ का अधिकांश कार्यक्षेत्र 190 देशों अथवा क्षेत्रों में मौजूद है। 150 से अधिक देशों के कार्यालय, मुख्यालय और यूनिसेफ के नेटवर्क से जुड़े अन्य कार्यालय तथा 34 राष्ट्रीय समितियां मेजबान सरकारों के साथ विकसित कार्यक्रमों के माध्यम से यूनिसेफ के मिशन को पूरा करते हैं। सात क्षेत्रीय कार्यालय आवश्यकतानुसार सभी देशों में स्थित कार्यालयों को तकनीकी सहायता प्रदान करते हैं। वर्तमान में यूनिसेफ फंड एकत्रित करने के लिए विश्वस्तरीय एथलीट और टीमों की सहायता लेता है। इस संस्था का वित्त पोषण विभिन्न सरकारों तथा निजी दानदाताओं द्वारा किया जाता है। संस्था के संसाधनों का दो-तिहाई योगदान विभिन्न देशों की सरकारें करती हैं और शेष योगदान निजी समूहों तथा व्यक्तियों द्वारा राष्ट्रीय समितियों के माध्यम से किया जाता है। यूनिसेफ के लक्ष्यों की एक लंबी सूची है, जिसमें न्यूनतम-लागत हस्तक्षेप के माध्यम से लाखों बच्चों के जीवन को बचाने, बच्चों के अवैध व्यापार और शोषण को रोकने तथा मां-बच्चे के बीच एचआईवी/एड्स के संक्रमण को समाप्त करने में सहायता करना शामिल हैं।

बुजुर्गों की अमूल्य सलाह, जीने की नई राह

संजीव ठाकुर

यह विडंबना है जब मनुष्य अत्यंत अनुभवी परिपक्व,प्रबुद्ध शालीन हो जाता है तब उसके अनुभव कार्य की लगनशीलता और परिपक्व मस्तिष्क का हम सदुपयोग नहीं करते उन्हें अवकाश प्रदान कर देते हैं। यह भी इस सिक्के का दूसरा पहलू है कि इस उम्र में शरीर में थकावट और वृद्धावस्था आ जाती है पर हम उन्हें सम्मान और यथा योग्य महत्व देकर उनके मार्गदर्शन और परामर्श का यथोचित लाभ लेकर अपने जीवन,व्यवसाय अथवा नई नीतियों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं, पर अमूमन ऐसा होता नहीं है। वृद्धावस्था को जीवन का अंतिम पड़ाव एवं समस्याओं से गिरी हुई अवस्था माना जाता है, क्योंकि इस अवस्था में वृद्धों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।समय की रफ्तार के साथ समाज में अनेक परिवर्तन होने लगे हैं। नवीन पीढ़ी के लोग पुराने विचारों के लोगों का उनके जीवन में हस्तक्षेप उचित ना समझ कर बर्दाश्त नहीं करते हैं,इसी कारण युवा पीढ़ी बुजुर्गों और वृद्धों के विचारों की गहन उपेक्षा करने लगते हैं और बुजुर्गों को लगता है कि उनकी समाज में उपयोगिता धीरे धीरे कम हो रही है। जीवन का सांध्य काल आने पर मनुष्य कई समस्याओं से घिर जाता है। सबसे बड़ी समस्या शारीरिक क्षमता में कमी आ जाने की है, शरीर की सभी इंद्रियां धीमी पड़ जाती हैं,अनेक प्रकार की व्याधियों से शरीर घिर जाता है और मनुष्य धीरे-धीरे शरीर पर नियंत्रण खोता जाता है। उम्र के वृद्धावस्था के पड़ाव पर अनेक शारीरिक बीमारियों के साथ-साथ मूल समस्या मानसिक व्याधि की होती है। सरकारी तथा गैर सरकारी संगठनों में वेतन भोगी कर्मचारी को एक निर्धारित आयु के बाद सेवानिवृत्त कर दिया जाता है और यह मान लिया जाता है कि वह व्यक्ति अब शारीरिक एवं मानसिक श्रम के योग्य नहीं रहा चाहे वह व्यक्ति स्वस्थ ही क्यों ना हो। इसके बाद उस व्यक्ति के जीवन में अनेक कठिनाई आने लगती हैं। जैसे ही व्यक्ति की आर्थिक उपयोगिता समाज में कम होने लगती है, वह समाज के लिए अनुपयोगी मान लिया जाता है और इस अवस्था में पहुंचने के बाद मानसिक तनाव की स्थिति बनने लगती है। लोगों के संपर्क में न रहना, सहयोगी तथा मित्रों की मृत्यु भी मानसिक तनाव का बड़ा कारण होती है। आत्मविश्वास की धीरे-धीरे कमी होने लगती है, जिससे मानसिक विकृति अकेलापन आदि जैसे रोगों का निर्माण होने लगता है। इस अवस्था में मान सम्मान की कमी की समस्या तो होती ही है, दूसरी तरफ सीमित तथा अल्प धन की उपलब्धता के कारण आर्थिक कष्ट भी वृद्धों को उठाना पड़ता है। परिवार तथा समाज की नजरों में व्यक्ति फालतू समझा जाने लगता है, जिससे बुजुर्ग व्यक्ति के मन में एक प्रकार की वितृष्णा आने लगती है। कई बुजुर्ग इस अवहेलना को ना बर्दाश्त कर आत्महत्या तक कर बैठते हैं। जो व्यक्ति कुछ समय पहले तक महत्वपूर्ण था, विशिष्ट था वह अचानक ही बोझ समझा जाने लगता है। उसके मान सम्मान एवं भावनाओं का महत्व बहुत कम हो जाता है। भागदौड़ वाली इस जिंदगी में युवा पीढ़ी अपने बुजुर्गों से एक दूरी बनाना शुरु कर देती है और वह व्यक्ति अकेला ही रह जाता है। जब मनुष्य अपने को एकाकी समझने लगता है तो यह उसके जीवन का सर्वाधिक कठिन समय एवं पल होता है।

बिना अपना खर्चे सिर्फ चर्चे

डॉ टी महादेव राव

बहुत पहले जब चर्चा से संबन्धित फिल्मी गाने सुनता था, तो लगता था चर्चित होना या चर्चा में रहना सचमुच बड़े ही गर्व का विषय होगा। सभी के दिलो दिमाग में यह चर्चा खलबली मचाती होगी। जैसे गाने थे- आजकल तेरे मेरे प्यार के चर्चे हर ज़ुबान पर, शहर में चर्चा है आदि आदि। उसके बाद दफ्तर में बॉस को मेरा कोई प्रस्ताव समझ में नहीं आता था या कोई विवरण चाहता था तो नोट लिखता था कृपया चर्चा करें। उसके बाद जब श्रमिक संघों की मांगों और नोटिस पर प्रबंधन के साथ आमने सामने अजी वही एक्रोस द टेबल चर्चा होती थी। कभी कभी आस पड़ोस में कोई हादसा हो गया, कोई प्रेमी युगल फरार हो गया तो काफी दिनों तक चर्चा चलती थी। तो चर्चों का दायरा बड़ा सीमित था मेरे लिए। कुछ एक छूट भी गए होंगे। आजकल तो चर्चों के चर्चे भी बड़े जोरोशोर से होने लगे। और तो और चर्चा को छोटे से दायरे से निकालकर बहुत विशाल आसमान दे दिया गया चर्चा अनंत, चर्चा कथा अनंता बना दिया गया, जिस तरह कविता को किसी विषय से परहेज नहीं होता, जहां न जाय रवि वहाँ जाय कवि की तर्ज पर। अब तो चर्चा का तो मार्केट ही निकल पड़ा, चर्चा के लिए विषयों की कमी नहीं। विषय हो या न हो, चर्चा तो होती रहनी चाहिए। ताकि बिना प्रैस मीट किये, पत्रकारों का सामना किए बिना बहुत सारी पब्लिसिटी अपने आप इन चर्चाओं से मिल जाती है, जिससे प्रचार प्रसार के भूखे दिल की कली खिल जाती है। सरकारी विज्ञापनों की लालच में इतने समाचार छपते हैं कि दिल बाग बाग हो जाता है। कहाँ दिल की कली के खिलने की बात थी और कहाँ दिल का बाग बाग होने का मामला। यही तो विकास है। और हमारा विकास जो है किसी से कम नहीं है। पहले शुरू हुई चाय पे चर्चा। होनी ही चाहिए आखिर चाय सभी की फेवेरेट पेय जो है। प्रधान मंत्री से लेकर आम आदमी तक चाय को पसंद करता है। करना भी चाहिए। इससे चुस्ती फुर्ती आती है। जीवन में खुशियाँ तो सभी ने किसी न किसी तरह छीन लिया, लेकिन चाय अपने स्वाद से उस दर्द को भूल जाने में मदद करता है। मैं सिर्फ चाय तक चर्चा को रखता हूँ। किसी भी विषय पे बात करनी हो, चर्चा करनी हो तो चाय एक उत्प्रेरक के रूप में बहुत सक्रिय काम करता है। चाय पे चर्चा में मेरे मित्र ने चाय के प्रकारों पे जब चर्चा शुरू किया तो मैंने कहा चाय विषय नहीं, एक केटलिस्ट है, उत्प्रेरक है। उसने कहा तब इसे सामन्य चर्चा कहो न! चाय पे चर्चा क्यों कहते हो। मेरे एक और मित्र ने उत्तर दिया- इस बीच केवल चर्चा होती थी, चाय नहीं पिलाया जाता था तो लोग कम आते थे। हमने सोचा चाय पे चर्चा करने पर कम से कम चाय के लिए तो लोग आएंगे। साला, चर्चा में भी पॉलिटिक्स घुस गई।

कमाल की है अमृत संजीवनी विद्या

दैत्य गुरु शुक्राचार्य पलक झपकते कर देते थे असुरों को जिंदा

हिंदू धर्म में कई सारी दिव्य विद्याएं समाहित हैं। उसी में से एक विद्या दैत्य गुरु शुक्राचार्य के पास भी थी जिस उन्होंने भगवान शिव से प्राप्त किया था। यह तो आप सब जानते ही हैं कि कलांतर से ही देवता और असुरों के बीच युद्ध होता चला आ रहा है और यह कहते भी हैं जहां देव वहां दानव। अब बात करते हैं देवताओं के गुरु कि जहां देवताओं के गुरु बृहस्पति हैं वहीं दैत्यों के गुरु शुक्राचार्य माने जाते हैं। आइए जानते हैं आखिर शुक्राचार्य के पास वो कौन सी विद्या थी जिससे वह युद्ध में मारे गए दैत्यों को फिर से जीवित कर देते थे।

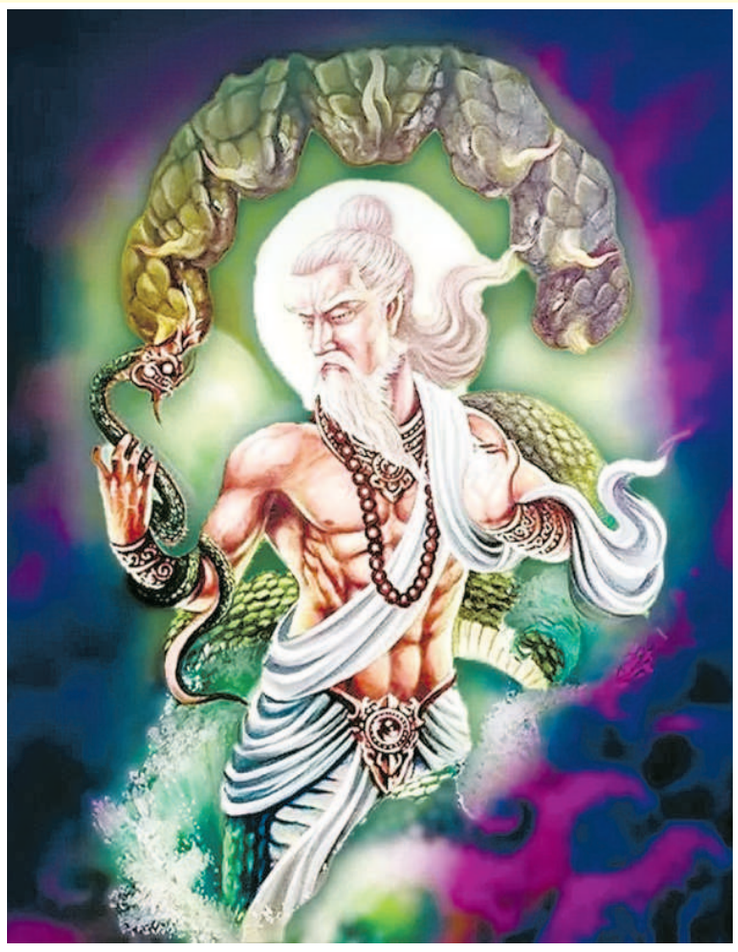

भगवान शिव से मिली थी शुक्राचार्य को संजीवनी विद्या

पौराणिक कथा के अनुसार एक बार शुक्राचार्य ने घोर तपस्या कर के भगवान शिव को प्रसन्न कर उनसे संजीवनी विद्या का मंत्र प्राप्त किया था। यह वही विद्या है जिससे किसी मृत्य व्यक्ति को जीवित किया जा सकता है। भगवान शिव से दीक्षा लेने के बाद शुक्राचार्य ने इसका गलत तरह से प्रयोग करना शुरू कर दिया था और जब दैत्य युद्ध में मारे जाते थे तो शुक्रचार्य इस विद्या के प्रयोग से उन्हें पुनः जीवित कर देते थे। इस वजह से देवता गण असुरों से परेशान रहने लगे फिर गुरु बृहस्पित ने यह विद्या सीखने के लिए अपने पुत्र कच को शुक्राचार्य के पास शिष्य बन कर जाने के लिए कहा।

गुरु बृहस्पति ने अपने पुत्र को भेजा संजीवनी विद्या सीखने

दैत्यों के गुरु शुक्राचार्य की यह विद्या का गोपनीय रहस्य देव गुरु बृहस्पति जानना चाहते थे। इसलिए उन्होंने अपने पुत्र कच को शुक्राचार्य का शिष्य बन कर उनसे यह विद्या प्राप्त करने के लिए कहा। कच ने अपने पिता की आज्ञा स्वीकार कि और वह शुक्राचार्य के पास शिष्य बन कर पहुंच गए और उन्हें प्रणाम किया। लेकिन शुक्राचार्य जानते थे कि यह बालक उनसे अपने पिता बृहस्पति के कहने पर यह गोपनीय संजीवनी विद्या मुझसे सीखने आया है। परंतु शुक्रचार्य ने कच को यह विद्या सिखाने से मना कर दिया इसके बाबजूद उन्होंने कच को अपने साथ गुरुकुल में रहने की अनुमति दे दी। क्योंकि गुरु परंपरा के अनुसार विद्यार्थियों के बीच में कोई भेद नहीं होता है।

शुक्राचार्य की पुत्री कच से करना चाहती थी विवाह

समय के साथ-साथ दैत्य गुरु शुक्राचार्य की पुत्री देवयानी को कच से प्रेम हो गया और वह कच से विवाह करना चाहती थी। कच का वहां रहना असुरों को पसंद नहीं था और असुरों ने उसे मारने का प्रयोजन बनाया। असुरों ने कच पर प्रहार कर उसे मार कर किनारे फैंक दिया। देवयानी को जब कच न मिले तो वह अपने पिता शुक्राचार्य के पास गईं और कहा कच को आप अपनी संजीवनी विद्या से जीवत कर दीजिए क्योंकि में उससे विवाह करना चाहती हूं। इस बात से शुक्राचार्य को विवश होना पड़ गया और उन्होंने अपनी बेटी के कहने के अनुसार संजीवनी विद्या के प्रयोग से कच को जीवित कर दिया।

शुक्राचार को विवश होने के कारण सिखानी पड़ी कच को संजीवनी विद्या

कच ने पुनः शुक्राचार्य से आग्रह किया कि वह स्वयं की रक्षा के लिए उनसे संजीवनी विद्या अर्जित करना चाहते हैं। लेकिन शुक्राचार्य ने यह विद्या देवताओं के हाथ चले जाने के डर से उन्हें नहीं सिखाई। कच के फिर से जीवित हो जाने पर असुरों ने दुबारा कच को मारने की चाल चली लेकिन देवयानी ने शुक्राचार्य से जिद कर कच की रक्षा के लिए अपने पिता को संजीवनी विद्या सिखाने के लिए विवश कर ही दिया। आखिर इतना सब होने के बाद शुक्राचार ने कच को संजीवनी विद्या सिखा दी।

दैत्य गुरु ने कच की करी सराहना

शुक्रचार्य ने कच से कहा कि में विवश हो कर तुम्हें यह विद्या सिखा रहा हूं। पता नहीं ईश्वर की कृपा से तुम्हारे अंदर ऐसा क्या गुण हैं कि बड़े-बड़े देवता भी यह संजीवनी विद्या नहीं प्राप्त कर सके और तुमने इसे पल भर में प्राप्त कर लिया। यह तुम्हारें संस्कार और आज्ञाकारी होने की निशानी है। तुमने अपने पिता की आज्ञा का पालन किया और उनके आशीर्वाद से आज तुमने मुझे यह विद्या सिखाने के लिए आखिरकार मजबूर कर ही दिया।

क्यों मृत्यु संजीवनी कहलाता है महा-मृत्युंजय मंत्र

भगवान शिव के अनेक स्वरूप हैं। उसमें भगवान शिव का एक रुप है महा-मृत्युंजय स्वरूप, जिसमें भगवान शिव अपने हाथों में अमृत लेकर अपने भक्तों की रक्षा करते हैं। इसी स्वरूप को महा-मृत्युंजय स्वरूप कहा जाता है। भगवान के इस रूप से आयु की रक्षा और रक्षा की प्रार्थना की गई है।

महा-मृत्युंजय मंत्र का दीर्ध या लघु स्वरूप जपने से व्यक्ति हमेशा सुरक्षित रहता है। इस मंत्र का जपने की सावधानियां और नियम हैं। जब आप इन नियमों का पालन करेंगे तो तब यह मंत्र और अधिक प्रभावी होगा। सामान्य और विशेष रूप से इस मंत्र का प्रयोग किया जाता है। ज्योतिष शास्त्र में कुंडली के दोषों को दूर करने के लिए महा-मृत्युंजय मंत्र ही कारगर होता है।

मंत्र जप के नियम- इस मंत्र का जाप सुबह और शाम, दोनों समय कर सकते हैं। संकटकाल के समय इस मंत्र का जाप कभी भी कर सकते हैं। यह जाप शिवलिंग के सामने या शिव जी की प्रतिमा के सामने करें। जाप रुद्राक्ष की माला से करना ही उत्तम होगा। मंत्र जाप से पहले शिव जी को बेलपत्र और जल अर्पित करें। महा-मृत्युंजय मंत्र के 5 प्रकार के होते हैं आइए जानते हैं –

1. एकाक्षरी महा-मृत्युंजय मंत्र – 'हौं'। नियमित रूप से स्वास्थ्य ठीक रहें इसके लिए मंत्र एकाक्षरी मंत्र का जाप करें। सुबह उठते ही इस मंत्र का जाप करें। अगर आप ऐसा रोज करें तो सामान्य दशाओं मे आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

2. त्रयक्षरी मंत्र है – 'ऊं जूं सः'। जब आपको छोटी-छोटी बीमारियां परेशान करने लगे तो यह मंत्र प्रभावशाली होता है। रात को सोने से पहले कम से कम 27 बार इस मंत्र का जाप करें। आपको छोटी बीमारी बार-बार परेशान नहीं करेगी।

3. चतुराक्षरी महा-मृत्युंजय मंत्र – 'ऊं हौं जूं सः'। यदि शल्य चिकित्सा दुर्घटना की संभावना तो ये मंत्र जपें। सुबह शिव जी को जल अर्पित करके इस मंत्र की 3 माला जपें। आप हर प्रकार की दुर्घटना और शल्य चिकित्सा से बच सकेंगे।

4. दशाक्षरी महा-मृत्युंजय मंत्र -'ऊं हौं जूं सः माम पालय पालय'। इस मंत्र को अमृत महा- मृत्युंजय मंत्र कहा जाता है। जिसके लिए ये मंत्र जप रहे हैं उसका नाम जरूर प्रयोग करें। तांबे के पात्र में जल भरकर उसके सामने मंत्र जपें। फिर उस जल को उसे पिलाएं जिसे सेहत की समस्या हो।

5. मृत संजीवनी महा-मृत्युंजय मंत्र – 'ऊं हौं जूं सः। ऊं भूर्भवः स्वः। ऊं त्र्यंबकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम। उर्वारुकमिव बंधनान्मत्योर्मुक्षीय मामृतात। स्वः भुवः भूः ऊं। सः जूं हौं ऊं। शास्त्रों के अनुसार ये मंत्र मरते हुए आदमी को भी जीवन दे सकता है इसलिए इस मंत्र को मृत्यु संजीवनी कहा जाता है। जब रोग असाध्य हो जाए, कोई आशा ना बचे तब इस मंत्र का घर में कम से कम सवा लाख बार जाप करवाना चाहिए। जब भी इस मंत्र का जाप करवाएं, संपूर्ण अनुष्ठान को सम्मिलित करें।

भूखा व्यक्ति धर्म-कर्म और ज्ञान की बातें नहीं समझता है

उसे ज्ञान नहीं, सबसे पहले खाना देना चाहिए

गौतम बुद्ध से जुड़ा किस्सा है। बुद्ध के उपदेशों की वजह से उनके सभी शिष्य भी मानवता के मार्ग पर चल रहे थे। सभी शिष्य जरूरतमंद लोगों की मदद करने में पीछे नहीं हटते थे। ऐसे ही कुछ शिष्यों को एक दिन रास्ते में भूखा भिखारी दिखाई दिया।

भूख की वजह से वह भिखारी बेहोश गया था। उसके आसपास कई लोग इकट्ठा हो गए थे, लेकिन कोई उसकी मदद नहीं कर रहा था। बुद्ध के एक शिष्य ने कहा कि अगर ये यहीं पड़ा रहा तो मर जाएगा। अंत समय में ये तथागत से ज्ञान की बातें सुन लेगा तो उसका जीवन धन्य हो जाएगा। ऐसा सोचकर शिष्य उस भिखारी को लेकर बुद्ध के पास ले जाने की कोशिश करने लगे। वह भिखारी इतना कमजोर था कि चल भी नहीं पा रहा था। तब एक शिष्य बुद्ध पास के पहुंचा और उस भिखारी की बात बताई। बुद्ध तुरंत ही उस बेहोश भिखारी के पास पहुंच गए।

बुद्ध को देखकर शिष्यों ने कहा कि ये व्यक्ति मृत्यु के निकट है, आप इसे ज्ञान की कुछ बातें बता दीजिए, ताकि इसका जीवन धन्य हो जाए। बुद्ध ने कहा कि हम इसे उपदेश तो बाद में देंगे, लेकिन सबसे पहले इसे कुछ खाने को दो। बुद्ध के कहने के बाद तुरंत ही लोगों ने खाने की व्यवस्था कर दी।

खाना मिलते ही भिखारी ने खाना शुरू कर दिया। जब उसका पेट भर गया, वह गहरी नींद में सो गया।

बुद्ध ने कहा कि हमारा काम हो गया है, अब हमें यहां से चलना चाहिए।

शिष्यों ने और आसपास खड़े लोगों ने बुद्ध से कहा कि ये कैसा मूर्ख है, खाना खाकर सो गया। आप यहां थे, इसने उपदेश भी नहीं लिया।

बुद्ध की सीख

बुद्ध ने कहा कि कोई बात नहीं, ये कई दिनों से भूखा था। भूख की वजह से कमजोर हो गया था। इसके लिए सबसे बड़ा उपदेश यही है कि भूखे व्यक्ति को धर्म-कर्म और ज्ञान की बातों से कोई मतलब नहीं होता है। सबसे पहले भूखे का पेट भरना चाहिए। अगर कोई व्यक्ति भूखा है तो वह धर्म का मर्म नहीं समझेगा। तुम लोग यही भूल कर रहे थे। सबसे पहले इसे खाना देना था, इसके बाद ही ये धर्म की कोई बात समझेगा। हमें आसपास जहां भी जरूरतमंद लोग दिखाई दें, उन्हें खाना जरूर खिलाना चाहिए। यही आज का उपदेश है।

लड़कियां राशि अनुसार पहनें ये इयररिंग्स चमकेगा किस्मत का सितारा

इयररिंग्स जहां आपकी खूबसूरती को बढ़ाता है, वहीं उसे बनाने में जिस धातु का उपयोग किया गया होता है, वह आपके जीवन पर अच्छा और बुरा प्रभाव भी डाल सकता है। यदि आप अपनी राशि के अनुसार शुभ धातु से बनी इयररिंग्स का उपयोग करती हैं तो वह आपकी किस्मत के सितारे को भी चमका सकती है। जब आप राशि अनुकूल शुभ धातु का उपयोग करते हैं तो ग्रह भी शुभ फल देते हैं। अशुभ या पाप ग्रहों से संबंधित धातुओं से बनी वस्तुओं का उपयोग करने से जीवन में नकारात्मक प्रभाव बढ़ता है। आइए जानते हैं कि राशि अनुसार आपके लिए किस धातु की इयररिंग्स शुभ फलदायी हो सकती हैं।

राशि अनुसार पहनें इन धातुओं से बनी इयररिंग्स

मेषः आपकी राशि की लड़कियों और महिलाओं को सोने या फिर तांबे से बनी हुई इयररिंग्स पहननी चाहिए। इसे मंगलवार को पहनना अतिशुभ होगा क्योंकि आपकी राशि के स्वामी ग्रह मंगल हैं।

वृषः जिनकी राशि वृष है, उनके लिए चांदी से बनी इयररिंग्स लकी साबित हो सकती हैं। आप चांदी में बने डायमंड के इयररिंग्स भी पहन सकती हैं। इसे आप शुक्रवार के दिन पहनें तो ज्यादा अच्छा होगा। आपकी राशि का स्वामी ग्रह शुक्र है, इसका शुभ धातु चांदी है और हीरा शुभ रत्न है।

मिथुनः आपकी राशि का स्वामी ग्रह बुध है। इसका शुभ धातु कांसा और प्रिय रत्न पन्ना है। ये दोनों ही आपके लिए शुभ फलदायी होंगे। ऐसे में आप इनसे बने इयररिंग्स बुधवार को पहन सकती हैं।

कर्कः आपकी राशि के लोगों के लिए शुभ धातु चांदी है और शुभ रत्न मोती है। चांदी और मोती से बनी हुई इयररिंग्स को सोमवार के दिन पहनना आपके लिए अत्यंत शुभ फल देने वाला हो सकता है। इसके अतिरिक्त आप सोने और पीतल से बनी इयररिंग्स भी पहन सकती हैं। इस राशि का स्वामी ग्रह चंद्रमा है।

सिंहः आपकी राशि का स्वामी ग्रह सूर्य है। आप पीतल और सोने से बनी इयररिंग्स रविवार के दिन पहनें तो ज्यादा लकी साबित हो सकता है। आपका शुभ रत्न माणिक्य है। माणिक्य वाले इयररिंग्स भी अच्छे रहेंगे।

कन्याः आपकी भी राशि का स्वामी ग्रह बुध है। आप भी मिथुन के समान ही इयररिंग्स पहनकर अपनी खुबसूरती के साथ किस्मत में भी चार चांद लगा सकती हैं।

तुलाः यदि आप शुक्रवार के दिन चांदी और डायमंड के इयररिंग्स पहनती हैं तो वह आपके लिए लकी साबित हो सकता है क्योंकि आपकी राशि का स्वामी ग्रह शुक्र है। शुक्र भौतिक सुख और सुविधाओं का कारक ग्रह है। चांदी के अलावा आप सोने के इयररिंग्स भी पहन सकती हैं।

वृश्चिकः मेष के समान ही आपकी भी राशि के स्वामी ग्रह धरती पुत्र मंगल देव हैं। आपके लिए सोने और तांबे से बनी इयररिंग्स भाग्य को प्रबल करने वाली हो सकती है।

धनु और मीनः आप दोनों की राशि के लोगों के लिए सोना और पीतल शुभ धातु हैं क्योंकि आपकी राशि के स्वामी ग्रह बृहस्पति हैं। इनकी प्रिय धातुएं सोना एवं पीतल हैं। सोना और पीतल से बनी इयररिंग्स गुरुवार को पहनें।

मकर और कुंभः इन दोनों राशि से संबंधित लड़कियां और महिलाएं नीलम रत्न वाली इयररिंग्स शनिवार को पहनें तो उनके लिए लकी रहेगा। इसके अलावा हीरा और पन्ना से बने इयररिंग्स भी लकी हो सकते हैं। इन दोनों राशि के स्वामी ग्रह शनि देव हैं और नीलम उनका प्रिय रत्न है। हालांकि ऐसे इयररिंग्स काफी महंगे हो सकते हैं।

बीकानेर मंदिर की चमत्कारी चौकी

सुबह-सुबह धोकर पिएं इसका पानी दूर होंगी सभी समस्याएं!

बीकानेर में कई ऐसे मंदिर है जो काफी पुराने और काफी चमत्कारिक भी है। ऐसा ही एक राज रतन बिहारी जी का मंदिर है जो करीब 179 साल पुराना है। इस मंदिर परिसर में एक ऐसी अनोखी टाइल्स है दर्शन करने के बाद इस टाइल्स के पानी को धोकर पीने से कई समस्याओं का निवारण होता है।

मंदिर की व्यवस्था से जुड़े रामकुमार पुरोहित मुरारीजी ने बताया कि बीकानेर राजघराने के पंचम पीठाधीश्वर श्री श्री देवकीनंद आचार्य जी महाराज ने यज्ञ किया था। निज मंदिर के बाहर सामने इस जगह पर यज्ञ हुआ था। इसके बाद ठाकुर जी अंदर विराजमान हुए। पूरे भारत में सिर्फ इसी मंदिर में यह अनोखी टाइल्स है। इस टाइल्स पर ठाकुरजी के दो चरण छपे हुए है। इसमें एक चरण तो दिखाई पड़ता है तो दूसरा चरण ढूंढना पड़ता है।

इस टाइल्स पर पानी रखकर पानी ग्रहण कर सकते है। इससे कई संकट दूर होते है। यह 185 साल पुरानी टाइल्स है। इसको यहां लोग चरण चौकी बोलते है। वे बताते है कि यहां चरण चौकी को पानी से धोकर फिर उस पानी को ग्रहण करते है तो कई समस्या दूर होती है। इस पानी को पीने से महिलाओं को बच्चा होता है और घर में किसी तरह का क्लेश हो तो वो भी दूर हो जाएगा।

1200 लोग ले जा चुके है पानी

पुरोहित मुरारी जी बताते हैं कि अब तक मैंने देखा है कि 1200 लोग यहां टाइल्स को धोकर पानी लेकर गए हैं। जिससे उनकी मनोकामना भी पूरी हुई है। यहां लोग अपने घर से पानी की बोतल लेकर आते है और चौकी पर स्नान करवाकर वापिस पानी लेकर जाते है। इस पानी को रोजाना थोड़ा थोड़ा लेना है वो भी सुबह चाय पीने से पहले।

रानियों की हवेली है यह मंदिर

इस मंदिर का निर्माण राजा रतन सिंह ने अपनी पत्नी

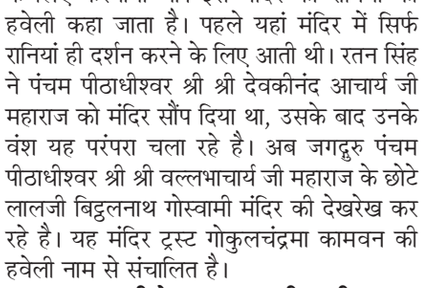

के लिए करवाया था। इस मंदिर को रानियों की हवेली कहा जाता है। पहले यहां मंदिर में सिर्फ रानियां ही दर्शन करने के लिए आती थी। रतन सिंह ने पंचम पीठाधीश्वर श्री श्री देवकीनंद आचार्य जी महाराज को मंदिर सौंप दिया था, उसके बाद उनके वंश यह परंपरा चला रहे है। अब जगद्गुरु पंचम पीठाधीश्वर श्री श्री वल्लभाचार्य जी महाराज के छोटे लालजी बिट्ठलनाथ गोस्वामी मंदिर की देखरेख कर रहे है। यह मंदिर ट्रस्ट गोकुलचंद्रमा कामवन की हवेली नाम से संचालित है।

कृष्ण जी के साथ राधा की सखी

इस मंदिर में भगवान कृष्ण और राधा की सखी की प्रतिमा है। जो काले संगमरमर से बनी हुई है। भगवान कृष्ण के साथ एक तरफ तो ललिता जी और दूसरी तरफ विशाखा जी है। यह वे सखियां जी राधा जी की आठ सहेलियों में से हो हमेशा इनके साथ रहती थी।

राजा ने अपनी पत्नी के लिए बनवाया था मंदिर

पुरोहित ने बताया कि राजा रतन सिंह ने अपनी पत्नी के लिए ठाकुर जी का मंदिर बनवाया था। राजा रतन सिंह की पत्नी बीकानेर से गिरिराज जी दर्शन करने के लिए जाती थी। फिर राजा रतन सिंह ने अपनी पत्नी के लिए ठाकुर जी का मंदिर यहीं बनवा दिया। राजा ने अपने पोते के जन्मदिवस पर मंदिर बनवा दिया। यह पूरा मंदिर संगमरमर से बना हुआ है।

मासिक शिवरात्रि पर 2 अद्भुत संयोग

हिंदू धर्म में महाशिवरात्रि पर्व के साथ-साथ हर माह मनाई जाने वाली मासिक शिवरात्रि का भी विशेष महत्व है। इस दिन भगवान भोलेनाथ की विधि-विधान के साथ पूजा की जाती है। पंडित चंद्रशेखर मलतारे के मुताबिक, जिन लोगों की शादी में रुकावट आ रही है या शादी का रिश्ता बार-बार टूट जाता है। ऐसे लोगों को मासिक शिवरात्रि व्रत जरूर करना चाहिए।

भगवान भोलेनाथ की महिमा और शिव आराधना के बारे में विस्तार से जिक्र शिव पुराण में मिलता है। शिव पुराण के मुताबिक, कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। यही कारण है कि इस दिन हर माह मासिक शिवरात्रि मनाई जाती है।

मार्गशीर्ष महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 11 दिसंबर को सुबह 07.10 बजे शुरू होगी और 12 दिसंबर को सुबह 06.24 मिनट पर समाप्त होगी।

2 अद्भुत संयोग में करें शिव पूजा

पंडित चंद्रशेखर मलतारे के मुताबिक, इस बार मासिक शिवरात्रि पर सुकर्मा योग के साथ दो अद्भुत संयोग निर्मित हो रहे हैं। पंचांग के मुताबिक, मार्गशीर्ष महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 11 दिसंबर को सुबह 07.10 बजे शुरू होगी और 12 दिसंबर को सुबह 06.24 मिनट पर समाप्त होगी। इस दौरान सुकर्मा योग शाम को 08.59 मिनट तक है। इस दौरान शिव जी की पूजा करने से मनोवांछित फल प्राप्त होता है। वहीं सर्वार्थ सिद्धि योग योग दोपहर में 12.14 मिनट से शुरू होगा, जो अगले दिन सुबह 07.14 बजे तक रहेगा।

रश्मिका ने 'एनिमल' की सक्सेस के लिए शुक्रिया कहा

रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना स्टारर 'एनिमल' इन दिनों सुर्खियों में है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना के किरदार गीतांजलि की भी काफी तारीफ हुई। ऐसे में अब रश्मिका 13 दिसंबर को 'पुष्पा 2ः द रूल' की शूटिंग शुरू करेंगी।

फिल्म इंडस्ट्री ट्रैकर रमेश बाला ने अपने एक्स (ट्विटर) अकाउंट में इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने लिखा- 'एनिमल' फिल्म की जबरदस्त सफलता के बाद अब रश्मिका मंदाना अपनी आने वाली फिल्म का शूट शुरू करेंगी। यह फिल्म साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' है। इसकी शूटिंग 13 दिसंबर से शुरू होगी। रमेश बाला ने रश्मिका को 'नेशनल क्रश' के नाम से संबोधित किया है।

इंडस्ट्री के एक सूत्र के मुताबिक, एक्ट्रेस हैदराबाद में सीक्वल की शूटिंग करेंगी। फिल्म के पहले पार्ट में, एक्ट्रेस ने श्रीवल्ली की भूमिका निभाई थी। अल्लू अर्जुन के शानदार डांस ने फिल्म 'पुष्पा' के गानों को बड़ा हिट बना दिया था। ऐसे में अब रश्मिका 'पुष्पा 2' में श्रीवल्ली के अपने आइकोनिक किरदार को दोहराती नजर आएंगी।

रश्मिका ने 'एनिमल' की सफलता पर खुशी जाहिर की

रश्मिका ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर 'एनिमल' की एक हफ्ते की सफलता पर एक पोस्ट शेयर किया। पोस्ट में रश्मिका ने अपने किरदार गीतांजलि के बारे में लिखा था। उन्होंने लिखा- गीतांजलि प्योर, वास्तविक, अनफिल्टर्ड और मजबूत है। कभी-कभी बतौर एक्टर, मैं गीतांजलि के कुछ कार्यों पर सवाल उठाती थी।

मुझे याद है उस समय मेरे डायरेक्टर कहते थे कि यह रणविजय और गीतांजलि की कहानी है। यह उन दोनों के प्यार और जुनून दिखाने का तरीका है। गीतांजलि एक चट्टान थी, जिसने सभी तूफानों का सामना किया। वह अपने परिवार की खातिर सब करने को तैयार थी। मेरी नजर में गीतांजलि बहुत खूबसूरत है। कुछ मायनों में वह उन ज्यादातर महिलाओं की तरह है जो मजबूती से खड़ी हैं और दिन-रात अपने परिवार की रक्षा कर रही हैं। आखिर में उन्होंने ऑडियंस का शुक्रिया अदा किया और लिखा- दोस्तो, आप सभी के प्यार के लिए धन्यवाद। यही मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है, और हर फिल्म के साथ मुझे और अधिक मेहनत करने का जज्बा देता है।

बॉबी देओल : आर्यमान कुछ सालों में करेंगे एक्टिंग की शुरुआत, छोटे बेटे को फिल्म मेकिंग में है इंटरेस्ट

एनिमल फेम एक्टर बॉबी देओल ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपने पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ दोनों के बारे में बात की। उन्होंने इंटरव्यू के दौरान अपने दोनों बेटे आर्यमान देओल और धर्म देओल के बारे में बात की। एक्टर से इंटरव्यू के दौरान यह सवाल किया गया कि उनके बेटे बॉलीवुड में कब डेब्यू करेंगे। इस पर बॉबी देओल ने कहा- मैं चाहता हूं इंडस्ट्री में आने से पहले वो दोनों खूब मेहनत करके अच्छी ट्रेनिंग लें। जब वे दोनों पूरी तरह से तैयार हों, उसके बाद ही वे इंडस्ट्री में कदम रखें।

उन्होंने बड़े बेटे के बारे में कहा कि वह कुछ सालों बाद एक्टिंग में डेब्यू करेंगे। मैंने उन्हें लॉन्च करने की फिलहाल कोई प्लानिंग नहीं की है। वहीं छोटे बेटे धर्म को एक्टिंग में नहीं बल्कि फिल्म मेकिंग में इंटरेस्ट है।

बॉबी ने कहा- अभी मेरे बेटे छोटे हैं..

इंटरव्यू के दौरान बॉबी देओल ने बताया कि अभी इंडस्ट्री में आने के लिए मेरे बेटे काफी छोटे हैं। बड़े बेटे आर्यमान मात्र 22 साल के और छोटे बेटे धर्म 19 साल के हैं। उन्होंने कहा कि आर्यमान कुछ सालों में अपना बॉलीवुड डेब्यू करेंगे। बॉबी ने आगे यह भी कहा कि अपने बेटों को लॉन्च करने के बारे में अभी उन्होंने नहीं सोचा है। एक्टर ने बताया कि हाल ही में उनके बड़े बेटे ने एनवाईयू स्टर्न से ऑनर्स की डिग्री हासिल की है।

वहीं छोटे बेटे के बारे में कहा कि उसने कोविड के समय में अपने आपसे ही पूरी फिल्म मेकिंग सीखी थी। बॉबी बताते हैं कि सोशल मीडिया पर आप मेरी जो भी तस्वीरें देखते हैं। वो सभी तस्वीरें मेरा बेटा ही क्लिक करता है। उन्होंने अपने दोनों बेटों की खूब तारीफ की, साथ ही कहा दोनों में अलग-अलग गुण हैं। एक्टर का कहना है कि जब हम साथ में फिल्में देखते हैं, तो उसके मेकिंग के बारे में गहराई से बात करते हैं।

आखिर में उन्होंने कहा- देखते हैं भविष्य में क्या होता है। मैं अभी कुछ प्रीडिक्ट नहीं कर सकता हूं। फिलहाल मैं केवल इतना चाहता हूं कि वो खुश रहें और सक्सेसफुल हों।

डेब्यू से पहले ही आर्यमान सुर्खियों में हैं

'एनिमल' की रिलीज से पहले रणबीर कपूर और बॉबी फिल्म का प्रमोशन करने एक इवेंट में पहुंचे थे। जहां उनके साथ बॉबी देओल के बड़े बेटे आर्यमान देओल भी नजर आए थे। रणबीर ने मीडिया के सामने उनका इंट्रोडक्शन करवाया था। उस दौरान आर्यमान अपने लुक्स को लेकर काफी सुर्खियों में आ गए थे। सोशल मीडिया और हर जगह उनके लुक्स की तारीफ की जा रही थी। इससे पहले बॉबी देओल ने भी अपने बेटे के साथ जन्मदिन पर एक तस्वीर शेयर की थी। उस समय भी लोग उन्हें आने वाले समय का स्टार कह रहे थे।

विक्की कौशल ने शादी की दूसरी सालगिरह पर पत्नी कटरीना को दी बधाई, कहा- लव यू ब्यूटीफुल

बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा जोड़ी विक्की कौशल और कटरीना कैफ आज यानी 9 दिसंबर को अपनी शादी की दूसरी सालगिरह मना रहे हैं। सोशल मीडिया पर उनके फैंस उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं। इसी बीच विक्की ने भी अपनी पत्नी कटरीना के लिए एक खूबसूरत पोस्ट शेयर करते हुए उन्हें बधाई दी। विक्की कौशल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कटरीना का एक अनसीन वीडियो शेयर किया। वीडियो में विक्की फ्लाइट में उनके बगल बैठे नजर आ रहे हैं और कटरीना उनके सामने स्क्रीन पर फिल्म देखते हुए अपने एक्शन मूव्स दिखा रही हैं। पत्नी की ये हरकतें देख विक्की खुश होते दिखाई दे रहे हैं।

विक्की कौशल ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा...

विक्की कौशल ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा-'फ्लाइट में और जीवन में मनोरंजन! लव यू ब्यूटीफुल... ऐसे ही करती रहो। कटरीना की ये वीडियो उनके फैंस को बेहद पसंद आ रही है। यूजर्स एक्ट्रेस के लिए प्यार भरे कमेंट्स कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा- यह कटरीना की टाइगर फिल्मों की तैयारी है। वहीं दूसरे ने लिखा- यह जोड़ी कितनी प्यारी है। उनके फैंस ने ऐसी और वीडियो पोस्ट करने की रिक्वेस्ट की है।

सिध्दार्थ मल्होत्रा और मेघना गुलजार सच्ची घटना पर आधारित फिल्म पर करेंगे साथ काम

'सैम बहादुर' के बाद डायरेक्टर मेघना गुलजार और सिध्दार्थ मल्होत्रा एक नए प्रोजेक्ट पर कोलैबरेशन करने वाले हैं। इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ जान्हवी कपूर भी नजर आएंगी। यह सच्ची घटना पर आधारित फिल्म होगी। बता दें फिल्म तलवार, राजी, छपाक और सैम बहादुर के बाद सच्ची घटना पर आधारित मेघना की यह पांचवीं फिल्म होगी।

मेघना गुलजार पिछले एक साल से इस कहानी की स्क्रप्टिंग पर काम कर रही हैं। पिंकविला के साथ किए गए इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि यह फिल्म लोगों को हैरान कर देगी। दरअसल फिल्म सच्ची घटना पर आधारित होने के साथ-साथ बेहद डरावनी भी होगी। इसकी शूटिंग 2024 से शुरू की जाएगी। फिलहाल फिल्म का इनफॉर्मल नाम 'स्पाइडर' रखा गया है। खबरों के मुताबिक इसका नाम बदला जा सकता है।

फिल्म 'सैम बहादुर' से चर्चा में आईं मेघना गुलजार

मेघना गुलजार बॉलीवुड की फेमस डायरेक्टर और राइटर हैं। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'सैम बहादुर' के बाद से वह काफी चर्चा में आ गईं। इस फिल्म में विक्की कौशल बतौर लीड एक्टर नजर आए थे। 'सैम बहादुर' 'एनिमल' के साथ 1 दिसंबर को रिलीज की गई थी। एनिमल के मुकाबले सैम बहादुर बॉक्स ऑफिस पर उतना कमाल नहीं दिखा पाई है। लेकिन फिल्म दर्शकों द्वारा खूब पसंद की जा रही है।

फिल्म में विक्की कौशल की एक्टिंग और मेघना द्वारा किए गए डायरेक्शन की प्रशंसा हो रही है। मेघना ज्यादातर सच्ची घटना पर आधारित प्रोजेक्ट्स पर ही काम करती हैं। वो ऐसी फिल्में बनाने में माहिर हैं।

2024 में इन फिल्मों में काम करेंगे सिद्धार्थ मल्होत्रा

रिपोर्ट के मुताबिक मेघना की अगली फिल्म 'स्पाइडर' में सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर एक साथ नजर आएंगे। वहीं इस फिल्म की शूटिंग 2024 से शुरू की जाएगी। फिल्म का निर्देशन 'दसवीं' फेम तुषार जलोटा करेंगे। इसके अलावा सिद्धार्थ रोहित शेट्टी की फिल्म 'इंडियन पुलिस फोर्स' और करण जौहर प्रोडक्शन की फिल्म 'योद्धा' में भी नजर आने वाले हैं, जो अगले साल 2024 में ही रिलीज की जाएंगी। कहा जा सकता है कि एक्टर अगले साल अपने फैंस के लिए कई सरप्राइज लेकर आने वाले हैं।

'एनिमल' की सफलता के बाद साउथ में भी बॉबी देओल के नाम का डंका, इस सुपरस्टार की फिल्म में बने विलेन

अभिनेता बॉबी देओल ने फिल्म 'एनिमल' में बिना कोई डायलॉग बोले ऐसी जबरदस्त परफार्मेंस दी है कि उनके अभिनय की खूब तारीफ हो रही है। साउथ सिनेमा के दिग्गज निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के साथ फिल्म 'एनिमल' में काम करने के बाद अभिनेता बॉबी देओल को साउथ सिनेमा के एक और दिग्गज निर्देशक रविंद्र बॉबी के निर्देशन में बन रही फिल्म 'एनबीके 109' में भी दमदार भूमिका निभाने का मौका मिला है।

फिल्म 'एनबीके 109' साउथ सिनेमा स्टार नंदमुरी बालकृष्ण के करियर की 109वीं फिल्म है। इसलिए इस फिल्म का अस्थाई रूप से शीर्षक 'एनबीके 109' रखा गया है। 'एनिमल' की जबरदस्त कामयाबी के बाद अब बॉबी देओल साउथ सिनेमा के सुपरस्टार नंदमुरी बालकृष्ण को इस फिल्म में जबरदस्त टक्कर देते नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में बॉबी देओल का काफी अहम किरदार होगा। भूमिका से बॉबी देओल ने दर्शकों के दिलों पर अपनी एक अलग छाप छोड़ी है। उनके करियर के लिए यह फिल्म संजीवनी साबित हुई है। हर तरफ उनके अभिनय की खूब तारीफ हो रही है। अभिनेता बॉबी देओल के अलावा इस फिल्म में अभिनेत्री उर्वशी रौतेला भी एक खास किरदार निभाने जा रही हैं। उर्वशी रौतेला इस फिल्म से पहले साउथ इंडस्ट्री में अभिनेता चिरंजीवी और रवि तेजा की फिल्म 'वाल्टर वीरैया' के एक गाने में अपनी झलक दिखा चुकी हैं, वहीं तमिल में उन्होंने फिल्म 'द लीजेंड' से साउथ सिनेमा में डेब्यू किया था। बड़े पैमाने पर बन रही फिल्म 'एनबीके 109' का असल बजट कितना है ये तो पता नहीं लेकिन उर्वशी रौतेला अपनी सहेलियों के बीच इसके 300 करोड़ रुपये में बन रही फिल्म होने का दावा करती बताई जा रही हैं। फिल्म में अभिनेता अभिनेता दुलकर सलमान भी की भूमिका काफी चैलेंजिंग बताई जा रही है।

हिमालय में अकेले जन्मदिन मना रहे विद्युत जामवाल

अभिनेता विद्युत जामवाल आज अपना 43वां जन्मदिन मना रहे हैं। एक ओर जहां फैंस समेत तमाम बॉलीवुड सितारे उन्हें जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर वे अकेले ही अपना जन्मदिन मनाने हिमालय पहुंच गए हैं। वहीं अब अभिनेता ने अपनी लेटेस्ट पोस्ट से सभी को हैरान कर दिया। वे जंगल में हर पल का आनंद ले रहे हैं। बाहर खाना पकाने से लेकर नदियों में नहाने तक, वह पहाड़ों की गोद में एक साधारण जीवन जी रहे हैं, जबकि उनकी यात्रा में वह सब कुछ है, जो एक साहसिक नशेड़ी का सपना होता है। उन्होंने सभी को आश्चर्यचकित कर दिया, क्योंकि वे यह सब बिना कपड़े पहने कर रहे हैं।

अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट साझा करते हुए विद्युत ने खुलासा किया कि वे अपना जन्मदिन अकेले और मुफ्त में मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह 14 वर्षों से अधिक समय से उनका अनोखा वार्षिक अनुष्ठान रहा है। हिमालय पर्वतमाला में मेरी वापस- परमात्मा का निवास, 14 साल पहले शुरू हुई थी। इससे पहले कि मुझे एहसास होता, हर साल सात से 10 दिन अकेले बिताना मेरे जीवन का अभिन्न अंग बन गया। विद्युत ने आगे लिखा, ₹विलासिता और प्रशंसा के जीवन से जंगल में आकर मुझे अपना एकांत ढूंढना और 'मैं कौन नहीं हूं' को जानने के महत्व को महसूस करना पसंद है, जो कि 'मैं कौन हूं' को जानने के साथ-साथ खुद के लिए संघर्ष करने का पहला कदम है। मैं अपने कम्फर्ट जोन के बाहर सबसे अधिक आरामदायक हूं और मैं प्रकृति की प्राकृतिक आवृत्ति के साथ तालमेल बिठाता हूं और मैं खुद को सैटेलाइट डिश एंटीना के रूप में कल्पना करता हूं, जो खुशी और प्यार के कंपन प्राप्त और उत्सर्जित कर रहा है।''

उन्होंने आगे कहा, "यही वह जगह है, जहां मैं वह ऊर्जा पैदा करता हूं, जिसके साथ मैं खुद को घेरना चाहता हूं और घर वापस आना चाहता हूं, अपने जीवन में एक नए अध्याय का अनुभव करने के लिए तैयार हूं, यह पुनर्जन्म है। यह भी साझा करना पसंद करूंगा कि यह एकांत मन के लिए अकल्पनीय है, लेकिन जागरूकता में होने पर ही अनुभव होता है।'' उन्होंने नोट का समापन एक विशेष घोषणा के साथ किया। उन्होंने कहा, ₹मैं अब अपने अगले अध्याय 'क्रैक' के 23 फरवरी, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार और उत्साहित हूं।

'क्रैक' का निर्देशन आदित्य दत्त द्वारा किया जा रहा है, जिन्होंने पहले 2005 में हिमेश रेशमिया अभिनीत रोमांटिक थ्रिलर 'आशिक बनाया आपने' का निर्देशन किया था। यह फिल्म 2019 की एक्शन थ्रिलर, 'कमांडो 3' के बाद विद्युत के साथ आदित्य की दूसरी फिल्म है। फिल्म की टीम ने इससे पहले जानकारी दी थी कि विद्युत फिल्म में विभिन्न प्रकार के खेल स्टंट और एक्शन दृश्यों को अपने दम पर प्रदर्शित करेंगे।

रणवीर सिंह 'ब्रह्मास्त्र 2' का हिस्सा बनेंगे

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट स्टारर 'ब्रह्मास्त्र पार्ट-1' पिछले साल 9 सितंबर को रिलीज हुई थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की थी। अयान मुखर्जी की इस फिल्म में शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण, मौनी रॉय भी नजर आए थे। इस फिल्म की रिलीज के बाद से ही दर्शकों के मन में 'ब्रह्मास्त्र पार्ट-2' को लेकर एक्साइटमेंट है।

ऐसे में अब एक खबर सामने आई है कि फिल्म में रणवीर सिंह 'देव' का किरदार निभाते नजर आएंगे। बता दें, फिल्म में 'देव' रणबीर कपूर के पिता होंगे।

शाहरुख खान का नाम भी सामने आया था

'ब्रह्मास्त्र पार्ट-1 शिवा' के रिलीज के बाद से ही इस फिल्म के पार्ट-2 की खबरें सुर्खियों में थी। फिल्म में 'देव' के किरदार के लिए शाहरुख खान, ऋतिक रोशन का भी नाम सामने आया था। इतना ही नहीं रणबीर कपूर के डबल रोल की भी बात की जा रही थी। लेकिन, हाल ही में अब रणवीर सिंह को इस रोल के लिए कंफर्म किया गया है। हालांकि मेकर्स अभी 'ब्रह्मास्त्र पार्ट-2' की स्क्रिप्ट में व्यस्त हैं। फिल्म की शूटिंग 2025 से शुरू होने की उम्मीद है।

रणवीर 'डॉन 3' और 'बैजु बावरा' में भी नजर आएंगे

रणवीर सिंह डॉन फ्रैन्चाइजी की फिल्म 'डॉन 3' में नजर आएंगे। फरहान अख्तर की डायरेक्शन में बनने वाली यह फिल्म 2025 में रिलीज होगी। इसके अलावा रणवीर संजय लीला भंसाली की फिल्म 'बैजु बावरा' में भी दिखेंगे। इस फिल्म में रणवीर के साथ आलिया भट्ट भी नजर आएंगी।

'रालिया' और 'दीपवीर' पहली बार एक साथ पर्दे पर दिखेंगे

'ब्रह्मास्त्र पार्ट 1' में दीपिका 'अमृता' का किरदार निभाती नजर आई थीं। 'अमृता' फिल्म में 'शिवा' की मां थीं। अब फिल्म में रणवीर सिंह की एंट्री भी कंफर्म कर दी गई है। ऐसे में दिलचस्प बात यह है कि यह पहला अवसर है जब बॉलीवुड के दो ऑफ-स्क्रीन जोड़े- रणबीर कपूर और आलिया भट्ट, रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण एक साथ किसी फिल्म में नजर आएंगे।

इन टिप्स को कर लिया फॉलो, तो बोर्ड एग्जाम में 90% मार्क्स आना तय

जो छात्र अगले साल बोर्ड की परीक्षा में शामिल होने वाले हैं, लेकिन इस समय इस दुविधा में है कि किस प्रकार बोर्ड एग्जाम की तैयारी करें, ताकि कम से कम 90% से अधिक मार्क्स हासिल कर सकें, तो छात्र नीचे बताए गए अहम टिप्स को जरूर फॉलो करें.

देशभर में कक्षा 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं जल्द ही शुरू होने वाली हैं, जिसकी डेटशीट भी राज्यों के बोर्ड द्वारा जल्द ही जारी कर दी जाएगी. ऐसे में छात्रों के लिए सबसे जरूरी है कि वे इस समय पूरी तरह से परीक्षा की तैयारियों पर ध्यान दें. हालांकि, परीक्षा की तैयारी के साथ-साथ छात्रों के लिए मानसिक तैयारी भी जरूरी है. इसलिए हमने छात्रों के लिए नीचे कुछ अहम टिप्स साझा किए हैं, जिन्हें फॉलो कर वे परीक्षा की बेहतर तैयारी कर सकेंगे और साथ ही परीक्षा में करीब 90 प्रतिशत से अधिक अंक भी हासिल कर पाएंगे.

1. सिलेबस कंप्लीट कर रिवीजन पर दें जोर

बोर्ड एग्जाम्स में ज्यादा समय नहीं बचा है. ऐसे में छात्रों के लिए सबसे जरूरी है कि वे जल्द से जल्द अपने सिलेबस को कंप्लीट कर उसकी रिवीजन में जुट जाएं. छात्र कोशिश करें कि वे परीक्षा से पहले सभी टॉपिक को कवर कर लें और साथ ही उनकी कई बार रिवीजन भी कर लें, ताकि परीक्षा में वे हर तरह के सवाल हल सकें.

2. सोशल मीडिया से बनाएं दूरी

इस समय छात्रों के लिए सबसे अहम चीज यह है कि वे सोशल मीडिया से पूरी तरह से दूरी बना लें. सोशल मीडिया इस समय आपको बोर्ड में अच्छे मार्क्स स्कोर करने के टारगेट से भटका देगा. इसलिए छात्रों से अनुरोध है कि वे सोशल मीडिया ही नहीं बल्कि हो सके तो बोर्ड एग्जाम के खत्म होने तक मोबाइल फोन से ही दूरी बना लें.

3. डाइट पर भी दें खास ध्यान

बोर्ड की रिवीजन के साथ-साथ छात्रों को अपनी डाइट का भी खास ख्याल रखना होगा. छात्र परीक्षा की तैयारी के दौरान हल्का भोजन करें. वे चाहें तो बीच-बीच में फल खा सकते हैं, जिससे उनकी हेल्थ भी बनी रहेगी और उन्हें पढ़ाई के समय आलस भी नहीं आएगा.

4. रिवीजन के समय ना करें हड़बड़ी

परीक्षा की तैयारी करते समय आपके मन में कई बार यह सवाल आएगा कि आप कैसे बोर्ड की परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक मार्क्स स्कोर कर सकते हैं. वहीं, यह ख्याल आपको कई बार पैनिक भी कर देगा, लेकिन इसी समय आपको धैर्य दिखाना है. आप मार्क्स के बारे में ना सोचते हुए अभी केवल अपने कॉन्सेप्ट क्लियर करने पर फोकस करें और साथ ही खुश और पॉजिटिव रहें.

5. बेड के बजाय कुर्सी पर बैठ कर करें पढ़ाई

अब सबसे अहम बात, जिसे आपको किसी भी हाल में फॉलो करना है और वो है परीक्षा की तैयारी के समय कुर्सी-टेबल का इस्तेमाल करना. छात्रों से अनुरोध है कि वे कुर्सी पर बैठकर ही पढ़ाई करें. अगर आप बेड पर बैठकर पढेंगे, तो बहुत जल्दी आलस आने लगेगा, जिससे आपकी तैयारी का समय भी काफी बर्बाद होगा. इसलिए पड़ाई के वक्त कुर्सी और टेबल का इस्तेमाल जरूर करें.

धोती पैंट विद अंगरखा टॉप फैशन ट्रेंड बना

अंगरखा एक ट्रेडिशनल ईस है, जो पुराने जमाने में राजा-महाराजा पहना करते थे। लेकिन इन दिनों अंगरखा टॉप फैशन ट्रेंड बना हुआ है। इसे आप मैचिंग करके धोती पेट के साथ पहन सकती है। कॉलेज स्टूडेंट्स में यह काफी पॉपुलर ईस है। बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान भी लाइट कलर की अंगरखा और धोती पेट पहने नजर आ चुकी है।

एक्सेसरीज पंजाबी जूती

अपनी एथनिक धोती पेंट ड्रेस के साथ मैचिंग करके पंजाबी जूती पहन सकती हैं। दाई होल्स या दूसरी किसी

सैंडिल की जगह धोती पेंट पर पंजाची जूती ज्यादा फैशनेबल और स्टाइलिश लगेगी।

ट्रेडिशनल इयरिंग्स

अगर आप एथनिक धोती पेट ईस पहन रही हैं तो उसके साथ आप मैचिंग ट्रेडिशनल बिग साइज इयरिम्स पहनें।

लॉन्ग स्ट्रैप बैग

धोती पेंट ड्रेस पहनकर आप किसी सादी पार्टी

में जा रही हैं तो पैसे और कुछ जरूरी मेकअप का सामान रखने के लिए आप लॉन्ग स्ट्रैप स्माल बैग कैरी कर सकती हैं। लॉन्ग स्ट्रैप बैग आपको अच्छा लुक देगा।

नए रंग-रूप में धोती पैंट

धो की का फी पहले से भा र ती य संस्कृति

का हिस्सा रही है। इ से पु रु षों के परिधान के रूम में जाना जाता है। आधुनिकता की दौड़ में यह परिधान लुप्त तो नहीं हुए। पुरुष किसी खास मौके पर इसे पहन लेते हैं। आज के समय में यह प रि धा न नए रंग-रूप में फिर से लौटे हैं। अब यह केवल पुरुषों तक सीमित नहीं रहे। महिलाएं भी इसे पहनना पसंद कर रही हैं। नए दौर में महिलाएं, इसे पेंट, लैगिंग्स और ट्राउजर की तरह इस्तेमाल कर रही हैं। आज हम आपको बता रहे हैं कि फैशन ट्रेंड बनी धोती पेंट को आप किस तरह से कैरी कर सकती हैं।

धोती पैंट विद क्रॉप टॉप

आप कुछ नया ट्राई करना चाहती हैं जो आपको ट्रेडिशनल के साथ वैस्टर्न लुक दे तो आपके लिए धोती पेंट विद क्रॉप टॉप एक अच्छा विकल्प है। मार्कीट में सिंपल से लेकर कढ़ाई, जरी और शीशे का काम किए हुए

विभिन्न वै रा इ टी औ र स्टाइल की धोती पेंट मौजूद हैं, जिन्हें आप अपनी मैचिंग क्रॉप टॉप के साथ कैरी कर सकती हैं।

हैवी वर्फ की शादी पार्टी में पहनी जाती है। इसके अलावा सिंपल धोती पेंट को लड़कियां और महिलाएं कॉलेज और ऑफिस में भी कैरी कर 18 धोती पेंट विद कुर्तीआप अपनी सिंपल कुर्ती को नई लुक देना चाहती हैं

ती उसे लेगिन्स और जॉस पर पहनने की जगह धोती पेंट के साथ ट्राई करें। आप चाहें तो कुर्ती के साथ धोती पेंट से मीचिंग करता दुपट्टा, स्टॉल या फिर अग भी कैरी कर सकती हैं।

धोती पैंट विद कपतान

लुज-फिट और कंफर्ट की वजह से आजकल कफ्तान महिलाओं की पहली पसंद बना हुआ है। कफ्तान को नया लुक देने के लिए आप इसे धोती पेट के साथ पहन सकतीहैं।

बॉलीवुड की कई हसिनाएं यह ईस फेरी क्रिएट स्पॉट हो चुकी यह देखने में तो लगेगा ही, कंफर्ट के मामले में भी बढ़िया रहेगा।

धोती पैंट विद जैकेट

धोती पेंट सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं रही। अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचना बना चुकी है। हाल ही में बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा भीती पेंट विद ओपन जैकेट पहने नजर आई थीं।उनकी इस ड्रेस की काफी तारीफ हुई थी। चाहें तो आप भी धोती पेंट के साथ जैकेट पहन सकती हैं।

सीबीएसई एग्जाम्स की कर रहे हैं तैयारी तो आपके बहुत काम के हैं शानदार स्टडी हैक्स

सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं के लिए सबसे जरूरी बात है कि आप अपने सिलेबस को अच्छी तरह से समझें. अपने सिलेबस को समझने के लिए, आप अपने टीचर्स से बात कर सकते हैं, ऑनलाइन रिसोर्सेस का उपयोग कर सकते हैं या पिछले सालों के पेपर का एनालिसिस कर सकते हैं.

एक प्लान बनाएं और उस पर टिके रहें

एक प्लान बनाना आपकी तैयारी को सुव्यवस्थित करने का एक शानदार तरीका है. अपनी प्लान में, आप अपने सिलेबस को कवर करने के लिए एक समय सीमा निर्धारित कर सकते हैं. आप अपनी प्लानिंग में रिवीजन के लिए भी टाइम अलॉट कर सकते हैं.

नियमित रूप से रिवीजन करें

नियमित रूप से रिवीजन करने से आपको चीजें याद रखने में मदद मिलेगी. आप अपने टीचर्स

से रिवीजन के लिए क्लास बुक कर सकते हैं या अपने दोस्तों के साथ ग्रुप स्टडी कर सकते हैं.

मॉडल पेपर हल करें

मॉडल पेपर हल करने से आपको परीक्षा के पैटर्न और समय मैनेज की आदत डालने में मदद मिलेगी. आप अपने शिक्षकों से मॉडल पेपर प्राप्त कर सकते हैं या ऑनलाइन रिसोर्सेस का उपयोग कर सकते हैं.

अपनी पढ़ाई के लिए एक आरामदायक जगह बनाएं

अपनी पढ़ाई के लिए एक आरामदायक जगह बनाना जरूरी है. यह जगह ऐसी होनी चाहिए जहां आप फोकस कर सकें और विचलित न हों.

हेल्दी खाना और पूरी नींद लें

हेल्दी खाना और पूरी नींद लेने से आपको मानसिक रूप से एक्टिव रहने में मदद मिलेगी. परीक्षाओं की तैयारी के दौरान, सुनिश्चित करें कि आप ताजे फल, सब्जियां और साबुत अनाज खा रहे हैं. साथ ही, हर रात कम से कम 7-8 घंटे की नींद लें.

अपने टीचर्स से मदद लें

अगर आपको किसी सब्जेक्ट में समझ में नहीं आ रहा है, तो अपने टीचर्स से हेल्प लें. वे आपकी मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं.

अपने दोस्तों के साथ पढ़ाई करें

अपने दोस्तों के साथ पढ़ाई करना एक मजेदार और प्रॉडक्ट तरीका हो सकता है. आप एक-दूसरे को सवालों के जवाब दे सकते हैं और एक-दूसरे को प्रोत्साहित कर सकते हैं.

स्ट्रेस कम करें

स्ट्रेस आपकी पढ़ाई में बाधा डाल सकता है. तनाव कम करने के लिए, नियमित रूप से व्यायाम करें, योग करें या प्राणायाम करें.

सेल्फ मोटिवेट रखें

अगर आप तैयार हैं, तो आपको सेल्फ मोटिवेट होना चाहिए. परीक्षा के दिन, अपने आप को बताएं कि आप कर सकते हैं.

बैंक में जॉब करने की है ख्वाहिश तो फौरन कर दें अप्लाई, बिना परीक्षा दिए पाएं सरकारी नौकरी

आजकल ज्यादातर युवा सरकारी नौकरी की ख्वाहिश रखते हैं. इसमें भी बैंक में नौकरी की चाहते रखने वालों का संख्या कुछ ज्यादा है. इसके लिए बहुत मुश्किल परीक्षा पास करनी पड़ती है. ऐसे में युवाओं के पास बेहतरीन मौका है, जिसे हाथ से नहीं जाने देना चाहिए. यूको बैंक ने एक भर्ती नोटिफिकेशन जारी किया है. इसके अनुसार बैंक में स्पेशलिस्ट ऑफिसर के खाली पदों को भरा जाना है.

आवेदन की आखिरी तारीख

इच्छुक और पात्र कैंडिडेट्स ध्यान रखें कि इस भर्ती अभियान के तहत ऑफलाइन मोड में आवेदन मांगे गए है. एप्लीकेशन फॉर्म को भरकर जमा करने की लास्ट डेट 27 दिसंबर 2023 है.

ऐसे में समय रहते उम्मीदवार आवेदन फॉर्म को भरकर तय पते पर भेज दें.

कुल रिक्त पदों का संख्या

यूको बैंक इस भर्ती अभियान के माध्यम से स्पेशलिस्ट ऑफिसर के कुल 127 पदों पर नियुक्तियां करने जा रहा है. ऑफिशियल नोटिफिकेशन के मुताबिक ये नियुक्तियां कांटेक्ट बेसिस पर की जाएंगी.

सिलेक्शन प्रोसेस

यूको बैंक की इस भर्ती के तहत इन पदों पर चयन के लिए कैंडिडेट्स उनकी को शैक्षिक योग्यता के अनुसार शॉर्टलिस्ट किया जाएगा. इसके बाद शॉर्टलिस्टेट उम्मीदवारों को इंटरव्यू और आगे की प्रक्रिया के लिए आमंत्रित किया जाएगा.

आवेदन शुल्क

इस भर्ती अभियान तहत आवेदन करने वाले सामान्य, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्ग उम्मीदवारों को आवेदन शुल्क के तौर पर 800 रुपये देना होगा. जबकि, एससी, एसटी और पीडब्ल्यूडी वर्ग के उम्मीदवार को शुल्क भुगतान में छूट दी गई है.

इस पते पर भेजें आवेदन

आवेदन करने के लिए पत्र को अभ्यर्थियों को महाप्रबंधक, यूको बैंक, प्रधान कार्यालय, चौथी मंजिल, एच. आर. एम. विभाग, 10, बीटीएम सारणी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल - 700 001 के पते पर भेजना होगा.

रेलवे में कैसे मिलती है नौकरी? ये हैं एग्जाम और एलिजिबिलिटी की जरूरतें

नोटिफिकेशन अक्सर पोस्ट करते रहते हैं. सबसे लेटेस्ट नोटिफिकेशन के लिए उम्मीदवारों को आधिकारिक वेबसाइट पर जाना चाहिए. आप इस पोस्ट में ग्रेजुएशन के बाद रेलवे की नौकरियों, भर्ती के लेवल, सैलरी, शुरुआती वेतन और अन्य फेक्टर्स के बारे में जानकारी पा सकते हैं.

देश की नींव भारतीय रेलवे है, जो देश भर में 12 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार देती है. यह उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम को जोड़ता है और दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क है. सरकारी रोजगार परीक्षाओं के लिए पढ़ाई करने वाले बहुत से लोग भारतीय रेलवे में काम करने की इच्छा रखते हैं. भारतीय रेलवे में काम करने की इच्छा रखने वालों के लिए यह करियर का सबसे अच्छा रास्ता है.

कैंडिडेट्स को ग्रेजुएशन लेवल की पढ़ाई के बाद उनके लिए उपलब्ध रेलवे पदों के बारे में जानकारी और टेस्ट के लिए स्टडी शेड्यूल, जो पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए खुले हैं, के बारे में जानकारी पढ़नी चाहिए.

आरआरबी ग्रुप ए

ग्रुप A के पदों के लिए उम्मीदवारों का चयन करने के लिए परीक्षा का उपयोग किया जाता है. ग्रुप-ए पदों के लिए पात्र होने के लिए, कैंडिडेट्स को यूपीएससी परीक्षा देनी होगी. एक इंटरव्यू, मेन्स परीक्षा और प्री सभी संघ लोक सेवा आयोग चयन प्रक्रिया का हिस्सा हैं. इस कैटेगरी के अंतर्गत टेक्निकल और नॉन टेक्निकल दोनों की पेशकश की जाती है. इस कैटेगरी के लिए सिविल सेवा परीक्षा, इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा और कंबाइंड मेडिकल सर्विस एग्जाम आयोजित किए जाते हैं.

आरआरबी ग्रुप B

रेलवे भर्ती बोर्ड ग्रुप-बी पदों के लिए परीक्षा आयोजित नहीं करता है. ग्रुप बी पदों के लिए केवल प्रमोशन होता है.

आरआरबी ग्रुप C

रेलवे भर्ती बोर्ड ग्रुप सी (आरआरबी) के लिए भर्ती आयोजित करता है. ग्रुप सी पदों के लिए आवेदन जमा करने के लिए उम्मीदवारों को बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा. आधिकारिक वेबसाइट भर्ती घोषणाओं को पोस्ट करती है.

आरआरबी ग्रुप D

रेलवे रिक्रूटमेंट सेल (आरआरसी) मंडल लेवल पर ग्रुप डी के लिए हायरिंग का काम संभालता है. इस ग्रुप में शूटर, सफाईवाला, ट्रैकमैन, चपरासी और ट्रैकर जैसे पद शामिल हैं. नॉन-ट्रेडिशनल या डिस्टेंस एजुकेशन के माध्यम से अपनी डिग्री पूरी करने वाले कैंडिडेट्स के लिए इसके बारे में जानकारी यहां दी गई है.

उम्मीदवार की आयु 1 जुलाई को 18 साल से कम नहीं होनी चाहिए, जिस साल उन्हें कोर्स (ग्रेजुएशन) में प्रवेश दिया जाता है.

उम्मीदवार को किसी मान्यता प्राप्त संस्थान या मुक्त विश्वविद्यालय से 3 साल के डिग्री प्रोग्राम में नामांकित होना चाहिए. उम्मीदवार के लिए मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं क्लास पास होना जरूरी है.

डीआरडीओ में निकलीं नौकरी, बीए पास भी कर सकते हैं अप्लाई

रक्षा मंत्रालय के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के तहत सेपटम प्रोजेक्ट स्टोर ऑफिसर, प्रोजेक्ट सीनियर एडमिन असिस्टेंट और प्रोजेक्ट एडमिन असिस्टेंट समेत अलग अळग पदों पर भर्ती कर रहा है. संगठन ने रोजगार समाचार 2023 में डिटेल भर्ती नोटिफिकेशन जारी किया है, जिसके लिए इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 15 दिसंबर, 2023 तक या उससे पहले drdo.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं.

चयन प्रक्रिया के तहत, तय तारीख के भीतर मिले सभी आवेदनों की जांच की जाएगी और आगे के सिलेक्शन के लिए शॉर्टलिस्ट किया जाएगा और केवल शॉर्ट-लिस्ट किए गए कैंडिडेट्स को 1:5 के अनुपात में इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा. उम्मीदवारों का फाइनल सिलेक्शन पूरी तरह से इंटरव्यू में कैंडिडेट्स द्वारा प्राप्त नंबरों की योग्यता के आधार पर

होगा.

प्रोजेक्ट स्टोर ऑफिसर-01 प्रोजेक्ट सीनियर एडमिन असिस्टेंट-05 प्रोजेक्ट एडमिन असिस्टेंट-05

मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन की डिग्री (बी.ए/बी.कॉम/बी.एससी./बीसीए).

प्रोजेक्ट स्टोर ऑफिसर (पीएसओ) के लिए: 50 साल से अधिक नहीं , प्रोजेक्ट सीनियर एडमिन असिस्टेंट (पीएसएए) के लिए: 45 साल से अधिक नहीं,प्रोजेक्ट एडमिन असिस्टेंट (पीएए) के लिए: 35 साल से अधिक नहीं।

स्टेप 1: आधिकारिक वेबसाइट- https://www.drdo.gov.in पर जाएं.

स्टेप 2: होमपेज पर डीआरडीओ भर्ती 2023 लिंक पर क्लिक करें.

स्टेप 3: अब सभी अपेक्षित प्रमाणपत्र/संबंधित डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें.

स्टेप 4: उसके बाद, अपेक्षित फीस का भुगतान करें.

स्टेप 5: अब नोटिफिकेशन में दिए गए दिशानिर्देशों का पालन करें.

स्टेप 6: कृपया भविष्य के संदर्भ के लिए उसका प्रिंटआउट अपने पास रखें.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज लांच करेंगे भारत को विकसित देश बनाने की योजना

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत एक तेजी से बढ़ता हुआ विकासशील देश है।विकसित देश बनने की दौड़ में भारत सबसे आगे निकल चुका है।जल्द ही भारतीय इकोनॉमी भी पांच ट्रिलियन डॉलर को छू जाएगी और हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे।विकसित देश बनने का लक्ष्य कैसे हासिल करना है।इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को विकसित भारत 2047 योजना को लांच करने वाले हैं।इसके तहत आजादी के 100 वर्ष पूरे होने पर भारत को विकसित देश बनाया जाना है।

युवाओं को दिखाया जाएगा विकास का रास्ता

विकसित भारत का लक्ष्य युवाओं को वो रास्ते दिखाना होगा, जिन पर चलकर हमारा देश विकासशील होने का तमगा फेंककर दुनिया के चुनिंदा विकसित देशों में गिना जाने लगेगा।पीएम मोदी अपने प्लान को सारे देश के युवाओं के समक्ष रखेंगे और उनसे भी आइडिया मांगे जाएंगे।

पीएम मोदी विकसित भारत के लिए विजन डॉक्यूमेंट पेश करेंगे.

सभी राज भवनों में आयोजित होगी वर्कशॉप

विकसित भारत 2047 वर्कशॉप देश के सभी राजभवनों में सुबह 10.30 बजे आयोजित होगी।इसमें सभी विश्वविद्यालयों के वाईस चांसलर और कई संस्थाओं के प्रमुख हिस्सा लेंगे।

इसे 'विकसित भारत 2047 : वॉइस ऑफ यूथ' का नाम दिया गया है।यह कार्यक्रम वीडियो कांफ्रेंस के जरिए आयोजित किया जाएगा।इसके साथ ही विकसित भारत प्रोग्राम की शुरुआत हो जाएगी।

युवाओं को मिलेगा नया मंच

प्रधानमंत्री मोदी का विजन है कि देश के युवाओं को सक्रियता से इस कार्यक्रम से जोड़ा जाए। विकसित भारत 2047 के मिशन में युवाओं की भागीदारी राष्ट्रीय कार्यक्रमों, प्राथमिकताओं और लक्ष्य निर्धारण में की जाए।यह मिशन युवाओं को अपने नए-नए आइडिया रखने का मंच भी प्रदान करेगा क्योंकि उनके योगदान से ही इस मिशन को सफल बनाया जा सकेगा। विकसित भारत 2047 मिशन के तहत आर्थिक वृद्धि, सामाजिक तरक्की, पर्यावरण संरक्षण एवं संतुलन और गुड गवर्नेंस जैसे लक्ष्यों को हासिल करने पर चर्चा होगी.फिलहाल दुनिया में चंद देश ही विकसित होने उपलब्धि हासिल कर पाए हैं।

31 दिसंबर तक डीमैट अकाउंट में ऐड करें नॉमिनी

नहीं तो अकाउंट हो सकता है फ्रीज

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने डीमैट अकाउंट और म्यूचुअल फंड अकाउंट से नॉमिनी जोड़ने के लिए 31 दिसंबर तक का समय दिया है। अगर आपने अभी तक डीमैट अकाउंट में नॉमिनी ऐड नहीं किया है तो नई डेडलाइन तक जरूर करा लें, नहीं तो आपका अकाउंट फ्रीज हो सकता है। यानी अकाउंट बंद नहीं होगा, लेकिन उसमें से आप कोई रकम नहीं निकाल सकेंगे।

नॉमिनेशन करना क्यों जरूरी ?

अगर आपने अभी तक डीमैट अकाउंट में नॉमिनी ऐड नहीं किया है तो नई डेडलाइन तक जरूर करा लें, नहीं तो आपका अकाउंट फ्रीज हो सकता है। यानी अकाउंट बंद नहीं होगा, लेकिन उसमें से आप कोई रकम नहीं निकाल सकेंगे।

क्या है सेबी का नियम

सेबी के इस कदम का उद्देश्य निवेशकों को उनके एसेट्स सिक्योर करने और उन्हें उनके कानूनी उत्तराधिकारियों को सौंपने में मदद करना है। सेबी के नियम के तहत नॉमिनेशन करने का आदेश नए और मौजूदा निवेशकों पर लागू होता है। इसमें नए निवेशकों को ट्रेडिंग और डीमैट खाते खोलते समय या तो अपनी सिक्योरिटीज को नामांकित करना होगा या औपचारिक रूप से एक डिक्लियरेशन के माध्यम से नामिनेशन से बाहर निकलना होगा।

नॉमिनी का मतलब क्या ?

नॉमिनी का मतलब वह व्यक्ति है, जिनका नाम बैंक खाते, निवेश या बीमा में नॉमिनी के तौर पर जुड़ा होता है और संबंधित व्यक्ति के अचानक निधन पर वह निवेश राशि क्लेम करने का हकदार होता है। मृत्यु के बाद नॉमिनी पैसों को क्लेम करेगा, लेकिन राशि नॉमिनी को तभी मिलेगी, जब उसमें कोई विवाद न हो।

चीन के लहसुन से महाबली अमेरिका में खलबली

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया की दो सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्तियों अमेरिका और चीन के बीच पिछले कुछ समय से घमासान चल रहा है। दोनों देशों के बीच एकदूसरे की कंपनियों पर तरह-तरह की पाबंदियां लगाने की होड़ चल रही है। इस बीच अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को चीन के लहसुन से खतरा पैदा हो गया है। अमेरिका के एक सीनेटर ने सरकार से चीन से आयात होने वाले लहसुन से राष्ट्रीय सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभाव की जांच कराने की मांग की है। रिपब्लिकन सीनेटर रिक स्कॉट ने इस बारे में कॉमर्स मिनिस्टर को एक चिट्ठी लिखी है। उनका कहना है कि चीन के लहसुन का इस्तेमाल सेफ नहीं है क्योंकि इसे उत्पादन की प्रक्रिया साफ-सुथरी नहीं है। चीन दुनिया में लहसुन का सबसे बड़ा निर्यातक है जबकि अमेरिका इसके बड़ा उपभोक्ता है। लेकिन हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच ट्रेड वॉर चल रहा है। अमेरिका ने चीन पर आरोप लगाया है कि वह अपनी लहसुन को लागत से कम कीमत पर अमेरिकी बाजार में डंप कर रहा है। 1990 के दशक से ही अमेरिका ने अपने किसानों को बचाने के लिए चीन के आयात पर भारी टैक्स लगा रखा है। 2019 में डॉनल्ड ट्रंप के कार्यकाल के दौरान इस टैरिफ को और बढ़ा दिया गया था। अपनी चिट्ठी में सीनेटर स्कॉट ने कहा

है कि चीन के लहसुन से लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर हो सकता है।

क्यों है जांच की जरूरत

उन्होंने कहा कि कई ऑनलाइन वीडियो, कुकिंग ब्लॉग्स और डॉक्यूमेंट्रीज में दिखाया गया है कि चीन में लहसुन कैसे उगाया जाता है। कई बात को इसे सीवेज में उगाया जाता है। स्कॉट ने डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स से इस बारे में सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि चीन से आने वाले हर तरह के लहसुन की गहराई से जांच करने की जरूरत है। फूड सेफ्टी एंड सिक्योरिटी एक ऐसी एमरजेंसी है जिससे हमारी नेशनल सिक्योरिटी, पब्लिक हेल्थ और आर्थिक सुरक्षा को खतरा है।

आज कैसी रहेगी बाजार की चाल ? क्या जारी रहेगी तेजी

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजार में पिछले सप्ताह बंपर तेजी देखने को मिली थी। बीते शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष के लिए वृद्धि अनुमान बढ़ाने और नीतिगत दरों को अपरिवर्तित रखने के रिजर्व बैंक के फैसले से बैंकिंग एवं अन्य शेयरों में जमकर लिवाली हुई थी। इस तेजी के बीच घरेलू शेयर बाजार के दोनों मानक सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी अपने नए उच्चस्तर पर बंद हुए थे। बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 303.91 अंक यानी 0.44 प्रतिशत बढ़कर 69,825.60 अंक के अपने नए शिखर पर पहुंच गया था। सूचकांक दिन में कारोबार के दौरान नए रिकॉर्ड स्तर 69,893.80 अंक तक भी गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 68.25 अंक यानी 0.33 प्रतिशत चढ़कर 20,969.40 अंक की नए रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से एचसीएल टेक में सर्वाधिक 2.69 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई थी। जेएसडब्ल्यू स्टील (2.44 प्रतिशत) और इन्फोसिस (1.67 प्रतिशत) भी खासी बढ़त में रहे थे। एचडीएफसी बैंक, टाइटन, एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी चढ़कर बंद हुए थे। दूसरी तरफ आईटीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बजाज फाइनेंस के शेयरों में गिरावट का रुख रहा था। जुलाई-सितंबर तिमाही में उम्मीद से अधिक 7.6 प्रतिशत वृद्धि के बाद केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि के अनुमान को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया। इस तरह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत की स्थिति बरकरार है। शेयर बाजार में मार्केट पार्टिसिपेंट्स की नजर एफओएमसी की बैठक के नतीजों से पहले 12 दिसंबर को जारी होने वाले अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर रहेगी। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, नवंबर में मुद्रास्फीति और मुख्य मुद्रास्फीति के क्रमशः 3.2 फीसदी और 4 फीसदी पर स्थिर रहने की उम्मीद है। वहीं यूरोपीय सेंट्रल बैंक और बैंक ऑफ इंग्लैंड अगले सप्ताह 14 दिसंबर को ब्याज दर पर अपने फैसले की घोषणा करेंगे। यह दर 4.5 प्रतिशत और 5.25 फीसदी पर अपरिवर्तित रहने की उम्मीद है।

ये फैक्टर भी रहेंगे अहम

दिसंबर के लिए मैन्युफैक्चरिंग और सर्विसेज पीएमआई का डेटा भी अमेरिका, यूरोप, जापान और यूके सहित प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं द्वारा जारी किया जाएगा।

इन आंकड़ों पर भी मार्केट पार्टिसिपेंट्स की नजर रहेगी।

फिक्की के अध्यक्ष बनने वाले अनीश शाह हैं कौन

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। वाणिज्य एवं उद्योग जगत की देश की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी संस्था फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) को तो जानते ही होंगे। इसके नए अध्यक्ष डा. अनीश शाह को बनाया गया है। उन्हें साल 2023-24 के लिएअध्यक्ष चुना गया है। उन्होंने संगठन के 96वें एनुअल कन्वेंशन में अपना पदभार संभाल लिया है। शाह ने सुभ्रकांत पंडा का स्थान लिया है, जिनका पिछले दिनों कार्यकाल समाप्त हो गया। अनीश शाह महिंद्रा ग्रुप के सीईओ और ग्रुप की मूल कंपनी एमएंडएम के प्रबंध निदेशक हैं। महिंद्रा ग्रुप में इस समय 2,60,000 से कर्मचारी काम करते हैं। इसका कारोबार दुनिया के 100 से भी ज्यादा देशों में चलता है। यह कंपनी फार्म इक्विपमेंट, टेक्नोलोजी सर्विस और देश की सबसे बड़ी एसयूवी भी बनाती है। फिक्की के मुताबिक अनीश शाह का फोकस हर-एक उद्योग में तकनीकी नेतृत्व की स्थापना करने के साथ संगठन को आगे बढ़ाने और व्यवसायों में वैल्यू क्रिएशन पर रहेगा। अनीश शाह ने कार्नेगी मेलॉन टेपर स्कूल ऑफ बिजनेस से पीएचडी की है। इसके बाद अहमदाबाद

के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट से पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा किया है। फिक्की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के पदाधिकारी होने के अलावा, डॉ. शाह यूके इन्वेस्टमेंट काउंसिल के सदस्य, ऑटोमोटिव गवर्नर्स काउंसिल (विश्व आर्थिक मंच) के अध्यक्ष, जलवायु परिवर्तन के लिए सीईओ के भारत गठबंधन के सह-अध्यक्ष भी हैं। इसी के साथ वह विश्व आर्थिक मंच और भारत-ऑस्ट्रेलिया सीईओ परिषद के सह-अध्यक्ष भी हैं। महिंद्रा समूह से पहले, डॉ. अनीश शाह 2009-14 तक जीई कैपिटल इंडिया के अध्यक्ष और सीईओ थे, जहां उन्होंने व्यवसाय के परिवर्तन का नेतृत्व किया था। जीई में उनका करियर 14 साल का रहा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला में	वृश्चिक.	04-49 बजे
चंद्र-	वृश्चिक में	धनु.....	07-02 बजे
मंगल	तुला में	मकर..	09-08 बजे
बुध-	धनु में	कुंभ...	11-00 बजे
गुरु-	मेष में	मीन --	12-36 बजे
शुक्र-	तुला में	मेष--	14-13 बजे
शनि-	कुंभ में	वृष--	15-58 बजे
राहु-	मीन में	मिथुन..	17-58 बजे
केतु-	कन्या में	कर्क...	20-10 बजे
		सिंह...	22-23 बजे
		कन्या..	00-29 बजे
		तुला.....	02-38 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945**, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् **-2550**,हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - 06-39 सूर्यास्त - 17-38
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी - **07 -10** - तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष , सोमवार **11 December**
नक्षत्र - विशाखा - **12- 13** - तक उपरान्त अनुराधा
योग - सुकर्मा - **20 - 58**- तक उपरान्त धृति
करण- वणिज - **07 -10** - तक उप- विष्टि
विशेष:- मास शिवरात्रि
व्रत -त्योहार - भद्रा काल-**18-53** तक

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 08:00 से 09:23 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	06:39 - 08:00 शुभ	चंचल	17:38 - 19:18 शुभ
काल	08:00 - 09:23 अशुभ	रोग	19:18 - 20:55 अशुभ
शुभ	09:23 - 10:46 शुभ	काल	20:55 - 22:32 अशुभ
रोग	10:46 - 12:09 अशुभ	लाभ	22:32 - 24:09 शुभ
उत्पात	12:09 - 13:32 अशुभ	उत्पात	24:09 - 01:47 अशुभ
चंचल	13:32 - 14:55 शुभ	शुभ	01:47 - 03:24 शुभ
लाभ	14:55 - 16:18 शुभ	अमृत.	03:24 - 05:01 शुभ
अमृत	16:18 - 17:38 शुभ	चंचल.	05:01 - 06:39 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज दिनभर आपका मूड बदलता रहेगा लेकिन आपका भाग्य आपके साथ है ,इसका एक नुक्सान यह है कि आप भाग्य के भरोसे पर अधिक रह सकते हैं । इस बात का ध्यान रखें कि इसके कारण परियोजनाओं की तैयारी में कोई कमी ना रहे । वित्तीय फायदे तो होंगे किन्तु अनावश्यक खर्च ना करें । वित्तीय लाभ का यह सिलसिला अधिक समय तक नही चलेगा ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आपकी शांतिपूर्ण मन स्थिति में औरों के सवालों से बाधा पहुचेगी । वे सब यह जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं कि आपकी निजी और व्यव्सायिक जिंदगी में क्या चल रहा है । आपके किसी करीबी ने ही उन लोगों तक आपकी भविष्य की योजनाओं की जानकारी पहुचाई है लेकिन आप इन सबकी उपेक्षा कर दें और केवल अपने काम पर ध्यान दें ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा और बहुत से लोग आपको आपकी दयनीय स्थिति से निकालने के लिए हाथ बढ़ाएंगे ।लेकिन आप इस स्थिति में किसी और की गलती की वजह से फंसे हैं,अबकी बार ऐसे लोगों से सावधान रहें । आज आपको अपनी जीत का जश्न मनाना चाहिए । आपका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों ही बहुत अच्छी स्थिति में हैं।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आपके दिमाग में आज कोई अद्भुत विचार आएगा और आपको इसे हाथोहाथ केवल इसीलिए रद्द नही क्र देना चाहिए क्योंकि आपको इसका हो पाना मुश्किल लग रहा है । आज बड़ा सोचने और ऊँचाइयों को छूने का दिन है । ऐसा करने के लिए आपको बाधाओं की सूची बनाकर अच्छी योजना बनानी अहि और आप पायेंगे कि परेशानियों से खुद-ब-खुद समाधान नजर आने लगेंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आप आज कल्पनात्मक रहेंगे । कार्यस्थल की ओर से किसी अन्य स्थान की यात्रा का मौका मिल सकता है । आपकी रोमांटिक प्रवृति उजागर होगी । अपने आपको थोड़ी ढील देने का दिन है ,लेकिन काम में व्यवहारिकता भी दिखानी होगी । साथियों के साथ अच्छे मूड में रहेंगे । अपनी मेल देख लें,कोई महत्वपूर्ण मेल आपकी प्रतीक्षा कर रही है ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आलस के कारण अपने दिन को बिगड़ने न दें । अपनी प्राक्रतिक रचनात्मक ऊर्जा को बाहर निकालें और फिर आपका दिन आराम से अच्छा जायेगा । आपको अपने स्वास्थ्य और अपने निजी जीवन में भी व्यवस्था को बहल करने की आवश्यकता है । विकर्षित करने वाली चीजों पर ध्यान ना दें और वही कार्य पूरी एकाग्रता से करें जो आपके लिए लाभकारी हों ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आप आज सकारात्मक उर्जा से भरे हुए हैं । हालाँकि आपका उद्देश्य अच्छा है परन्तु आपकी बातों का हर स्थान पर स्वागत नही होगा । आपको अपनी प्रवृति का उपयोग अपने आप को ख़ुशी देने के लिए भी करना चाहिए और आज आप अपने ऊपर अच्छी खासी रकम खर्च कर सकते हैं । जहां तक दूसरों के बारे में आपकी राय का सवाल है ,अपने ऊपर थोडा सा नियंत्रण रखें ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज फैसला लेने का दिन है ।आप पिछले सप्ताह से कई चीजों के बारे में चिंता कर रहें हैं । आज कोई ऐसा फैसला लेना पड़ सकता है जो शुरू में काफी कठोर लगे ।लेकिन आपको इस बारे में अपने दिल की सुननी चाहिए ।ये सोचना है कि अब मुझे क्या करना चाहिए? ये नही कि मुझे क्या करना होगा?अपने दिल की बात सुनें,इससे आपको लाभ होगा ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज आप नम्र रहेंगे और दूसरों की स्वार्थरहित सेवा करेंगे । दूसरों को संतुष्ट करने के लिए अपना समय ,स्थान ,पैसा और यह तक कि अपना भोजन भी लगायेंगे । लोग आपकी इसके लिए तारीफ करेंगे ,लेकिन अपनी सीमायें निर्धारित करें । अपने बच्चों पर भी ध्यान दें,उन्हें कोई संकर्मण हो सकता है ।घर पर रहें और घर का स्वच्छ भोजन करें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज आप अधिकार जताने के मूड में हैं । आप सबसे आगे रहकर अपना अधिकार जताना चाहते हैं । इस बारे में सावधान रहें कि आपको अभिमानी न समझा जाए ।आप न चाहते हुए भी किसी को परेशान कर सकते हैं । अगर आपको लगता भी है कि आप सब जानते हैं और सबसे बेहतर कर सकते हैं तब भी कार्य में औरों का सहयोग लेने की कोशिश करें ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज का दिन भावनात्मक रहेगा । आपको अपने अंतरतम की भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थिति भी आ सकती है आप को इससे थोडा सा डर रहेगा क्योंकि आपने इससे पहले ऐसा कभी नही किया है । लेकिन अगर आप ऐसा करेंगे तो आपको भावनात्मक संतुष्टि मिलेगी ।आपका कोई करीबी भी आज भावनाओं में बहकर बात करेगा लेकिन आपको जमीन से जुड़े रहकर उपयुक्त प्रतिक्रिया देनी है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज आप बहुत साहसिक अनुभव कर रहे हैं और अपना रास्ता खुद बनाने के लिए तैयार हैं । आप अपनी इच्छाशक्ति से सब मुश्किलों पर विजय प्राप्त कर लेंगे । आज आपकी तरक्की को कोई नही रोक सकता ।इसीलिए अपने सभी मुश्किल काम आज करने की योजना बनाएं,सफलता आपके कदम चूमेगी ।

पं ।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

विदेशी निवेशक बना सकते हैं रिकॉर्ड

अब तक 1.57 लाख करोड़ रुपये के खरीदे शेयर

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। विदेशी संस्थागत निवेशक यानी एफआईआई चालू वित्त वर्ष में भारतीय शेयर बाजार में निवेश का नया रिकॉर्ड बना सकते हैं। इन्होंने अप्रैल से अब तक कुल 1.57 लाख करोड़ के शेयर खरीदे हैं, जबकि अभी करीब चार महीने का समय बाकी है।

इससे पहले अब तक का सर्वाधिक निवेश का रिकॉर्ड 2020-21 में रहा है। उस समय कोरोना में बाजार की गिरावट में इन निवेशकों ने 2.74 लाख करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे। दिसंबर में इनकी तेज वापसी से एनएसई का निफ्टी भी बृहस्पतिवार को 21,000 के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गया। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लि. (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, एफआईआई ने अब तक जिन वित्त वर्षों में एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के शेयर खरीदे हैं, उनमें 2010-11 में 1.10 लाख करोड़, 2012-13 में 1.40 लाख करोड़ और 2014-15 में 1.11 लाख करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे।

दिसंबर में 26,000 करोड़ से ज्यादा निवेश

एफआईआई ने इस पूरे कैलेंडर साल में अब तक 1.31 लाख करोड़ रुपये का निवेश शेयर बाजार में किया है। इसमें सबसे ज्यादा मई में 43,838 करोड़, जून में 47,148 करोड़ और जुलाई में 46,618 करोड़ रुपये का निवेश किया है। दिसंबर में अब तक 26,505 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं। ऐसे में अनुमान है कि इस महीने में निवेश का नया रिकॉर्ड ये निवेशक बना सकते हैं। इक्विटी के साथ ही इस साल अब तक डेट बाजार में 55,867 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है।

प्लेन टिकट में भी आ सकती है एमएसपी

नहीं बढ़ा सकेंगे मनमाना किराया, सिंधिया से की गई मांग

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। हवाई किराए में हो लगातार हो रही बढ़ोतरी से जल्द निजात मिल सकती है।सीटों की उपलब्धता के आधार पर लगातार बढ़ने वाले सिस्टम को खत्म कर इसमें भी एमएसपी लाई जा सकती है।

इसकी मदद से एयरलाइंस के किराया सिस्टम को कंट्रोल में लाया जा सकेगा।सिविल एविएशन मिनिस्टर ज्योतिरादित्य सिंधिया से हवाई टिकट पर एमएसपी की मांग की गई है।कंफेडरशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने एयरलाइंस द्वारा वसूले जा रहे हवाई किराया टैरिफ पर चिंता जताई है।

कैट ने कहा कि ग्राहकों को इससे काफी परेशानी और आर्थिक नुकसान होता है।एयरलाइंस कार्टेल बनाकर काम कर रही हैं।एक ही डेस्टिनेशन के लिए सभी एयरलाइंस का किराया लगभग बराबर ही होता है।इस खेल में सभी एयरलाइंस शामिल हैं।ये सभी मिलकर स्मार्ट तरीके से प्रतिस्पर्धा समाप्त कर रही हैं।इससे हवाई यात्रा करने वालों को विकल्प ही नहीं मिल पाते।चाहे वो इकोनॉमी एयरलाइन से ट्रेवल करें या प्रीमियम।उन्हें अपनी केटेगरी का किराया लगभग बराबर ही देना पड़ता है।

अक्टूबर 2025 से ट्रकों में एसी केबिन होगा अनिवार्य

इससे ड्राइवरों की सेहत ठीक रखने में मदद मिलेगी, सरकार ने जारी किया नोटिफिकेशन

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। अक्टूबर 2025 से ट्रक ड्राइवरों के लिए एयर कंडीशन्ड केबिन कम्पल्सरी हो जाएगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने इसकी घोषणा की है। सरकार ने यह फैसला देश के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में लागत कम करने, लंबी यात्रा के दौरान ड्राइवरों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले विपरीत असर को कम करने और सड़क हादसों को रोकने के लिए लिया है।नोटिफिकेशन के अनुसार 1 अक्टूबर 2025 या उसके बाद बनने वाले एन2 और एन3 कैटेगरी के वाहनों के केबिन के लिए एयर कंडीशन सिस्टम लगाया जाएगा। यानी सभी नए ट्रकों में ड्राइवरों के लिए फैक्ट्री-फिटेड एसी केबिन होना आवश्यक होगा। इससे पहले इसके

लिए 1 जनवरी 2025 का समय तय किया गया था। **एन2 कैटेगरी :** इस कैटेगरी में वे भारी मालवाहक वाहन आते हैं जिनका कुल वजन 3.5 टन से अधिक और 12 टन से कम होता है।

एन3 कैटेगरी : इस कैटेगरी में वे भारी मालवाहक वाहन आते हैं जिनका कुल वजन 12 टन से अधिक है।

अभी भी कई ट्रकों में एसी दे रही कंपनी

अभी अभी भी टाटा और महिंद्रा सहित कई कंपनियां ट्रक ड्राइवरों के लिए एयर कंडीशन्ड केबिन दे रही हैं। देश के टॉप 5 ट्रक मैन्युफैक्चर्स की बात करें तो मार्केट कैप के हिसाब से पहले नंबर पर टाटा मोटर्स है। इसके बाद महिंद्रा एंड महिंद्रा, आयशर मोटर्स, अशोक लेलैंड और फोर्स मोटर्स है।

15 दिसंबर से देश में ही होगा कारों का क्रैश टेस्ट

देश में चलने वाली कारों को सेफ्टी रेटिंग देने के लिए भारतीय एजेंसी भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम 15 दिसंबर 2023 से क्रैश टेस्ट शुरू करने जा रही है। 1 अक्टूबर को भारतीय कार टेस्टिंग एजेंसी को लॉन्च किया गया था।

पैसा रखें तैयार ! इस हफ्ते खुलेंगे 6 आईपीओ

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजार में पिछले महीनों में कई कंपनियों के आईपीओ लॉन्च हुए हैं। इनमें से कई आईपीओ में निवेशकों की बंपर कमाई हुई है। अगर आप आईपीओ में निवेश करना चाहते हैं और अभी तक मौका नहीं मिला है तो निराश न हों। इस सप्ताह 6 कंपनियों के आईपीओ लॉन्च होने वाले हैं। इन कंपनियों के आईपीओ में निवेश करके आप बंपर कमाई कर सकते हैं। ये इश्यू मेनबोर्ड और एसएमई दोनों सेगमेंट में रहेंगे। वहीं तीन कंपनियों के शेयरों की बाजार में लिस्टिंग हो सकती है। यहां हम आपको आने वाले आईपीओ के बारे में पूरी जानकारी देने जा रहे हैं, जिससे आपको किसी तरह की कोई समस्या न हो। शेयर बाजार में इंडिया शेल्टर फाइनेंस कारपोरेशन लिमिटेड का आईपीओ 13 दिसंबर को खुलेगा। यह आईपीओ 15 दिसंबर को बंद होगा। इसका इश्यू साइज 1200 करोड़ रुपये का है। इसका प्राइस बैंड 469-493 रुपये प्रति शेयर है। लॉट साइज 30 शेयरों का है। आईपीओ में 800 करोड़ रुपये के 1.62 करोड़ नए शेयर जारी किए जाएंगे। स्टेशनरी और आर्ट प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी डोम्स इंडस्ट्रीज के आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 750-790 रुपये प्रति शेयर है। यह इश्यू 1200 करोड़ रुपये का है। यह 13 दिसंबर को खुलकर 15 दिसंबर को बंद होगा। इस आईपीओ में 18 इक्विटी शेयरों के लॉट में बोली लगाई जा सकती है। इस इश्यू में 350 करोड़ रुपये के शेयर जारी किए जाएंगे। वहीं एसएमई सेगमेंट में एसजे लाजिस्टिक का आईपीओ 12 से 14 दिसंबर तक खुला रहेगा। इसका साइज 48 करोड़ रुपये है। इश्यू में 38.4 लाख नए शेयर जारी होंगे। आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 121-125 रुपये प्रति शेयर है। प्रेसटोनिक इंजिनियरिंग लि. कंपनी

का आईपीओ 11 दिसंबर को खुलेगा। यह 13 दिसंबर को बंद होगा। इश्यू का साइज 23.30 करोड़ रुपये है। इसका प्राइस बैंड 72 रुपये प्रति शेयर है। आईपीओ में 32.37 लाख नए शेयर जारी होंगे। वहीं श्री ओएसएफएम ई मोबिलिटी का आईपीओ 14 दिसंबर से 18 दिसंबर तक खुला रहेगा। आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 65 रुपये प्रति शेयर और लॉट साइज दो हजार शेयरों का है। इसी तरह सियाराम रिसाइक्लिंग इंडस्ट्रीज का आईपीओ 14 दिसंबर को खुलेगा। यह आईपीओ 18 दिसंबर को बंद होगा। इसका प्राइस बैंड 43-46 रुपये प्रति शेयर रखा गया है।

कांग्रेस सांसद के ठिकाने उगल रहे नोटों के बंडल

300 करोड़ जब्त, आयकर विभाग जब्त पैसों का क्या करता है?

रांची, 10 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 6 दिसंबर को आयकर विभाग ने कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू के 10 ठिकानों पर छापेमारी की। झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में की गई छापेमारी में अब तक 300 करोड़ रुपए से ज्यादा का कैश बरामद हो चुका है। इसके अलावा करोडों रुपए के गहने भी बरामद हुए है।

आयकर विभाग के महानिदेशक संजय बहादुर के मुताबिक ये सिंगल ऑपरेशन में बरामद हुई अब तक की सबसे बड़ी रकम है। 8 दिसंबर को 40 बड़ी और छोटी मशीनों से नोटों की गिनती शुरू हुई, जो शनिवार रात तक भी जारी थी। इस छापेमारी के बाद धीरज साहू के घर से बरामद नोटों के ढेर की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। सवाल उठता है कि आखिर इतने पैसों का क्या होता है? इनकम टैक्स, ईडी और सीबीआई जैसी जांच एजेंसियां जो पैसे जब्त करती हैं, उसका क्या होता है?

ईडी,सीबीआई, आयकर विभाग को मनी लॉन्ड्रिंग, इनकम टैक्स फ्रॉड या अन्य आपराधिक गतिविधियों में जांच, पूछताछ, छापेमारी करने और चल-अचल संपत्तियों को जब्त करने का अधिकार है। ये एजेंसियां जब्त पैसे को अपनी कस्टडी में लेती हैं और फिर अदालत के आदेश से या तो उस पैसे को आरोपी को वापस कर दिया जाता है या फिर वो सरकार की संपत्ति बन जाता है।

आयकर विभाग या दूसरी जांच एजेंसियां जांच के लिए कहीं छापेमारी करती हैं तो उसके दो हिस्से होते हैं- पहला- गिरफ्तारी और पूछताछ, दूसरा- सबूत इकट्ठा करना। जांच एजेंसियां जो छापे मारती हैं वो अलग-अलग सूचनाओं पर आधारित होते हैं। ऐसे में जरूरी नहीं है कि एक आरोपी के यहां एक ही बार छापा मारा जाए, बल्कि छापेमारी कई चरणों में हो सकती है।

सभी जांच एजेंसियों को पैसा और सामान जब्त करने के कानूनी अधिकार मिले हैं। अगर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट यानी आयकर विभाग को छापेमारी के दौरान पैसा या दूसरा सामान मिलता है तो उसे इनकम टैक्स एक्ट के तहत जब्त किया जा सकता है।

इसी तरह ईडी जैसी दूसरी जांच एजेंसियां प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट 2002 और कस्टम एक्ट के तहत पैसे और सामान को जब्त कर सकती हैं। जांच एजेंसियों को जब्त सामान को मालखाने या भंडारघर में जमा करने का अधिकार होता है। छापे में कई चीजें बरामद हो सकती हैं- इनमें पेपर डॉक्यूमेंट्स, कैश और अन्य कीमती सामान जैसे सोने-चांदी के गहने शामिल हैं।

छापेमारी में जब्त की गई सभी चीजों का पंचनामा बनाया जाता है। पंचनामा जांच एजेंसी का IO यानी जांच अधिकारी बनाता है। पंचनामे पर दो स्वतंत्र गवाहों के हस्ताक्षर होते हैं। साथ ही इस पर जिस व्यक्ति का सामान जब्त होता है, उसके भी हस्ताक्षर होते हैं। पंचनामा बनने के बाद जब्ती का सामान केस प्रॉपर्टी बन जाता है। अब एक-एक करके जानते हैं कि जांच एजेंसियां जो कैश, गहने और संपत्ति जब्त करती हैं उसका क्या होता है?

कैशः सबसे पहले जब्त किए गए पैसे या कैश का पंचनामा बनाया जाता है। पंचनामे में इस बात का जिक्र होता है कि कुल कितने पैसे बरामद हुए, कितनी गड्डियां हैं, कितने 100, 200, 500 और अन्य नोट हैं। जब्त किए गए कैश में अगर नोट पर किसी तरह के निशान हों या कुछ लिखा हो या लिफाफे में हो तो उसे जांच एजेंसी अपने पास जमा कर

लेती है, जिससे इसे कोर्ट में सबूत के तौर पर पेश किया जा सके। बाकी पैसों को बैंकों में जमा कर दिया जाता है। जांच एजेंसियां जब्त किए गए पैसों को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में केंद्र सरकार के खाते में जमा करा देती हैं। कई बार कुछ पैसों को रखने की जरूरत होती है, तो उसे जांच एजेंसी इंटरनल ऑर्डर से केस की सुनवाई पूरी होने तक अपने पास जमा रखती है।

प्रॉपर्टीः आयकर विभाग को बेनामी प्रॉपर्टी ट्रांजैक्शन (प्रोहिबिटेशन) एक्ट और आयकर एक्ट के तहत संपत्ति को अटैच करने का अधिकार है। अदालत में संपत्ति की जब्ती साबित होने पर इस संपत्ति को सरकार कब्जे में ले लेती है। आयकर विभाग किसी की प्रॉपर्टी को अटैच करती है, तो उस पर बोर्ड लगा दिया जाता है, जिस पर लिखा होता है इस संपत्ति की खरीद-बिक्री या इसका इस्तेमाल नहीं हो सकता है। हालांकि कई मामलों में घर और कॉमर्शियल प्रॉपर्टी को अटैच किए जाने पर उनके इस्तेमाल को लेकर छूट भी है।

आयकर विभाग के कानून के तहत किसी प्रॉपर्टी को अधिकतम 60 दिन यानी 2 महीने के लिए अटैच किया जा सकता है। अगर तब तक आयकर विभाग अटैच करने को अदालत में वैध नहीं ठहरा पाती है तो संपत्ति खुद ही रिलीज हो जाएगी, यानी वो अटैच नहीं रह जाएगी।

ईडी के मामले में ये समय 180 दिनों का होता है। अगर ईडी 180 दिनों के अंदर प्रॉपर्टी अटैच करने को अदालत में सही साबित कर देती है तो संपत्ति पर सरकार का कब्जा हो जाता है। इसके बाद आरोपी को ईडी की इस कार्रवाई के खिलाफ ऊपर की अदालतों में अपील करने के लिए 45 दिन का समय मिलता है।

आयकर विभाग जब किसी संपत्ति को जांच के दौरान जब्त करती है या प्रोविजनल अटैच करती है तो वह सील नहीं हो जाती है। कई बार ऐसा भी होता है कि आयकर या दूसरी जांच एजेंसी जिस संपत्ति को अटैच करती है, उस मामले की अदालत में सुनवाई जारी रहने के दौरान आरोपी उस संपत्ति का उपयोग कर सकता है।

उदाहरण के लिए 2018 में ईडी ने पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम के दिल्ली स्थित जोरबाग के बंगले का 50% हिस्सा अटैच कर दिया था, लेकिन उस प्रॉपर्टी को खाली करने का कोर्ट का नोटिस मिलने तक उनका परिवार वहीं रह रहा था। चिदंबरम के बेटे कार्ति ने इस नोटिस के खिलाफ भी कानूनी राहत ले ली थी। कॉमर्शियल प्रतिष्ठान आयकर विभाग के प्रॉपर्टी अटैच किए जाने के बाद भी बंद नहीं होते हैं। जैसे-दुकानें, मॉल, रेस्टोरेंट, होटल जैसी कॉमर्शियल प्रॉपर्टीज को भले ही आयकर विभाग ने अटैच कर दिया हो, लेकिन इसके बावजूद अदालत का फैसला आने तक वह काम करना जारी रख सकते हैं।

संपत्ति किसकी होगी, अदालत करती है आखिरी फैसला

कैश, गहने या प्रॉपर्टी, जब्त किए गए सामान पर आखिरी फैसला कोर्ट करती है। मुकदमा शुरू होने पर जब्त किए गए सामान को सबूत के तौर पर कोर्ट में पेश किया जाता है। अगर अदालत जब्ती का आदेश देती है तो पूरी संपत्ति पर सरकार का कब्जा हो जाता है। अगर आयकर विभाग कोर्ट में जब्ती की कार्रवाई को सही नहीं साबित कर पाता है तो संपत्ति संबंधित व्यक्ति को लौटा दी जाती है। जब्ती को अदालत में चुनौती दिए जाने पर या हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में अगर अपीलकर्ता जब्त किए गए सामान को लीगल साबित कर देता है तो उसे जब्त किया गया सारा सामान वापस मिल जाता है। कई बार कोर्ट जिसकी संपत्ति है, उस पर कुछ फाइन लगाकर भी उसे संपत्ति लौटाने का मौका देती है। जांच एजेंसियां प्रशासनिक आदेश से ही संपत्ति को अ

शाह ने लिखी छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री की स्क्रिप्ट

विष्णुदेव के सीएम बनने के पीछे रमन सिंह, संघ की भी पसंद हैं साय

रायपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। आखिरकार विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री बन गए, लेकिन ये फैसला इतना आसान नहीं था। मुख्यमंत्री की दौड़ में डॉ. रमन सिंह, केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह, रामविचार नेताम, गोमती साय और प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव भी थे।

पार्टी ने साय के रूप में आदिवासी समाज से पहली बार मुख्यमंत्री चुना। मुख्यमंत्री की स्क्रिप्ट लिखने में अमित शाह की भूमिका अहम थी। बार-बार ये बात आ रही थी कि अगर डॉ. रमन सिंह मुख्यमंत्री नहीं तो फिर उनकी पसंद का मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है।

विष्णुदेव साय को रमन सिंह की पसंद माना जाता है। रमन सिंह से पूछा गया तो उन्होंने जो दो-तीन नाम दिए, उनमें विष्णुदेव साय भी थे।

विष्णुदेव साय केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं। भाजपा के छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष भी रहे। उन्हें आदिवासी दिवस के दिन हटाया गया, तब भी वे शांत रहे। कभी पार्टी के खिलाफ बयान नहीं दिया। अमित शाह ने इस कारण उन्हें पसंद किया।

यही कारण है कि जब शाह जशपुर क्षेत्र में रोड शो में गए थे, तो वहां उन्होंने कहा था कि विष्णुदेव साय को जिताकर लाइए, इन्हें हम बड़ा आदमी बनाएंगे।

भाजपा में सीधे दावेदारी किसी की नहीं रही, लेकिन रमन सिंह, अरुण साव, रेणुका सिंह और विष्णुदेव साय CM रेस में शामिल माने जाते रहे। इन सबके बीच ओम माथुर ने कहा कि मुख्यमंत्री का नाम चौंकाने वाला हो सकता है। अब वो कारण जिसके लिए विष्णुदेव का नाम फाइनल हुआ।

पहला कारणः लंबा राजनीतिक अनुभव, विधायक, सांसद, केंद्रीय मंत्री और प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद भी विष्णुदेव साय काफी लो प्रोफाइल रहते हैं। परिवार शुरू से ही जनसंघ से जुड़ा रहा है। इनके दादा और ताऊ भी जनसंघ से विधायक-सांसद और केंद्रीय मंत्री रहे। रमन सिंह के भी करीबी माने जाते हैं।

दूसरा कारणः संगठन और सरकार दोनों में काम करने का अनुभव है। इसके बाद भी राजनीति

में विष्णुदेव साय साफ-सुथरी छवि और लंबी राजनीतिक पारी खेलने वाले बड़े आदिवासी नेता हैं। कभी भी दिल्ली की दौड़ नहीं लगाई। संगठन की ओर से जो निर्देश मिले, उसी के अनुरूप कार्यकर्ता के तौर पर काम किया।

तीसरा कारणः भाजपा ने विधानसभा चुनाव में सरगुजा की सभी 14 सीटों और बस्तर संभाग की 12 में से 8 सीटों पर कब्जा किया। ऐसा पहली बार हुआ है, जब भाजपा ने इतने बड़े स्तर पर आदिवासी सीटें जीती हैं। ऐसे में लोकसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा ने आदिवासी कार्ड खेला है। अमित शाह भी साय को जिताने पर उन्हें बड़ा आदमी बनाने का वादा कर चुके थे।

बृजमोहन अग्रवाल, अमर अग्रवाल, अरुण साव जैसे बड़े नेता पिछले दो-तीन दिनों से विष्णुदेव साय से लगातार मिलते रहे। खुद साय डॉ. रमन सिंह से मिलने पहुंचे और आशीर्वाद लिया। यह चर्चा है कि डॉ. रमन सिंह से पूछा गया तो उन्होंने साय का नाम लिया।

साय दो बार अध्यक्ष रहे, 2018 में चुनाव हारने के बाद भी उन्हें जिम्मेदारी दी गई। सांसद रह चुके हैं। राजनीतिक तजुर्बा है। डॉ. रमन सिंह जैसी सौम्यता, सरलता है। यह फीडबैक विष्णुदेव साय के हक में गया। प्रदेश में अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इसे लेकर 3 दिसंबर को नतीजे आते ही डॉ. रमन सिंह, अरुण साव, विष्णुदेव साय, रेणुका सिंह के नाम सामने आने लगे। मीडिया के साथ ही पार्टी संगठन में इन नामों को लेकर चर्चा रही। रेणुका सिंह के समर्थकों ने खूब माहौल भी बनाया।

वहीं दूसरी ओर संघ से भी राय ली गई। साव के OBC फैक्टर, साय और रेणुका के आदिवासी फैक्टर को समझा गया। अंत में बात विष्णुदेव साय को लेकर तय हो गई। चर्चा है कि रमन सिंह ने भी उनके नाम पर सहमति जताई। वहीं उनका लो प्रोफाइल रहना और संघ के करीब होना बड़ा कारण बन गया। सरगुजा इलाके में 14 सीटें हैं और सभी कांग्रेस के पास थीं। यहां से भाजपा ने कांग्रेस से सभी 14 सीटें छीन लीं। इसलिए माना जा रहा है कि मजबूत इलाके से मुख्यमंत्री दिया गया। अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा आदिवासी मुख्यमंत्री का मुद्दा भुनाएगी। डिप्टी सीएम की दौड़ में प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, ओपी चौधरी, अमर अग्रवाल, बृजमोहन अग्रवाल जैसे नाम शामिल हैं। ओपी चौधरी के लिए भी अमित शाह ने कहा था- इन्हें जिताकर लाइए, बड़ा आदमी हम बनाएंगे। इस बयान को मुख्यमंत्री के रूप में जोड़कर देखा गया। अमर अग्रवाल और बृजमोहन अग्रवाल में से किसी को यह जिम्मेदारी दी जा सकती है।

आईटी रेड का आज पांचवां दिनः एसबीआई के बोलांगीर मुख्य ब्रांच में गिने जा रहे पैसे, राजेश साहू और बंटी साहू से पूछताछ जारी

रांची, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। आयकर विभाग के अधिकारी रविवार को लगातार पांचवें दिन कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी जारी रखी है। वहीं सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कंपनी के दोनों मैनेजरों राजेश साहू और बंटी साहू से पूछताछ की जा रही है। जब्त नोटों की गिनती एसबीआई के बोलांगीर स्थित मुख्य ब्रांच में जारी है। नोटों की गिनती आज पूरी की जा सके इसके लिए अधिक काउंटिंग मशीनें और मैनपावर लगाई गई है।

आ रही जानकारी के अनुसार बोलांगीर में जब्त किए गए 176 बैगों में से 105 बैगों से कुल 160 करोड़ रुपये बरामद किए गए। इनकी गिनती की जा चुकी है। जबकि अन्य 71 बैगों की गिनती आज की जा रही है। उधर, टिटलागढ़ और संबलपुर में जब्त पैसों की गिनती पूरी हो चुकी है। सूत्रों की मानें तो टिटलागढ़ से लगभग 11 करोड़ रुपये जब्त किए गए, जबकि संबलपुर से 37.50 करोड़ रुपये जब्त किए गए।

कई कर्मचारी हुए फरार

इस जानकारी यह भी आ रही है कि आयकर छापे के बाद से साहू परिवार की शराब की दुकानों में काम करने वाले कई कर्मचारी फरार हैं। दूसरी ओर, साहू परिवार की कई अन्य शराब की दुकानें भी हैं, जिन पर छापेमारी हो सकती है। पुख्ता जानकारी तो नहीं पर अटकलें लगाई जा रही हैं कि आईटी की जांच से बचने के लिए ग्रामीण इलाके में रुपए छिपाए गए हैं। इसके अलावा शराब दुकानों के कर्मचारियों द्वारा करोड़ों रुपए जलाए जाने की भी खबर है।

क्या कहते हैं अधिकारी

जब्त किए गए पैसे की पुख्ता जानकारी आयकर विभाग के डीजी द्वारा दी जाएगी। यह जानकारी प्रेस वार्ता के माध्यम से पैसे की गिनती समाप्त होने के बाद ही किया जाएगा। मीडिया से बात करते हुए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के सीनियर ब्रांच मैनेजर धर्मेंद्र साहू ने कहा कि हमने जब्त किए गए पैसे का केवल 50 फीसदी ही गिना है जबकि 50 फीसदी की गिनती बाकी है। पैसों की गिनती में कम से कम 60-70 कर्मचारी लगाए गए हैं। वहीं 25 से अधिक पैसे गिनने वाली मशीनों का उपयोग किया जा रहा है। इसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों का पालन किया जा रहा है।

1000 करोड़ का अवैध खनन मामलाः ईडी ने कोर्ट को बताया- पिंटू के निर्देश पर गवाही से मुकरने के लिए हांसदा को प्रेम प्रकाश ने दिलवाए 10 लाख रुपए

रांची, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। साहिबगंज में हुए 1000 करोड़ के अवैध खनन मामले में गिरफ्तार प्रेम प्रकाश उर्फ पीपी द्वारा सुप्रीम कोर्ट में जमानत के लिए लगाई गई याचिका (एसएलपी) पर प्रवर्तन निदेशालय ने शपथ पत्र दाखिल कर कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। शपथ पत्र में ईडी ने कहा है, अवैध खनन मामले में उनके मुख्य गवाह विजय हांसदा को गवाही से मुकरने, जांच को प्रभावित करने तथा ईडी अधिकारियों को फंसाने की साजिश जेल से ही रची गई।

ईडी ने एक अन्य गवाह दानिश रिजवान के हवाले से कहा है कि पीपी जेल में रहते हुए भी सीएम के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू के साथ लगातार संपर्क में था। प्रेम ने जनवरी या फरवरी में पिंटू के निर्देश पर अपने एक सहयोगी के माध्यम से 10 लाख रुपए विजय हांसदा को रांची में दिया। ईडी ने जेल का सीसीटीवी फुटेज भी कोर्ट को सौंपा है, जिसमें वह फोन पर किसी से बात करते दिख रहा है। बता दें कि विजय हांसदा अवैध खनन मामले में ईडी का गवाह था।

बाद में वह गवाही से मुकर गया। उसने धुर्वा थाने में केस भी दर्ज कराया है। विजय अवैध खनन मामले में एक केस का शिकायतकर्ता भी है, जिसकी जांच सीबीआई कर रही है। ईडी का यह भी आरोप है कि सीबीआई जांच बाधित करने और हाईकोर्ट के सीबीआई जांच के आदेश को रोकने के लिए कुछ अधिकारियों ने विजय को सुप्रीम कोर्ट में

एसएलपी दाखिल करने में भी सहयोग किया।

ईडी ने यह भी बताया है कि पीपी को सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के तत्कालीन सचिव अविनाश कुमार ने 16 अक्टूबर 2017 को अनुशंसा की थी। अविनाश वर्तमान में गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव हैं। ईडी की दलील है कि पीपी का वरिष्ठ नौकरशाहों से संबंध है। इसलिए न्यायिक हिरासत में रहते हुए जांच व ट्रायल को भी प्रभावित कर सकता है। जेल मैनुअल के विरुद्ध उसे जेल में सुविधाएं दी जा रही हैं। यह भी कहा गया है कि कोर्ट आदेश दे तो प्रेम को दूसरे राज्य की जेलों में शिफ्ट किया जा सकता है।

दानिश ने सूचना बाहर पहुंचाने की कोशिश की तो जेल अधीक्षक ने डाल दिया सेल में

ईडी का दावा है कि जब दानिश ने इन सूचनाओं को झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तक पहुंचाने की कोशिश की और उसकी कॉपी ईडी को देना चाहा तो होटवार के जेल अधीक्षक उससे नाराज हो गए। वे उसके पत्र को पोस्ट नहीं कर रहे थे। रिजवान की इस फैसले से नाराज होकर जेल अधीक्षक ने उसे कुछ दिनों के लिए सेल में डाल दिया था। बाद में उसे दूसरे जेल में शिफ्ट कर दिया गया।

ईडी का कहना है कि छह नवंबर 2023 को गवाह दानिश ने उन्हें दिए बयान में कहा था कि प्रेम प्रकाश व जेल अधीक्षक हामिद अख्तर, जेलर नसीम खान मिलकर ईडी अधिकारियों को नुकसान पहुंचाने की साजिश रच रहे हैं। उसने यह भी बताया है कि वे दुष्कर्म व एससी-एसटी केस में ईडी अधिकारियों को फंसाने की साजिश रच रहे हैं। कुछ माओवादियों से भी संपर्क किया गया था।

गिरिडीह से छह साइबर अपराधी गिरफ्तार

न्यूड वीडियो कॉल कर लोगों को करते थे ब्लैकमेल

गिरिडीह, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। गिरिडीह पुलिस ने एक बार फिर से साइबर अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अलग-अलग थाना क्षेत्रों में छापेमारी कर 6 शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। जिन साइबर अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, उसमें बेंगाबाद थाना क्षेत्र के साठीबाद निवासी पवन कुमार मंडल, सरिया थाना इलाके के केशवारी निवासी लव कुमार मंडल, डुमरी थाना क्षेत्र के नारंगी निवासी सतीश मंडल, बेंगाबाद थाना क्षेत्र के फुरसोडीह निवासी छोटी कुमार मंडल, डुमरी थाना क्षेत्र के नावाडीह का रहने वाला क्रिश कुमार मंडल और बिरनी थाना क्षेत्र के बराय गांव निवासी सोनू कुमार मंडल शामिल है।

इन 6 शातिर साइबर अपराधियों के पास से पुलिस ने 8 लाख 29 हजार 600 नगद, 12 मोबाइल फोन, 18 सिम कार्ड, 21 एटीएम कार्ड, 12 पासबुक, 6 चेक बुक, 4 पैन कार्ड और 2 आधार कार्ड बरामद किया है। यह जानकारी गिरिडीह के एसपी दीपक कुमार शर्मा ने रविवार को पपरवाटांड स्थित समाहरणालय में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान दी है। उन्होंने बताया कि साइबर अपराध के खिलाफ गिरिडीह पुलिस जीरो टॉलरेंस के तहत कार्य कर रही है और लगातार गिरिडीह जिले से साइबर अपराधियों की धर-पकड़ की जा रही है। इसी कड़ी में गुप्त सूचना के आधार पर अलग-अलग थाना क्षेत्र में साइबर डीएसपी संदीप सुमन समदर्शी के नेतृत्व में छापेमारी कर 6 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने बताया की गिरफ्तार सभी साइबर अपराधी ऐप के जरिए लोगों को न्यूड वीडियो कॉल कर उसका स्क्रीनशॉट लेकर ठगी करने का काम करते थे। इसके अलावे पोषण ट्रैकर के माध्यम से गर्भवती महिलाओं के मोबाइल में कॉल कर मातृत्व लाभ राशि दिलाने का झांसा देकर ठगी करते थे। बताया कि साइबर अपराधियों के खिलाफ गिरिडीह पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है, बताया की गिरिडीह जिले से साइबर अपराध को खत्म किया जाएगा, जिसे लेकर यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

छापेमारी दल में साइबर डीएसपी संदीप सुमन समदर्शी के अलावे साइबर थाना प्रभारी अजय कुमार, पुलिस निरीक्षक ज्ञान रंजन कुमार, पुअनि गौरव कुमार, सरोज कुमार मंडल, सुबल डे, संजय मुखियार, आरक्षी सौरभ सुमन, जितेंद्र नाथ महतो आदि शामिल थे।

पुलिस ने जारी किया अलर्ट, सतर्क रहिए

ठंड में पहुंचा एमपी का पत्थर और बिहार का चादर गिरोह, बांग्लादेशी गैंग भी सक्रिय

रायपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी में जैसे-जैसे ठंड बढ़ रही है चोरी-डकैती करने वाले गिरोह भी सक्रिय होते जा रहे हैं। इसमें यूपी, बिहार, ओडिशा, बंगाल, हरियाणा से लेकर बांग्लादेशी गिरोह भी शामिल हैं।

नेपाल का गिरोह भी रायपुर में कई वारदात कर चुका है। इन्हीं गिरोहों में शामिल बांग्लादेश गिरोह ने तीन दिन के भीतर सवा करोड़ से ज्यादा की चोरी की है।

पुलिस के मुताबिक ऐसे 6 से ज्यादा खतरनाक गिरोह हैं, जो केवल ठंड के सीजन में ही आते हैं।

ये इतने खतरनाक होते हैं कि घटना के दौरान हत्या करने से भी नहीं चूकते हैं।

रायपुर पुलिस ने इन गिरोहों को लेकर अलर्ट जारी किया है। पुलिसवालों ने मकानों को सूना छोड़कर जाने वालों से अपील की है कि वे पड़ोसी और रिश्तेदारों को बाहर जाने की सूचना जरूर दें। जरूरत पड़े तो थाने को भी बताएं।

बाहरी गिरोह को लेकर सभी थानों को अलर्ट जारी किया गया है। इस पर फोकस होकर जांच की जा रही है। आउटर में गश्त भी बढ़ाई गई है।

दूल्हा-दुल्हन सहित 5 की मौतः ट्रक ने मारी कार को टक्कर

जांजगीर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा में रविवार सुबह हुए सड़क हादसे में दूल्हा-दुल्हन सहित 5 लोगों की मौत हो गई। हादसा तेज रफ्तार ट्रक के कार को टक्कर मारने के चलते हुआ। सभी लोग दुल्हन की विदाई कराकर बलौदा से लौट रहे थे। हादसा मुलमुला थाना क्षेत्र में हुआ है। बलौदा निवासी सोनी परिवार के बेटे शुभम सोनी की शादी शिवरीनारायण निवासी नेहा से शनिवार रात को हुई। रविवार तड़के विदाई के बाद दूल्हा शुभम, दुल्हन नेहा, शुभम के पिता ओमप्रकाश सोनी (50), फूफा सरजू सोनी (66) और बुआ रेवती सोनी एक ही कार से घर लौट रहे थे। सुबह करीब 5 बजे पकरिया जंगल में चंडी देवी मंदिर के पास ट्रक ने कार को चपेट में ले लिया। आमने-सामने ट्रक की टक्कर से कार के परखच्चे उड़ गए। आसपास के लोगों ने हादसा देखा तो पुलिस को सूचना दी।

10 हजार में युवक को कुल्हाड़ी से मार डाला

रायगढ़ में भतीजे और दोस्त ने दौड़ा-दौड़ा कर मारा; सिर पर वारकर उतारा मौत के घाट

रायगढ़, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। रायगढ़ में 10 हजार रुपए में एक युवक की कुल्हाड़ी से काट कर हत्या कर दी गई। भतीजे और दोस्त ने मिलकर संजय के सिर पर कई वार किए। जिससे मौके पर ही उसने दम तोड़ दिया। पुरानी रंजिश में 4 दिसंबर को की गई इस वारदात के बाद शनिवार को मामले में दो आरोपी को गिरफ्तार किया गया। संजय प्रधान और अशोक प्रधान के बीच लड़ाई हुई थी, उस वक्त संजय का भतीजा कुलदीप भी वहां मौजूद था। जिसने गांव के ही एक युवक कृष्णा को हत्या की सुपारी दी। साजिश के तहत 4 दिसंबर को कृष्णा और संजय ने खूब नशा किया। इसके बाद कुलदीप और कृष्णा ने सुनसान जगह देखकर संजय प्रधान को मारने के लिए कुल्हाड़ी लेकर दौड़ाए। संजय भागते हुए गांव के सीसी रोड की ओर आ गया। तब कृष्णा ने उसके सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। हत्या के बाद दोनों मौके से भाग निकले और बाद में पुलिस को भी गुमराह करते रहे। पुलिस टीम ने दोनों संदेही कुलदीप और कृष्णा राठिया समेत 7-8 अन्य संदेहियों से पूछताछ की। इस दौरान दोनों आरोपी पुलिस को गुमराह करते रहे, लेकिन गांव के लोगों ने बताया कि वारदात की शाम संजय प्रधान, कृष्णा राठिया और कुलदीप प्रधान को साथ में देखा गया था।

क्या फिर टलेगा पाक आम चुनाव?

पीएमएल-एन नेता अमीर मुकाम ने दिया सुझाव

इस्लामाबाद, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) खैबर पख्तूनख्वा के अध्यक्ष अमीर मुक़ाम ने शनिवार को सुझाव दिया कि सुरक्षा खतरे के कारण आगामी आम चुनावों में दो से चार सप्ताह की देरी हो सकती है। पाकिस्तान स्थित डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव के दिनों में जनजातीय क्षेत्र में मौसम की स्थिति खराब रहती है। मुकाम का बयान पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) और पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी के बीच 8 फरवरी, 2024 को चुनाव की तारीख तय करने पर सहमति बनने के बाद आया है। इनफोकस पर एक साक्षात्कार में, मुकाम ने कहा खैबर पख्तूनख्वा में मौजूदा सुरक्षा स्थिति कोई नई बात नहीं है उन्होंने 2008 और 2013 की सुरक्षा स्थितियों का जिक्र किया और कहा कि उनके बावजूद भी चुनाव हुए। उन्होंने कहा कि चुनाव के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है और इसीलिए राजनीतिक दल प्रचार कर रहे हैं। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, मुकाम ने कहा कि कुछ लोगों को हमेशा खतरा रहता है, खासकर खैबर पख्तूनख्वा में और उन्होंने कहा कि वह खुद कई हमलों का निशाना बने हैं।

पुतिन के लिए भारत क्यों है अहम

मोदी की तारीफ के पीछे क्या है वजह?

कीव, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और पीएम नरेंद्र मोदी की दोस्ती जगजाहिर है। पुतिन आए दिन सार्वजनिक मंचों से पीएम मोदी की तारीफ करते रहते हैं। इसी साल जून में पुतिन ने पीएम मोदी को अपना अच्छा दोस्त बताया था और भारत के मेक इन इंडिया के लिए प्रधानमंत्री की तारीफ भी की थी। उन्होंने कहा था कि भारत अब खुद अपनी कारें बनाता है। इसके अलावा अक्टूबर में भी पुतिन ने कहा था कि पीएम मोदी की अगुवाई में भारत ने विकास की रफ्तार पकड़ ली है और प्रगति की राह पर आगे निकल गया है। पुतिन ने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति को भी सराहना की थी और इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी को जिम्मेदार बताया था। इस क्रम में एक बार फिर रूसी राष्ट्रपति ने भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी की तारीफ में कसीदे पढ़े हैं।

'पीएम मोदी की नीति है गारंटी'

14वें वीटीबी इन्वेस्टमेंट फोरम 'रशिया कॉलिंग' में बोलते हुए पुतिन ने कहा, रूस और भारत के संबंध लगातार सभी दिशाओं में विकसित हो रहे हैं और इसकी मुख्य गारंटी प्रधानमंत्री मोदी की नीति है। उन्होंने कहा, मैं सोच नहीं सकता कि मोदी को भारत के राष्ट्रीय हित, भारतीय लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई या फैसला लेने के लिए डराया, धमकाया या मजबूर किया जा सकता है। मैं जानता हूं, उन पर ऐसा दबाव है। वैसे हमने कभी उनसे इस बारे में बात भी नहीं की। मैं बस बाहर से देख रहा हूं कि क्या हो रहा है और ईमानदारी से कहूं तो कभी-कभी भारतीय लोगों के राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा पर उनके (मोदी) सख्त रुख से मुझे हैरानी भी होती है। दोस्ती की वजह? पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की दोस्ती 22 साल पुरानी है। साल 2001 में नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री हुआ करते थे और वह पहली बार किसी देश के राष्ट्रपति के साथ आधिकारिक मुलाकात कर रहे थे। इसके बाद साल 2018 में पीएम मोदी रूस के दौरे पर गए थे और वे 2001 की यात्रा का जिक्र कर दोनों के रिश्ते की अहमियत गिना रहे थे। तब से अब तक भारत और रूस की 'दोस्ती' बरकरार है।

रूस के राष्ट्रपति के लिए भारत क्यों है अहम?

व्यापार और सांस्कृतिक संबंध से इतर हालिया समय में भारत और रूस के संबंध गहरे हुए हैं। हालांकि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले भी दोनों देशों के बीच अच्छे संबंध थे। लेकिन नरेंद्र मोदी और पुतिन के व्यक्तिगत रिश्ते भी काफी करीब रहे हैं। यूक्रेन युद्ध के बीच भारत ने खुले तौर पर कभी रूस की निंदा नहीं की। इसके अलावा जी-20 दिल्ली घोषणापत्र में भी भारत ने यूक्रेन युद्ध के लिए रूस पर सीधा-सीधा आंच नहीं आने दिया था।

यहूदी विरोधी हंगामे के चलते यूनिवर्सिटी ऑफ पेन्सिलवेनिया की अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

वॉशिंगटन, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के शीर्ष विश्वविद्यालयों में शुमार यूनिवर्सिटी ऑफ पेन्सिलवेनिया की अध्यक्ष ने विरोध के चलते इस्तीफा दे दिया है। लिज मैगिल का यह यूनिवर्सिटी ऑफ पेन्सिलवेनिया की अध्यक्ष के तौर पर दूसरा साल है। यूनिवर्सिटी की तरफ से बयान में कहा गया है कि लिज मैगिल यूनिवर्सिटी के कैरे लॉ स्कूल की फैकल्टी सदस्य बनी रहेंगी और अगले अध्यक्ष की नियुक्ति तक वह अध्यक्ष पद की जिम्मेदारियां संभालेंगी। लिज मैगिल की कॉलेज कैंपस में बढ़ते यहूदी विरोध को लेकर यूएस कांग्रेस के सामने पेशी हुई थी। इस दौरान जब उनसे बार-बार पूछा गया कि क्या कैंपस में यहूदियों के नरसंहार की मांग करना स्कूल की आचरण नीतियों का उल्लंघन है या नहीं? बार बार पूछने पर भी लिज मैगिल ने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। अब बताया गया है कि यूनिवर्सिटी के दानदाताओं की तरफ से आलोचना के चलते लिज मैगिल को पद से इस्तीफा देना पड़ा है। बता दें कि इस्राइल हमास युद्ध के चलते यहूदी विरोधी घटनाएं बढ़ी हैं। खासकर शिक्षण संस्थानों में ऐसी घटनाएं ज्यादा बढ़ रही हैं। लिज मैगिल मंगलवार को यूएस कांग्रेस की समिति के सामने पेश हुईं। इस दौरान हावर्ड यूनिवर्सिटी और एमआईटी के अध्यक्ष भी समिति के सामने पेश हुए। अमेरिकी यूनिवर्सिटीज पर आरोप लग रहे हैं कि वह अपने कैंपस परिसरों में यहूदी विरोधी घटनाओं को नहीं रोक पा रही हैं और इससे यहूदी छात्रों में असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है।

ब्रिटेन में 40% भारतीय डॉक्टर नस्लवाद के शिकार

इलाज नहीं करा रहे मरीज, शिकायत किए जाने पर नौकरी जाने का खतरा

लंदन, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन में अधिकांश भारतीय डॉक्टर नस्लवादी और भेदभावपूर्ण व्यवहार का सामना कर रहे हैं। एक रिसर्ट के मुताबिक करीब 40% भारतीय डॉक्टर अपने सहकर्मियों के साथ ही मरीजों से भी ऐसे व्यवहार का शिकार हुए हैं। इसके अलावा सहकर्मियों की झूठी शिकायतों और शारीरिक हमले तक झेल रहे हैं। मरीज तो योग्यता और क्षमता पर संदेह जताकर भारतीय डॉक्टर्स से इलाज कराने से इनकार तक कर रहे हैं। विदेशों में प्रशिक्षित 2,000 से ज्यादा भारतीय डॉक्टरों पर की गई स्टडी के मुताबिक कार्यस्थल पर नस्लवाद की घटनाएं रोजमर्रा का हिस्सा बन चुकी हैं। इससे तंग आकर उन डॉक्टर्स के भी एनएचएस छोड़ने की आशंका बढ़ रही है, जो अहम भूमिका निभा रहे हैं। भारतीय उच्चायोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा- हम भारतीय डॉक्टरों के खिलाफ नस्लवाद की शिकायतों को बहुत गंभीरता से लेते हैं।

यह हाल ही में हमारे सामने आया है और हम इसे एनएचएस के सर्वोच्च अधिकारियों के समक्ष उठाने की तैयारी कर रहे हैं। नस्लवाद के खिलाफ नियम भी बनावएंगे। अधिकांश डॉक्टर नस्लवाद के शिकार हुए, पर कार्रवाई न होने की उम्मीद के चलते वह रिपोर्ट करने से बचते हैं। कई मामलों में ऐसा हुआ भी। नस्लवाद के शिकार परेशान, अपमानित, हाशिए पर महसूस कर रहे हैं। एनएचएस के 123,000 डॉक्टरों- नर्स में से लगभग 40% गैर ब्रिटिश हैं। ब्रिटिश मेडिकल एसोसिएशन के मुताबिक, काम पर नस्लवाद का सामना करने वाले 70% से ज्यादा लोगों ने इसके बारे में शिकायत नहीं की। दुबई में रह रहे भारतीय मूल के नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ। जगदीश नंजप्पा ने कहा कि 2012 में यूके में जब ट्रेनी डॉक्टर थे, तो पर्यवेक्षक द्वारा उन्हें अक्सर अपमानित किया जाता था। कोर्स के आखिर में उसने ने यह पुष्टि करने से इनकार कर दिया कि ट्रेनिंग पूरी कर ली है। जब इस मुद्दे को उठाया तो किसी भी काउंटी में उन्हें नौकरी नहीं मिली। ब्रिटिश मेडिकल एसोसिएशन काउंसिल के अध्यक्ष डॉ चंद नागपॉल ने कहा कि एनएचएस ही नस्लवाद से ग्रस्त है। जब भास्कर ने एनएचएस इंग्लैंड से संपर्क किया,

तो जवाब मिला- हम'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाते हैं। वहीं, एनएचएस से जुड़े डॉक्टरों ने कहा कि ये सच नहीं है। एनएचएस में नस्लवाद जड़ों तक समा चुका है। डॉ। नागपॉल ने कहा- नस्लवाद प्रतिभाशाली लोगों को आगे बढ़ने से तो रोकता ही है। यह मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। ब्रिटेन में करीब 35 हजार भारतीय डॉक्टर्स- नर्स कार्यरत हैं, जो विदेशी डॉक्टर्स में सबसे बड़ी संख्या है।

पड़ोसी देश श्रीलंका में छाया अंधेरा! अचानक बत्ती गुल, इंटरनेट भी ठप्प

कोलंबो, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत का पड़ोसी देश श्रीलंका एक बार फिर संकट में है। यहां एक बार फिर बिजली संकट गहरा गया है। लगभग पूरे देश में बिजली गुल होने की खबर है। एक सरकारी अधिकारी ने कहा, सिस्टम की विफलता के कारण श्रीलंका को देशव्यापी बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। कथित तौर पर इसके कारण पूरे द्वीप राष्ट्र में इंटरनेट सेवा ठप्प हो गया है। रिपोर्टों के मुताबिक, कोटमाले-बियागामा ट्रांसमिशन लाइन के टूटने के कारण पूरे श्रीलंका में बिजली गुल हो गई है। देश की बिजली एकाधिकार कंपनी सीलोन इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड (सीईबी) बिजली बहाल करने के लिए काम कर रही है। सीईबी के प्रवक्ता नोएल प्रियंता ने यह जानकारी दी है। सीईबी ने देश को आश्वासन दिया है कि प्रभावित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है। मालूम हो कि साल 2022 में, गहराते आर्थिक संकट के बीच श्रीलंकाई लोगों को 10 घंटे की बिजली कटौती का सामना करना पड़ा था। इसके बाद बिजली बोर्ड ने दस लाख से अधिक सरकारी कर्मचारियों से ईंधन बचाने के लिए घर से काम करने का आग्रह किया था।

इजरायल-हमास युद्ध विराम प्रस्ताव पर वीटो लगाया तो

अमेरिका पर भड़की किम जोंग सरकार बाइडेन को नॉर्थ कोरिया की दो टूक

बिजिंग, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। इजरायल-हमास जंग को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र में एक प्रस्ताव लाया गया जिस पर अमेरिका ने वीटो लगा दिया। कोई भी स्थाई सदस्य अपनी वीटो पावर का इस्तेमाल कर किसी भी प्रस्ताव को गिरा सकता है। अमेरिका के इस फैसले से नॉर्थ कोरिया खफा है। नॉर्थ कोरिया के उच्च अधिकारियों ने युद्ध-विराम प्रस्ताव पर वीटो लगाने के लिए अमेरिका की आलोचना की है। नॉर्थ कोरिया ने कहा कि वीटो का इस्तेमाल अमेरिका दोहरे मानदंडो को दर्शाता है। अंतरराष्ट्रीय संगठनों के लिए उत्तर कोरिया के उप विदेश मंत्री किम सोन ग्योंग ने कहा, हजारों नागरिकों का नरसंहार करने वाले एक सहयोगी की रक्षा के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका अपनी वीटो शक्ति का दुरुपयोग न केवल अवैध और अनुचित दोहरे मानदंडों की अभिव्यक्ति है, बल्कि अमानवीयता की पराकाष्ठा है।

नॉर्थ कोरिया की शिकायत

किम सोन ग्योंग ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका गाजा में जारी लड़ाई को नजरअंदाज कर रहा है और उत्तर कोरिया के हालिया सैटेलाइट लॉन्च की निंदा कर रहा है, जबकि हमने किसी दूसरे देश को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया है। गौरतलब है कि अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों ने उत्तर कोरिया के खतरों को लेकर एक बैठक की है, क्योंकि उत्तर कोरिया ने धमकी दी थी कि वह ज्यादा से ज्यादा खुफिया सैटेलाइट को तैनात करेगा।

अमेरिका की क्यों हो रही है आलोचना?

अमेरिकी कूटनीति में बीते कुछ समय में नाटकीय ढंग से बदलाव आया है। इजरायल-हमास जंग के बीच अमेरिका पर पक्षपात के आरोप लगे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन पर फिलिस्तीनी अधिकारों और जान-माल के नुकसान को नजरअंदाज करने का आरोप लगा। अमेरिका भी समय-समय पर इजरायल पर गाजा में कार्रवाइयों को लेकर आगाह करता रहा है, लेकिन इसके बावजूद अमेरिका पर मध्य-पूर्व के देश भरोसा नहीं कर पा रहे हैं। इसका फायदा चीन, रूस और उत्तर कोरिया सरीखे देश उठा रहे हैं। ये देश अमेरिका के खिलाफ लामबंदी शुरू कर चुके हैं। कुछ दिन पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि अमेरिकी व्यवस्था अब जर्जर हो गई है, इसलिए नई विश्व व्यवस्था में अमेरिका की कोई जगह नहीं होगी।

छठी कक्षा की लड़कियों ने जताई शिक्षा को लेकर चिंता, कहा- हमें आगे पढ़ने से न रोके तालिबान

काबुल, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में छठी कक्षा में पढ़ने वाली कई लड़कियों ने अगले साल स्कूल नहीं जा पाने को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने तालिबान से लड़कियों को स्कूल जाने से न रोकने का आह्वान किया है। दो साल से ज्यादा समय बीत चुका है और तालिबान ने अब तक छठी कक्षा से ऊपर की लड़कियों के लिए स्कूल फिर से खोलने के संबंध में कोई घोषणा नहीं की है।

जहरा और जैनब ने अभी-अभी छठी कक्षा पूरी की है। वह बताती हैं कि हम तनाव में हैं। छठी कक्षा की छात्रा जैनब ने कहा, हमारे स्कूल का आखिरी दिन बहुत दुखद था। मैं और मेरे सभी सहपाठी रो रहे थे क्योंकि हम अब स्कूल नहीं जा सकते। शिक्षक भी रो रहे थे। काबुल विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र के तीसरे वर्ष की छात्रा 23 वर्षीय मदीना ने कहा कि शिक्षा के दरवाजे बंद होने से उसके सपने छिन गए हैं। उनका सपना कानून में मास्टर डिग्री लेना था ताकि वह अफगान लड़कियों के अधिकारों की रक्षा कर सकें, लेकिन मौजूदा सरकार में यह संभव नहीं लग रहा।

'कारगिल प्लान का विरोध किया तो मुझे हटा दिया'

पूर्व पीएम शरीफ बोले- भारत से रखना चाहता था अच्छे संबंध

इस्लामाबाद, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने कहा है कि कारगिल प्लान का विरोध करने के कारण उन्हें 1999 में सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। शरीफ ने कहा कि वे भारत सहित अन्य पड़ोसी देशों के साथ बेहतर संबंध रखने के पक्षधर थे। तीन बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे नवाज ने सवालिया लहजे में पूछा कि उन्हें इस बात की वजह जानने का हक है कि उन्हें 1993 और 1999 में सत्ता से क्यों हटा दिया गया था। शरीफ ने कहा कि उन्होंने कहा था कि कारगिल लड़ाई नहीं होनी चाहिए थी। नवाज शरीफ ने कहा, मुझे बताया जाना चाहिए कि मुझे 1993 और 1999 में क्यों बाहर कर दिया गया था। जब मैंने कारगिल योजना का विरोध करते हुए कहा था कि ऐसा नहीं होना चाहिए। तो मुझे (जनरल परवेज मुशर्रफ ने) बाहर

कर दिया था। और बाद में मैंने जो कहा वह सही साबित हुआ। शरीफ ने दो भारतीय प्रधानमंत्रियों की पाकिस्तान यात्रा के बारे में भी बात की जब वह पाकिस्तान के प्रधानमंत्री थे। शरीफ ने कहा कि उन्होंने हर मोर्चे पर काम किया है। उनके कार्यकाल के दौरान भारत के 2 प्रधानमंत्री वाजपेयी और नरेंद्र मोदी लाहौर आए थे। लाहौर में पार्टी के संसदीय बोर्ड की मीटिंग में बोलते हुए शरीफ ने कहा कि जब आपके पड़ोसी आपने नाराज हो जाएंगे या आप अपने पड़ोसी से नाराज रहेंगे तो आप कैसे ग्लोबल स्टेटस हासिल कर सकते हैं। शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान को भारत, अफगानिस्तान जैसे देशों से रिश्ते सुधारने की जरूरत है। देश को ईरान और चीन से और मजबूत रिश्ते बनाने होंगे। उन्होंने अफसोस जताया कि पाकिस्तान आर्थिक वृद्धि के मामले में अपने पड़ोसियों से पिछड़ गया है। इमरान खान पर निशाना साधते हुए शरीफ ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि एक अनुभवहीन व्यक्ति को देश की बागडोर क्यों सौंपी गई है।

शरीफ ने कहा कि इमरान खान की सरकार के दौरान पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर भारी गिरावट आई। फिर शाहबाज शरीफ ने अप्रैल 2022 में सत्ता संभाली और देश को कंगाल होने से बचाया। नवाज शरीफ ने 2017 में उनकी सरकार को हटाकर देश को बर्बाद करने के लिए पूर्व सैन्य जनरलों और न्यायाधीशों की जवाबदेही की अपनी मांग दोहराई। उन्होंने कहा, जो लोग इस देश को इस स्तर पर लाए, उन्हें जवाबदेह बनाया जाना चाहिए क्योंकि देशभक्त लोग अपने देश के साथ ऐसा नहीं कर सकते। नवाज ने कहा कि हम सिर्फ ताकत और महंगी कारों में घूमने के लिए सरकार नहीं बनाना चाहते। हम उन लोगों को जवाबदेह ठहराना चाहते हैं जो देश को बर्बाद करने के जिम्मेदार हैं। जिन्होंने हमारे खिलाफ झूठे मामले बनाए। ब्रिटेन में चार साल के आत्मनिर्वासन के बाद पाकिस्तान लौटने से एक महीने पहले, शरीफ ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा, पूर्व आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट-जनरल फैज हामिद, पाकिस्तान के पूर्व मुख्य न्यायाधीश साकिब निसार और आसिफ सईद खोसा को उनकी सरकार को हटाने और आर्थिक तबाही मचाने के अपराध के लिए जवाबदेह ठहराने का संकेत दिया था।

अस्पताल में भीषण आग लगने से चार लोगों की मौत, 200 से अधिक बाल-बाल बचे

रोम, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। रोम के टिवोली में सैन जियोवानी इवेंजेलिस्टा अस्पताल के शवगृह के पास भीषण आग लगने से चार लोगों की मौत की खबर है। आग की खबर मिलने के बाद 200 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया। आग शवगृह, क्लिनिक और रसोई क्षेत्र के बीच निचले स्तर पर लगी थी। आग इतनी ज्यादा थी कि तेजी से ऊपर की मंजिल पर आपातकालीन कक्ष में फैल गई। चार में से दो पीड़ितों की मौत धुएं में दम घुटने के कारण हुई। एक व्यक्ति की दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई, और एक अन्य व्यक्ति की जलने से मृत्यु हो गई। फायर ब्रिगेड के अनुसार, आग लगने के बाद मुर्दाघर में मौजूद कई शव भी जल गए थे। अस्पताल की आग से बचाए गए लोगों में सात बच्चे और कई शिशु शामिल थे। सीएनएन ने अपने सहयोगी स्काई24 का हवाला देते हुए बताया कि निकाले गए लोगों में से 134 को पास के अस्पतालों में ले जाया गया। सीएनएन ने इतालवी प्रेस रिपोर्टों का हवाला देते हुए बताया कि आपातकालीन कक्ष में इलाज के लिए इंतजार कर रहे है।

यूएन ने दी गाजा में भूख से मौतों की चेतावनी, इजरायल बोला, किसी भी कीमत पर हमले नहीं रोक सकते

न्यूयॉर्क, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) का कहना है कि गाजा के 36 फीसदी परिवार अब गंभीर तौर पर भूख का सामना कर रहे हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल-कुद्रा की मानें तो अब गाजा पट्टी में कोई ऐसी सुरक्षित जगह नहीं बची है जहां पर कोई जा सके। यह जानकारी ऐसे समय में सामने आई है जब एक दिन पहले ही अमेरिका ने गाजा में तत्काल मानवीय युद्धविराम की मांग वाले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव को वीटो कर दिया। इजरायल का कहना है कि उसे हमास को खत्म करने और इजरायली बंधकों को घर लाने के लिए गाजा पर हवाई हमले जारी रखने होंगे।

यूएन ने दी चेतावनी

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के सीनियर ऑफिशियन और डब्लूएफपी के डिप्टी डायरेक्टर कार्ल स्काऊ ने चेतावनी दी है कि गाजा की आधी आबादी भूख से मर रही है, क्योंकि वहां लड़ाई जारी है। स्काऊ ने कहा कि जरूरी आपूर्ति का सिर्फ एक हिस्सा ही गाजा पट्टी में दाखिल हो सका है। 10 में से नौ लोगों को रोज ही खाना नहीं मिल पा रहा है। स्काऊ ने कहा कि गाजा की स्थितियों ने आपूर्ति को लगभग असंभव बना दिया है। दूसरी तरफ इजरायल डिफेंस फोर्सेज के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल रिचर्ड हेचट ने कहा है कि किसी भी नागरिक की मौत दर्दनाक है, लेकिन हमारे पास कोई विकल्प नहीं है।

अमेरिका का बड़ा कदम

उन्होंने कहा कि हम गाजा पट्टी के अंदर जितना संभव हो सके उतना पहुंचने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। आईडीएफ के चीफ ऑफ स्टाफ हरजी हलेवी ने अपने सैनिकों से कहा है कि सेना को कड़ी मेहनत करनी होगी। उनका कहना था कि आईडीएफ आतंकी आत्मसमर्पण कर रहे हैं। यह एक इशारा है कि उनका नेटवर्क ध्वस्त हो रहा है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने कांग्रेस को दरकिनार करने और इजरायल 106 मिलियन डॉलर से ज्यादा के करीब 14000 राउंड टैंक और गोला-बारूद की बिक्री को मंजूरी देने के लिए एक आपातकालीन कानून का उपयोग किया है।

बच्चों के भी शव बरामद

सात अक्टूबर के बाद से गाजा के अंदर और बाहर आवाजाही पर प्रतिबंध लगा हुआ है। हमास के शासन वाले गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि इजरायल की जवाबी कार्रवाई में करीब 18000 लोगों की मौत गाजा में हो गई है। इसमें से 7000 से ज्यादा बच्चे है। गाजा में खाली कराए गए अल-नस्र अस्पताल के आईसीयू वार्ड में अस्पताल के बिस्तरों पर शिशुओं के क्षत-विक्षत शव मिलने का दावा भी किया गया है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, तीन शिशु अस्पताल की मशीनों से जुड़े हुए थे और शवों के बगल में डायपर और दूध की बोतलें मिलीं।

लोकसभा चुनाव को लेकर जातीय समीकरण को साधने में जुटी बीजेपी

इस फॉर्मूले पर राजस्थान में होंगे 2 डिप्टी सीएम

जयपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में तीन राज्य राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (BJP) का शानदार प्रदर्शन रहा। तीनों राज्यों में भाजपा ने प्रचंड जीत हासिल की है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा अपनी जीत का सिलसिला जारी रखने के लिए तीनों राज्यों में जातीय समीकरण को साधने में जुट गई है। अगर राजस्थान की बात करेंगे तो यहां भाजपा को ऐसे सीएम और डिप्टी सीएम की तलाश है, जो 2024 के चुनाव में पार्टी की नैया पार कर सके। आइये जानते हैं कि बीजेपी किस फॉर्मूले पर काम कर रही है।

बीजेपी के संसदीय बोर्ड ने राजस्थान में विधायक दल के नेता को चुनने के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। पार्टी ने राजस्थान के पर्यवेक्षक के रूप में

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े और राज्यसभा सदस्य सरोज पाण्डेय को नियुक्त किया है। ये तीनों पर्यवेक्षक रविवार को राजस्थान के विधायकों से अलग-अलग मुलाकात करेंगे और सीएम फेस को लेकर उनकी राय जानेंगे। हालांकि, अभी मुख्यमंत्री पद के प्रमुख दावेदार वसुंधरा राजे और बाबा बालकनाथ माने जा रहे हैं।

भाजपा ने राज्य में राजनीतिक समीकरणों में संतुलन बनाए रखने और जातीय समीकरण को साधने के लिए दो डिप्टी सीएम बनाने का फैसला किया है। पार्टी का लक्ष्य है कि सीएम के अलावा बाकी तीन उच्च पदों पर ऐसे जाति के नेता हों, जो अपनी जाति का प्रतिनिधित्व कर सके। बताया जा रहा है कि राज्य के राजपूत, ब्राह्मण, मीणा और जाट समुदायों से चुने गए विधायकों को ही उपमुख्यमंत्री बनाना जा सकता है।

वहीं, किसी महिला विधायक को विधानसभा स्पीकर बनाने का प्लान चल रहा है। ये महिला शेड्यूल कास्ट से हो सकती है।

लोकसभा चुनाव में क्या मिल सकता है फायदा?

अगर भारतीय जनता पार्टी राजस्थान में जातीय समीकरण को साधने में सफल रहती है तो इसका सीधा फायदा लोकसभा चुनाव 2024 में देखने को मिलेगा। इस बार भाजपा ने बिना सीएम फेस के ही तीनों राज्यों में जीत हासिल की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फेस पर चुनाव लड़ा गया।

साथ ही पार्टी ने नए प्रयोग के रूप में केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों को चुनावी मैदान में उतारा, जोकि काफी सफल रहा है। अब पार्टी राजस्थान में जातीय आधारित कैबिनेट गठित करने पर फोकस कर रही है, ताकि लोकसभा चुनाव में राज्य की सभी लोकसभा सीटों पर जीत हासिल कर सके।

अभी किसी का इस्तीफा नहीं, डोटासरा रहेंगे प्रदेश अध्यक्ष, किस पर है कांग्रेस का फोकस?

जयपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में कांग्रेस की हार की समीक्षा करने को लेकर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी की मौजूदगी में दिल्ली में बैठक हुई। इसमें हार की जिम्मेदारी तय नहीं की गई। हाईकमान की ओर से लोकसभा चुनाव पर फोकस करने के लिए कहा गया है।

राजस्थान के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार की जिम्मेदारी तय नहीं हुई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी की मौजूदगी में दिल्ली में हुई बैठक में करीब डेढ़ घंटे तक हार के कारणों की विस्तार से समीक्षा की गई। सूत्रों की मानें तो हार को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा से सवाल जवाब भी किए गए। लेकिन, अंत में जो हुआ सो हुआ, अब लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटना है की बात कहकर बैठक को खत्म कर दिया गया। हालांकि, तैयारी किसके

नेतृत्व में होगी अभी ये तय नहीं हुआ है।

इतने संकेत जरूर मिले हैं कि अभी किसी का इस्तीफा नही होगा। यानी लोकसभा चुनाव तक गोविंद सिंह डोटासरा के प्रदेश अध्यक्ष बने रहने की पूरी संभावना है। ऐसे में कांग्रेस अब लोकसभा चुनाव पर ही फोकस करना चाह रही है। पार्टी नेताओं का मानना है कि राजस्थान में हार तो हुई है, लेकिन अन्य दो राज्यों से यहां स्थिति बेहतर रही है। पार्टी के विधायक ठीक संख्या में जीत कर आई है और वोट प्रतिशत भी बढ़ा है।

पार्टी ने राजस्थान में काम करने के लिए कहा

बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा की पार्टी ने प्रदेश में अन्य राज्यों के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया है। हमारा वोट प्रतिशत पिछले चुनाव के मुकाबले बड़ा है और कई प्रत्याशी 1500 से भी कम वोटो से हारे हैं। अब हम लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटेंगे और एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे। खुद के इस्तीफा की पेशकश पर रंधावा ने कहा कि मैंने पार्टी से पहले ही कहा था कि मैं सिर्फ विधानसभा चुनाव तक ही यहां रहना चाहता हूं, उसके बाद मुझे पंजाब में सक्रिय होना है। लेकिन, पार्टी ने अभी राजस्थान में ही काम करते रहने के लिए कहा है। अन्य नेताओं के इस्तीफा के बारे में उन्होंने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया।

कोई नहीं चाहता प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी

राजस्थान में मौजूदा स्थिति को देखते हुए कांग्रेस का कोई भी नेता फिलहाल प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी पर आने में ज्यादा रुचि नहीं दिख रहा है। क्योंकि, लोकसभा चुनाव में भी पार्टी को बहुत अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद नहीं दिख रही है। पार्टी के ज्यादातर बड़े नेताओं की रुचि नेता प्रतिपक्ष के पद को लेकर है। इस बारे में केंद्रीय पर्यवेक्षक भूपेंद्र सिंह हुड्डा अपनी रिपोर्ट पार्टी आला कमान को सौंप चुके हैं। अब इस पर फैसले का इंतजार है।

झोटवाड़ा में बच्ची के साथ दुष्कर्म

गिरफ्तारी में देरी को लेकर दीया कुमारी ने लगाई फटकार

जयपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर के झोटवाड़ा थाना इलाके में एक बच्ची के साथ दुष्कर्म और धर्म परिवर्तन का मामला सामने आने के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए हैं।

बताया जा रहा है कि पोक्सो एक्ट में एफआईआर दर्ज करने के बाद भी पुलिस द्वारा अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी न किए जाने से लोगों में आक्रोश है। मामले में पुलिस द्वारा अब तक कोई कार्रवाई नहीं किए जाने को लेकर नवनिर्वाचित विधायक दिया कुमारी ने मौके पर पहुंचकर पुलिस अधिकारियों से बात की और जमकर फटकार लगाई।

टेलर को पीएफआई के नाम से लेटर-बम से उड़ा देंगे

पीड़ित बोला- चुनाव के कारण 25 दिन चुप रहा; अब मुकदमा दर्ज

अलवर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। अलवर शहर से तिजारा रोड पर 17 किलोमीटर दूर स्थित गांव चिकानी में 76 साल के टेलर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी पत्र द्वारा दी गई है। पत्र भेजने वाले ने अपना नाम पीएफआई (पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया) लिखा है। इस लैटर से इलाके से हड़कंप मचा हुआ है।

पीड़ित सोहनलाल जाटव ने बताया- यह पत्र करीब 25 दिन पहले डाक से मिला था। चुनाव में माहौल न बिगड़े, इसलिए इस मामले को लेकर चुप रहा। अब 7 दिसंबर को सदर थाना पुलिस को शिकायत दी है।

सदर थानाधिकारी दिनेश मीना ने बताया- मामला सामने आने के बाद पुलिस ने IPC की धारा 385 के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसपी के निर्देश पर सदर थाना पुलिस जांच कर रही है। मामला चिकानी में दुकानों पर दो पक्षों के अधिकार को लेकर है। लैटर में भी इन दुकानों का जिक्र है। चिकानी के अंबेडकर कॉलोनी ऊपला मोहल्ला निवासी टेलर सोहनलाल जाटव ने रिपोर्ट दी है

रिपोर्ट में बताया कि टेलर को धमकी भरा पत्र डाक के जरिए भेजा

गया। पत्र में लिखा है कि सोहनलाल टेलर मेरी बात अच्छी तरह समझ लेना। तेरी दुकान मुसलमानों की जगह पर है। हमें पता लगा है कि यह जगह मुस्लिम भाइयों की है। आपने कब्जा किया है। यह नहीं चलेगा। अब तुमसे धैर्य से बोल रहा हूं। इस जगह की सही कीमत ले लो और खाली कर दो। खाली नहीं करोगे तो पता होना चाहिए। मैं कौन हूं। पीएफआई आपको 31 दिसंबर तक का समय देता है। नहीं तो पीएफआई को दुनिया जानती है। एक रात में बम से सब नष्ट कर दूंगा। संभल जाओ।

सोहनलाल ने बताया-मैंने 1971 में दुकान ग्राम पंचायत से खरीदी थी। पैसा जमा करा कर पट्टा लिया। उसके बाद रती मोहम्मद व अन्य से केस चला था। बाद में समझौता भी हो गया था। इसके बाद जमीन पर दुकान बना ली थी। कई साल इसी दुकान में टेलरिंग का काम किया। अब 6 महीने से बालाजी स्टेशनर्स को दुकान किराए पर दे रखी है। अब धमकी दी जा रही है कि दुकान पर मेरा कब्जा नाजायज है, इसका मुआवजा लो और खाली कर दो।

धमकी में पीएफआई का जिक्र किया गया है। कहा न मानने पर बम से उड़ाने की बात कही है। यह पत्र 13 नवंबर को डाकिया घर लाया था। पत्र पर बहादरपुर डाकघर की मुहर लगी थी। इस पर चिकानी डाकघर की मुहर नहीं थी, ऐसे में डाकिया वापस गया और चिकानी डाकघर की मुहर लगाकर लाया।

200 साल पुरानी हवेलियों की पीएम मोदी ने की तारीफ

जैसलमेर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। पीले बलुआ पत्थरों, नक्काशीदार झरोखों और बालकॉनी, महीन कारीगरी का बेजोड़ नमूना जैसलमेर की विश्व प्रसिद्ध पटवा हलवेलियों को निहारने लाखों लोग हर साल जैसलमेर आते हैं। गुमानचंद बाफना ने अपने पांच बेटों को उपहार में देने के लिए साल 1805 में इन हवेलियों का निर्माण करवाया था। इनको बनाने में करीब 50 साल लगे थे। आज दुनिया भर से लाखों लोग इन्हें देखने के लिए आते हैं। ये हवेलियां एक बार फिर सुर्खियों में हैं। कारण यह कि इन हवेलियों की तारीफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की है। उन्होंने इन हवेलियों को

इंजीनियरिंग की मिसाल बताए हुए नेचुरल एयरकन्डीशनिंग का बेजोड़ नमूना बताया है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 दिसंबर को दिल्ली के लाल किले में 'इंडिया आर्ट, आर्किटेक्चर एंड डिजाईन बियनाले 2023' का उदघाटन किया। उद्घाटन के मौके पर प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में जैसलमेर की पटवा हवेली की तारीफ की। प्रधानमंत्री ने कहा आप में से कुछ लोग जैसलमेर में पटवों की हवेली गए होंगे। पांच हवेलियों के इस समूह को इस तरह बनाया गया था कि वो नेचुरल एयरकंडिशनिंग कि तरह काम करता है। ये सारा आर्किटेक्चर न केवल लॉन्ग सस्टेनिंग होता था, बल्कि एनवायरमेंट सस्टेनेबल भी होता था। यानी पूरी दुनिया के पास भारत के आर्ट एंड कल्चर से बहुत कुछ जानने, सीखने के लिए अवसर है।

गाइड नरेंद्र छंगाणी ने बताया कि धनी व्यापारी गुमान चंद बाफना ने इस हवेली परिसर का निर्माण कराया। पहली हवेली 1805 में बनाई गई थी। अपनी सारी भव्यता के साथ पूरा हवेली परिसर 50 सालों के दौरान विकसित हुआ। ये 5 हवेलियों का समूह है जो देखने में एक जैसी ही दिखाई देती है।

पांच मिनट में एटीएम उखाड़ ले गए बदमाश

बेल्ट से बांधकर स्कॉर्पियो से खींचा, कैश बॉक्स नहीं टूटा तो गाड़ी में डाल ले गए

कोटपूतली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। स्कॉर्पियो में सवार होकर आए बदमाश 5 मिनट में पंजाब नेशनल बैंक का एटीएम उखाड़ ले गए। बदमाशों ने सड़क पर पड़े एटीएम का कैश बॉक्स तोड़ने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं होने पर एटीएम को गाड़ी में डालकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने नाकाबंदी करवाई, लेकिन बदमाशों का कोई सुराग नहीं लगा। घटना कोटपूतली की है।

नकाबपोश बदमाश ने सबसे पहले एटीएम में लगे सीसीटीवी कैमरे पर स्प्रे किया, जिससे वारदात कैमरे में कैद नहीं हो। एटीएम में लगे एक दूसरे कैमरे में यह पूरी वारदात कैद हो गई।

कोटपूतली थानाधिकारी राजेश शर्मा ने बताया कि कृष्णा टॉकीज के पास पंजाब नेशनल बैंक का एटीएम लगा हुआ था। बदमाश ने मुंह पर कपड़ा बांधा हुआ था। बदमाश ने सबसे पहले सीसीटीवी कैमरे पर स्प्रे किया, ताकि वारदात कैमरे में कैद नहीं हो। हालांकि एक दूसरे कैमरे में यह पूरी वारदात कैद हो गई। 1 बजकर 57 मिनट पर दूसरा बदमाश एक हैवी लोडिंग बेल्ट लेकर आया और उसे एटीएम से बांध दिया। इसके बाद बेल्ट का दूसरा हिस्सा

हनीट्रैप में फंसाकर स्कूल संचालक से मारपीट

जोधपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। जोधपुर में एक स्कूल संचालक को हनीट्रैप में फंसाकर 1 करोड़ रुपए की फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। महिला ने स्कूल संचालक को पहले अपने घर बुलाया और साथियों के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट की। और उसके सारे कपड़े उतारकर महिला ने अपने साथ उसके 25 से ज्यादा अश्लील वीडियो बनाए। इतना ही नहीं स्कूल संचालक से आरोपियों ने 1 करोड़ रुपए की फिरौती भी मांगी। घटना 7 दिसंबर महामंदिर थाना क्षेत्र की है। इसके दूसरे दिन पीड़ित ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई। मामले की जानकारी डीसीपी अमृता दुहन को मिली तो उन्होंने तुरंत आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम भेजी।

महिला टीचरों के नाम नोट लिख स्टूडेंट ने किया सुसाइड

लिखा- दोनों मैम की इच्छा पूरी हो जाएगी, टीसी काटने की देती थी धमकी

जयपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर में फंदा लगाकर एक स्कूल स्टूडेंट ने सुसाइड कर लिया। मरने से पहले सुसाइड नोट लिखकर अपनी जेब में रखा लिया। इसमें लिखा- दो मैम की इच्छा पूरी हो जाएगी, TC काटने की धमकी देती थी। घटना के बाद शिवदासपुरा थाना पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक के पिता ने सुसाइड नोट के आधार पर शुक्रवार को स्कूल की दो महिला टीचरों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज करवाया है।

एसआई घनश्याम ने बताया- सीतापुरा शिवदासपुरा के रहने वाले छोटू कुमार (15) ने सुसाइड किया। वह राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल विधानी में 9वीं क्लास में पढ़ता था। 9 सितंबर को दोपहर में कमरे में साड़ी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। शाम करीब 7 बजे छोटू कुमार की मां उसे बुलाने गई। कमरा अंदर से बंद होने पर काफी आवाज लगाई। जबाव नहीं मिलने पर शोर मचाकर पड़ोसियों को बुलाया। गेट तोड़कर अंदर जाने पर छोटू कुमार फंदे से लटका मिला। सुसाइड की सूचना पर शिवदासपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने फंदे से शव को उतारकर महात्मा गांधी हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी भिजवा दिया।

कांग्रेस ने बताए हार के 5 कारण: गुर्जरों की नाराजगी, बीजेपी के ध्रुवीकरण को माना फैक्टर

अब नियुक्तियों में दिखेगा जाट-गुर्जर-ब्राह्मण त्रिकोण

जयपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने राजस्थान में अपनी हार के लिए गुर्जरों की नाराजगी और भाजपा की ओर से वोटों के ध्रुवीकरण जैसे 5 कारण गिनाए हैं। कांग्रेस ने 69 सीटें जीतने को सम्मानजनक हार माना है। वहीं 20 सीटों पर 300 से 5000 वोटों के मार्जिन से हारी है।

अब पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटेगी, लेकिन पहले नेता प्रतिपक्ष, उपनेता प्रतिपक्ष, मुख्य सचेतक (विपक्ष) जैसे पदों पर नियुक्तियां होंगी। इन नियुक्तियों में जाट-गुर्जर-ब्राह्मण त्रिकोण देखने को मिल सकता है। इसके साथ ही प्रदेशाध्यक्ष और प्रदेश प्रभारी बदले जाने के संकेत भी मिले हैं। इस बैठक में किन बिंदुओं पर चर्चा हुई, हार के कौन-कौनसे कारण आलाकमान के सामने रखे गए, आगे पार्टी में क्या बदलाव होने की संभावना है।

कांग्रेस ने बताए हार के ये 5 कारण

दिल्ली में कार्यवाहक सीएम अशोक गहलोत, सचिन पायलट, सीपी जोशी और हरीश चौधरी, प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा की मौजूदगी में समीक्षा बैठक हुई थी। कांग्रेस ने राजस्थान में अपनी हार के 5 प्रमुख कारण माने हैं...

1. गुर्जर समुदाय की नाराजगी

यह समुदाय राजस्थान में पांच सबसे बड़े मतदाता समूहों में से एक है, जिसकी करीब 70 सीटों पर बहुलता है। अजमेर, भरतपुर, दौसा, भीलवाड़ा, करौली, सवाईमाधोपुर, टोंक, जयपुर, कोटा, चित्तौड़गढ़ आदि जिलों में पार्टी करीब 70 प्रतिशत सीटें हार गईं।

2. भाजपा की ओर हिंदू-मुस्लिम वोटों के ध्रुवीकरण

कांग्रेस ने अपनी हार के सबसे बड़े कारणों में से एक ये माना है कि भाजपा की ओर से चुनाव में हिंदू-मुस्लिम वोटों का ध्रुवीकरण किया गया। संत समाज के लोगों को टिकट देकर धार्मिक भावनाएं बढ़ाई गईं, इससे कांग्रेस को नुकसान हुआ।

3. संगठन की कमजोरी

बहुत से जिलों में संगठन की कमजोरी भी सामने आई। कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की ओर से पर्याप्त भाग-दौड़ नहीं की गई। अजमेर उत्तर-दक्षिण, मालवीय नगर, विद्याधर नगर, भीलवाड़ा, ब्यावर, पुष्कर, मालपुरा जैसी सीटें कांग्रेस एक बार फिर नहीं जीत पाई, जबकि भाजपा कोटपूतली, सपोटरा, नवलगढ़ जैसी सीटें जीत गईं, जहां वो लगातार 3 बार से हार रही थी।

4. नेताओं का घमंड पूर्ण रवैया

नेताओं की ओर से अनावश्यक बयानबाजी और घमंडपूर्ण रवैया अपनाने से कई सीटों पर पार्टी को करारी हार झेलनी पड़ी। यही कारण है कि भाजपा के पहली बार चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों के सामने कांग्रेस के सीनियर और दिग्गज नेता ढेर हो गए।

5. बागियों को समय पर नहीं मना पाना

कांग्रेस को करीब 25 सीटों पर बागियों के साथ भी लड़ना पड़ा। वोटों का बंटवारा हुआ और नुकसान उठाना पड़ा। समय रहते बागियों को

मना नहीं पाई।

पार्टी ने माना सम्मानजनक हार

पार्टी ने हार के कारण जरूर गिनाए, लेकिन इस आत्म विश्वास में भी है कि यह हार पिछले दो चुनावों 2003 और 2013 की तुलना में ज्यादा सम्मानजनक है। क्योंकि 69 सीटों पर जीत के साथ-साथ करीब 20 सीटों (कोटपूतली, कठूमर, जहाजपुर, भादरा, हवामहल, नसीराबाद, चोहटन, आसींद, नगर, जायल, करौली, डीडवाना, पचपदरा, सादुलपुर, ओसियां, गोगुंदा, निम्बाहेड़ा, अजमेर उत्तर, अजमेर दक्षिण, सांचौर, अंता और छबड़ा) में हार का अंतर 300 से लेकर 5000 वोटों के बीच ही रहा है। यह अंतर थोड़ी सी मेहनत से दूर किया जा सकता था।

पायलट-गहलोत में दूरियां भी आई नजर

सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस में पिछले पांच वर्षों में अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच जो दूरियां थीं, वे अब भी यथावत हैं और इसका असर अब तक बना हुआ है। इसकी एक झलक समीक्षा बैठक के दौरान भी नजर आई। दोनों ही नेता एक-दूसरे से दूरी बनाकर बैठे। विधानसभा चुनाव में दोनों की अदावत से सबक लेते हुए कांग्रेस पार्टी लोकसभा चुनावों से पहले ऐसे सभी कारणों को दूर करना चाहेगी। पार्टी प्रदेशाध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष जैसे पदों के लिए अभी से लॉबिंग शुरू हो गई है। इसमें जाट-गुर्जर-ब्राह्मण त्रिकोण का ख्याल रखा जाएगा। सूत्रों के अनुसार नेता प्रतिपक्ष की दौड़ में भी 6 नेता बताए जा रहे हैं।

उप नेता प्रतिपक्ष और मुख्य सचेतक

विधानसभा में आम तौर पर विपक्ष की तरफ से उप नेता या मुख्य सचेतक के पद कोई संवैधानिक रूप से मान्यता प्राप्त नहीं होते हैं, लेकिन यह पद होते जरूर हैं। राजनीतिक रूप से इन पदों को संबंधित विपक्षी पार्टी में महत्वपूर्ण माना जाता है। कांग्रेस की तरफ से इन पदों पर अशोक चांदना, हरीश मीना, जुबेर खान, मुकेश भाकर, रामनिवास गावड़िया, अनिल शर्मा, शिखा मील बराला, विद्याधर चौधरी, मनीष यादव आदि हो सकते हैं।

प्रोटेम स्पीकर के लिए 2 नाम

विधानसभा में एक पद प्रोटेम स्पीकर का होता है, जिसे आम तौर पर विपक्ष के सबसे सीनियर विधायक को ही सौंपा जाता है। यह पद अस्थाई स्पीकर (विधानसभा अध्यक्ष) का होता है, जो सभी चुने हुए विधायकों को शपथ ग्रहण करवाता है। यह पद पर शांति धारीवाल या हरिमोहन शर्मा को मिल सकता है। दोनों ही वरिष्ठ विधायक हैं।

प्रदेशाध्यक्ष-प्रदेश प्रभारी बदलने पर भी विचार

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा के पदों पर भी बदलाव कर सकती है। प्रदेशाध्यक्ष के पद और नेता प्रतिपक्ष दोनों पदों पर अलग-अलग समुदाय से किसी को नियुक्त करना चाहेगी, ताकि दो अलग-अलग समुदायों की सहानुभूति लोकसभा चुनावों सहित आगे आने वाले नगर निकाय और पंचायत चुनावों में भी मिले।

अगर नेता प्रतिपक्ष के पद पर हरीश चौधरी, नरेंद्र बुडानिया, गोविंद सिंह डोटासरा को नियुक्त किया तो प्रदेशाध्यक्ष का पद संभवतः सचिन पायलट, सीपी. जोशी, रघु शर्मा, प्रताप सिंह खाचरियावास, भंवर जितेंद्र सिंह जैसे नेताओं में से किसी को सौंप सकती है। ऐसा करके पार्टी जाट, गुर्जर, ब्राह्मण, राजपूत जैसे बड़े मतदाता समूहों को साधना चाहेगी।

अशोक गहलोत की क्या होगी भूमिका?

अशोक गहलोत कांग्रेस की तरफ से विधानसभा में वरिष्ठ विधायक भी हैं और पदाधिकारी भी, लेकिन यह संयोग ही है कि वे अब तक 6 बार विधायक रहे और तीन बार विपक्ष में रहने के बावजूद एक बार भी नेता प्रतिपक्ष नहीं बने। सूत्रों का कहना है कि वे इस बार भी नेता प्रतिपक्ष नहीं बनेंगे।

राज्य की परियोजनाओं को लेकर नितिन गडकरी से मिलेंगे : कोमटि वेंकट रेड्डी

मंत्री सचिवालय में कार्यभार ग्रहण किया

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सड़क, भवन और छायांकन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने आज सुबह बीआर अंबेडकर में तेलंगाना सचिवालय के कमरा नंबर 11, 5 वीं मंजिल पर अपने कार्यालय में औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। वैदिक विद्वानों द्वारा पूजा-अर्चना के बाद मंत्री ने सुबह ठीक साढ़े नौ बजे कार्यभार संभाला और सभी नौ फैसलों से जुड़ी फाइलों पर हस्ताक्षर किये। विधायक कोमटी रेड्डी राजगोपाल रेड्डी, वेमुला वीरेशम, कुंदुरु जयवीर, बालू नाइक, कंभम अनिल कुमार रेड्डी, सड़क निर्माण विभाग के प्रधान सचिव श्रीनिवास राजू, विशेष सचिव विजयेंद्र, सूचना और नागरिक संबंध विभाग के विशेष आयुक्त अशोक रेड्डी और कई उच्च अधिकारियों ने मंत्री को बधाई दी। इस अवसर पर अपने कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में मंत्री कोमटी रेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि विधानमंडल की पुरानी इमारत एक विरासत भवन है। इसे पुनर्गठित किया जाएगा और विधान परिषद की गतिविधियां इसमें संचालित की जाएंगी। इसी तरह, सीएलपी और अन्य दलों के कार्यालयों की मौजूदा इमारत को हटा दिया जाएगा और विधानसभा परिसर को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन स्थल बनाने के लिए सार्वजनिक उद्यान से ललिता कला तोरणम तक सौंदर्यीकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ दिनों में मुख्यमंत्री, विधान परिषद के सभापति और संबंधित अधिकारी इस मामले को देखेंगे। मंत्री ने अधिकारियों को एक महीने के अंदर राज्य की सभी सड़कों की बड़े पैमाने पर मरम्मत करने का आदेश दिया है। उन्होंने घोषणा की कि वे अगले सौ दिनों में अपनी सरकार द्वारा घोषित छह वादों को पूरी तरह से लागू करेंगे। उन्होंने कहा कि कल सीएम द्वारा शुरू किए गए महालक्ष्मी कार्यक्रम को राज्य भर की महिलाओं से उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिल रही है। कोमटिरेड्डी ने कहा कि वह राज्य की विभिन्न परियोजनाओं को लेकर नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री गडगरी से मुलाकात करेंगे।

काचीगुडा और कोल्लम के बीच सबरीमाला विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने केरल के कोल्लम तक सबरीमाला विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। ट्रेन नं. 07109 (काचीगुडा-कोल्लम) 18, 25 दिसंबर, 1, 8 और 15 जनवरी को काचीगुडा से प्रस्थान करेगी और ट्रेन नं. 07110 (कोल्लम-काचीगुडा) कोल्लम से 20, 27 दिसंबर, 3, 10 और 17 जनवरी को प्रस्थान करेगी। ये विशेष ट्रेनें उमदानगर, शादनगर, जडचेरला, महबूबनगर, वनपर्ती रोड, श्रीरामनगर, गडवाल, कुरनूल सिटी, धोने, गूटी, ताड़ीपत्री, येरागुंटला, कडपा, रज़ामपेट, रेनिगुटा, तिरूपति, पकाला, चित्तूर, काटपाडी, जोलारपेट्टई, सेलम, इरोड, तिरुप्पुर, पोदनूर, पालघाट, त्रिशूर, अलुवा, एर्नाकुलम टाउन, कोट्टायम, दोनों दिशाओं में चेंगनसेरी, तिरुवल्ला, चेंगन्नूर, मवेलिकारा और कायनकुलम स्टेशन पर रूकेंगी। इन सभी विशेष ट्रेनों में एसी फर्स्ट क्लास, 2एसी, 3एसी, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास शामिल हैं

महिलाओं की अपेक्षा पुरुषों को अधिक संख्या में पड़ रहा है दिल का दौरा

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महिलाओं की अपेक्षा पुरूषों को दिल का दौरा अधिक संख्या में पड़ रहा है। इसे अनियमित जीवनशैली, तनाव आदि का कारण माना जा सकता है। केवल तेलंगाना में बल्कि सभी भारतीय राज्यों में पुरुषों की संख्या महिलाओं से अधिक है, जब दिल के दौरे से पीड़ित होने की बात आती है जो अचानक मौत का कारण बनती है। मोटे तौर पर, दिल का दौरा पड़ने वाली हर एक महिला के लिए, छह पुरुष ऐसे होते हैं जो जीवन के लिए खतरा पैदा करने वाले दिल के दौरे का अनुभव करते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा हाल ही में जारी एक्सीडेंटल डेथ्स एंड सुसाइड्स इंडिया (एडीएसआई)-2022 के आधार पर, देश में 2022 में 4,402 महिलाओं के मुकाबले 28,005 पुरुष दिल के दौरे के कारण अचानक मौत का शिकार हुए। वर्ष 2022 में, 30 वर्ष से 45 वर्ष आयु वर्ग में दिल के दौरे के कारण अचानक मृत्यु 9,722 थी, जिसमें 8670 पुरुष और 1049 महिलाएं शामिल थीं। इसी प्रकार, 45 से 60 वर्ष आयु वर्ग में कुल 12,290 व्यक्तियों की हृदयाघात से मृत्यु हुई, जिनमें पुरुषों की संख्या 10,854 थी जबकि महिलाओं की संख्या 1436 थी। तेलंगाना में, एनसीआरबी-2022 के आंकड़ों के आधार पर, कुल 282 व्यक्तियों की अचानक दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई- 257 पुरुष और 27 महिलाएं है। आंध्र प्रदेश में, उसी वर्ष, 176 घातक दिल के दौरे के मामले थे, जिनमें से 162 पुरुष और 14 महिलाएं थीं। इंडियन हार्ट एंड स्ट्रोक एसोसिएशन सहित सार्वजनिक स्वास्थ्य शोधकर्ताओं के विश्लेषण के अनुसार, भारतीयों को हृदय रोग के प्रति संवेदनशील बनाने वाले प्रमुख कारकों में आनुवंशिक प्रवृत्ति, चयापचय विनियमन, कार्डियोमायोपैथी (कमजोर हृदय की मांसपेशियां), मांस का सेवन, संतृप्त वसा, ट्रांस वसा, जंक फूड शामिल है।

अग्रवाल समाज की मैरेज डेटा कमेटी की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरेज डेटा कमेटी की वर्ष 2023-25 के कार्यकाल की तेरहवीं बैठक समाज के कार्यालय राघव रत्ना टॉवर में आयोजित की गई। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा कमेटी के चेयरमेन मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि बैठक में बालक एवं बालिकाओं के क़रीब 10 अभिभावक गण उपस्थित होकर नए बायोडेटा एवं उनके द्वारा दिए गये पहले के बायोडेटा के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। कमेटी द्वारा इस कार्यकाल में 39 रिश्ते तय हुए। समाज की सभी शाखाओं के सदस्यों से आग्रह है कि समाज द्वारा दी जा रही निःशुल्क सेवा का पूर्ण रूप से लाभ प्राप्त करें। विशेषकर महिला शाखाओं से आग्रह है वे इस कार्य में अपना सहयोग प्रदान करें आपके सहयोग के बिना यह कार्य असंभव है। बैठक प्रातः 11 बजे से 1 बजे तक नियमित समय पर हर रविवार को होगी सभी अग्रबंधुओं से इस सेवा का लाभ प्राप्त करने हेतु आग्रह है आगामी बैठक रविवार को होगी। आज की बैठक में चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल, कन्वेनर रमेश कुमार अग्रवाल, वाइस चेयरमेन सतीश कुमार अग्रवाल, दीनबंधु अग्रवाल, अशोक कुमार दादरीवाला, गोविंद अग्रवाल तथा अग्रवाल समाज के फिजियो थेरेपी डॉक्टर बालकृष्ण सुरेखा आदि उपस्थित थे।

सत्यम शिवम सुंदरम गौ निवास में अन्नकूट समारोह आयोजित

दक्षिण भारत की सबसे बड़ी गौशला का श्रेय प्राप्त है इसे

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत की सबसे बड़ी गौशाला, सत्यम शिवम सुंदरम गौ निवास ने अपनी 23 वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर रविवार को अन्नकूट समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर दक्षिण भारत की सबसे बड़ी गौशाला, सत्यम शिवम सुंदरम गौशाला के संस्थापक 83 वर्षीय धर्म राज रांका ने कहा कि गौशाला का अगर सही तरीके से उपयोग किया जाए, तो तेलंगाना और भारत में प्राकृतिक खेती के लिए इनपुट के प्रमुख आपूर्तिकर्ता बन सकते हैं। उन्होंने हाल ही में शपथ लेने वाले मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री से इस ओर ध्यान देने की अपील की है कि इस दिशा में ठोस कदम उठाएं जाए। धर्म राज रांका कसाइयों से बचाई गई गायों को आश्रय देने के मिशन पर हैं। वह हैदराबाद में एयरपोर्ट रोड पर गगनपहाड़ में दक्षिण भारत की सबसे बड़ी गौशाला, सत्यम शिवम सुंदरम गौनिवास के संस्थापक हैं। उन्होंने कहा कि किसानों, कृषि निकायों, उद्यमियों और सरकार को मिलकर काम करना चाहिए। गायों के लिए नवीनतम नैदानिक उपकरण, प्रयोगशाला, आईसीयू, एक्स-रे से सुसज्जित पशु चिकित्सालय जैसी 5200 फीट की बहु-बुनियादी सुविधा वाले सत्यम शिवम सुंदरम गौ निवास में अन्नकूट महोत्सव में बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह 6000 गायों को आश्रय देता है, जिनके साथ शाही व्यवहार किया जाता है। इनके इलाज के लिए 150 लोग काम करते हैं। दक्षिण भारत की सबसे बड़ी गौशाला (गाय आश्रय), 8 एकड़ भूमि पर स्थित सत्यम शिवम सुंदरम गौ निवास ने रविवार को शहर के पेद्दम्मा गद्दा, गगनपहाड़ स्थित अपने परिसर में एक भव्य अन्नकूट उत्सव का आयोजन किया। इसने अपनी 23 वीं वर्षगांठ भी मना। कुछ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। सत्यम शिवम सुंदरम गौ निवास के श्री धर्मराज रांका ने जानकारी देते हुए बताया कि अन्नकूट उत्सव प्रत्येक नववर्ष के प्रारंभ में मनाया जाता है। प्रेम और भक्ति से तैयार किए गए विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ भगवान को अर्पित किए जाते हैं। धर्म राज रांका ने कहा कि हालांकि 'अन्नकूट' का शाब्दिक अर्थ 'भोजन का पहाड़' है, यह भगवान को भोजन की पेशकश और इसे तैयार करने में लगे प्रेम और भक्ति का प्रतीक है।

संस्कृति लोगों को जोड़ती है : तमिलिसाई सौंदरराजन

यूपी प्रतिनिधियों के तेलंगाना दौरे के साथ युवा संगम चरण-3 का समापन

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद (आईआईटीएच), बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) वाराणसी के साथ अपने युग्मित संस्थान के रूप में, (भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम) आईआरसीटीसी के सहयोग से, नोडल सेंटर बनने पर रोमांचित है। अविश्वसनीय युवा संगम (चरण-III) के तहत उत्तर प्रदेश राज्य के विविध पृष्ठभूमि के युवाओं की मेजबानी करना और उनके साथ मिलकर तेलंगाना के स्थानीय व्यंजनों, जीवन शैली, हस्तशिल्प, संस्कृति, प्रौद्योगिकी, नवाचार और अन्य पहलुओं से परिचित होना खुशी की बात है। युवा संगम पहल, एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) कार्यक्रम के तहत भारत सरकार के दिमाग की उपज है, जिसका उद्देश्य विभिन्न राज्यों के युवाओं के बीच संबंधों को मजबूत करना, हमारे देश के जीवंत युवा दिमागों के बीच एकता और समझ को बढ़ावा देना है।

युवा संगम चरण-3 के समापन समारोह में राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौदरराजन के साथ एक विशेष ऑनलाइन इंटरैक्टिव सत्र के साथ उत्तर प्रदेश और तेलंगाना के बीच एक जीवंत सप्ताह भर के सांस्कृतिक आदान-प्रदान का सफल समापन हुआ। सप्ताह भर का आदान-प्रदान साझा अनुभवों और नई मित्रता की गहरी भावना के साथ संपन्न हुआ क्योंकि प्रतिनिधि सातवें दिन सुबह चले गए। युवा संगम का मुख्य उद्देश्य हमारे युवाओं को पांच व्यापक क्षेत्रों के तहत बहुआयामी अनुभव प्रदान करना है। प्रतिनिधियों का सिकंदराबाद रेलवे में गर्मजोशी से स्वागत किया गया और उन्हें झील के किनारे अंतर्राष्ट्रीय गेस्ट हाउस, आईआईटीएच में ठहराया गया, जिसने उत्साही युवा संगम प्रतिनिधियों के बीच परस्पर संपर्क (लोगों से लोगों का जुड़ाव) पहलू का पता लगाने का मार्ग प्रशस्त किया। आईआईटीएच की सर्वोत्तम प्रथाओं की प्रस्तुति और वीआर गुफा, खेल और सांस्कृतिक परिसर और पीजी प्रयोगशालाओं के दौरे सहित व्यापक परिसर दौरे ने समूह को आईआईटीएच में प्रगति (विकास) के बारे में आश्चर्यचकित कर दिया। चारमीनार, चौमहल्ला पैलेस, सालार जंग संग्रहालय और हैदराबाद की जीवंत सड़कों के ऐतिहासिक और पुरातात्विक चमत्कार सदियों से समृद्ध तेलंगाना के पर्यटन (पर्यटन), प्रतिनिधियों ने आईआईटीएच परिसर में एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रोफेसर टीजी सीताराम और आईआईटीएच निदेशक प्रोफेसर बीएस मूर्ति के ज्ञानवर्धक शब्दों के साथ, गोलकोंडा किले के ऐतिहासिक वैभव का अवलोकन किया।

राजपूत समाज ने सुखदेव सिंह को दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजपूत समाज हैदराबाद ने राजपूत समाज के नेता सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की कुछ असामाजिक तत्वों ने निर्मम हत्या को समाज के सामने एक खुली चुनौती माना है। इसके संदर्भ में राजपूत समाज प्रेसिडेंट हैदराबाद, अध्यक्ष हरि शंकर सिंह चौहान के नेतृत्व में रविवार को उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार सिंह आरके पुरम व्हाइट हाउस हैदराबाद के परिसर में एक शोक सभा का आयोजन किया गया।

सभी लोगों द्वारा एक स्वर से इस जघन्य अपराध के अपराधियों को सरकार द्वारा शीघ्र ही गिरफ्तार कर दंडित करने की मांग की गई तथा इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति ना हो इसके लिए समाज के लोगों ने सरकार से आग्रह किया की प्रमुख जनों की सुरक्षा का प्रबंध किया जाए। सभा में उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह विवाह अध्यक्ष, एस के सिंह, ललन सिंह, संजय सिंह, रविंदर सिंह, कामेश्वर सिंह, उदय शंकर सिंह, पप्पू सिंह, विनय सिंह, गणपत सिंह, अखिलेश सिंह, एस के सिंह, नाचाराम धर्मेन्द्र सिंह, ललित सिंह यापराल धर्मेन्द्र सिंह अन्य सभी सदस्य उपस्थित रहे।

लोढ़ा भाईपा संघ द्वारा मासिक जाप का आयोजन किया गया

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लोढ़ा भाईपा संघ द्वारा मासिक जाप का आयोजन किया गया। संघ के महामंत्री विमल लोढ़ा एवं प्रचार-प्रसार मंत्री सुरेश एम जैन (लोढ़ा) द्वारा संयुक्त रूप से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार हर घर कुलदेवी श्री बडवासन माताजी का जाप कार्यक्रम के अन्तर्गत इस माह का जाप लाभार्थी परिवार मंगलचंदजी कमलचंद हर्ष लोढ़ा, बोइनपल्ली के निवास स्थान पर रखा गया। संघ के सभी लोढ़ा बधुओं ने श्रद्धापूर्वक, उत्साह से जाप एवं आरती कर माताराणी का आशीर्वाद प्राप्त किया। जाप में गौतम चंद लोढ़ा, उत्तम चंद लोढ़ा, थानमल लोढ़ा, राजेंद्र लोढ़ा, विमल लोढ़ा, सुरेश लोढ़ा, किशोर लोढ़ा, ज्ञानचंद लोढ़ा, निर्मल लोढ़ा, देवश्रीयांस लोढ़ा, कमल लोढा, प्रणय चौधरी, एवं नारी शक्ति उपस्थित रही।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल का नि:शुल्क मेडिकल कैम्प आयोजित

तेलंगाना चैंबर ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट ने हैदराबाग के किंग कोठी में स्थित केमिस्ट भवन में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तेलंगाना बजरंग सेवा के अध्यक्ष लक्ष्मण राव को आयोजकों द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. घीसूलाल जैन, ओम प्रकाश अग्रवाल, मानिकचंद गुप्ता, संजय जैन, अरविंद कुमार, अरविंद भागड़िया व अन्य उपस्थित रहे।

श्री जैन सेवा संघ के पदाधिकारियों की बैठक संघ के अध्यक्ष योगेश कुमार संघी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सुभाष पिरोदिया, विनोद संचेती, अशोक कुमार मुथा, भरत भंसाली, प्रवीण पाण्डया, विकास चाणोदिया आदि वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भाग लिया।

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल द्वारा तेलंगाना चैम्बर ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट हैदराबाद के सहयोग से 120 वां निशुल्क मेडिकल कैम्प किंग कोठी स्थित केमिस्ट भवन में आयोजित किया गया। आज यहां अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में मेडिकवर अस्पताल के जनरल फिजिशियन डॉ. राजेश शुक्ला, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. के. साकेत, कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. दीपक शाह, ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. सुमन ने अपनी सेवाएं प्रदान की गयी अवसर पर बीएमडी, 2डी इको, आरबीएस रक्तचाप जांच की गई। इस अवसर पर मेडिकवर बेगमपेट मार्केटिंग टीम के प्रबंधक श्रीकांत, कैंप संयोजक सुनिल, एवं नर्सिंग स्टाफ शामिल थे। नेत्रों की जांच लॉयन्स क्लब ऑफ सिकंदराबाद डूंडू नेत्र संस्थान के डॉ. वेंकटेश्वरलू, डॉ.अली, प्रबंधक श्रीनिवास ने अपना सहयोग दिया। जांच के बाद 77 लोगों को चश्मों का वितरण किया गया एवं 9 लोगों के लिए मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। अवसर पर बजाज फिजियोकेयर द्वारा फिजियोथेरेपी की सेवा डॉ.मीता बजाज ने, ललिता डेंटल क्लीनिक की सेवा डॉ. संजय सूर्यवंशी ने दी। शिविर में 3 विकलांग को भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति में कृत्रिम अंग हेतु भेजा गया। 218 रोगियों ने लाभ लिया। इस अवसर पर गनफाउंड्री पार्षद डॉ. सुरेखा, बजरंगदल के लक्ष्मण राव, वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेश कुमार बंग, विनोद संचेती, जयेश शाह आदि उपस्थित थे। अवसर पर शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवादल के प्रदीप अग्रवाल, सुरेन्द्र गोयल, रतन गुप्ता, निखिल रानासरिया, दीपक गुप्ता, उर्मिला अग्रवाल, स्थानीय पार्टनर तेलंगाना चैम्बर्स ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट के डॉ. घीसूलाल जैन, आनंद कुमार गौड, अरविंद भांगडिया, सूर्य प्रकाश नवनीत अग्रवाल, संजय कुमार मोदी, माणिकचंद गुप्ता, मनीष अग्रवाल, संजय कुमार जैन, वाई.अरविन्द कुमार, अरविन्द अग्रवाल, ओमप्रकाश गुप्ता, स्वंयसेवी सतीश गर्ग, बबीता गर्ग, सुनैना नरसरिया, योगेश अग्रवाल, राधेश्याम बियानी, अंकित, अग्र महिला मंच की दीपा गर्ग, अंजू गोयल, सरला अग्रवाल, वंदना अग्रवाल, समाजसेवी गोपाल सिंह, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव, गोपाल दास अग्रवाल पित्ती लैमिनेशंस के सदस्य ने अपना सहयोग प्रदान किया।

भू-दाता रामसुख बाल मुकुंद इनानी की जयंती मनाई

मदनूर , 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय सरपंच सुरेश दरासवार के नेतृत्व में रविवार के दिन पुराने बस स्थानक के समीप महान भू-दाता स्वर्गीय रामप्रसाद बाल मुकुंद इनानी की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर उनकी प्रतिमा को स्थानीय सरपंच व इनानी परिवार के साथ स्थानिक नागरिकों ने दूध से अभिषेक करने के बाद माल्यार्पण किया गया। समारोह में मंडल के निवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। स्थानिक नागरिकों ने दावा किया कि सेठ रामप्रसाद इनानी ने अपने गांव मदनूर में शिक्षा और चिकित्सा के लिए जमीन दान की थी। आज उसी जमीन में गरीब जनता को मुफ्त में वैद्यकीय उपचार के साथ डिग्री तक का शिक्षण मिल रहा है।

इस अवसर पर इनानी परिवार के सदस्यों ने कहा कि मदनूर के जनता की सेवा के लिए हमारा परिवार सदैव तैयार है। कार्यक्रम में उप सरपंच विट्ठल, पशु वैद्यकीय अधिकारी डॉ. विजय बंडीवार, समाज सेवक रमेश तम्मेवार, गोविंद काकानी, सुरेश मोदानी, गोविंद प्रसाद झवर, मदुसूदन व्यास, गोपाल तोषनीवाल, अनिल पारिख, के साथ स्थानिक जनता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

टी20 डब्ल्यूसी 2024: कोहली और रोहित के खेलने पर गंभीर का बयान, बताया विश्व कप में चुनें या नहीं

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने विराट कोहली और रोहित शर्मा को लेकर बड़ा बयान दिया है। गंभीर ने बताया कि दोनों को विश्व कप में खेलना चाहिए या फिर नहीं।

आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 से पहले सबसे बड़ा सवाल यही है कि दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा को चुनना चाहिए या फिर नहीं। आज बीसीसीआई सचिव जय शाह ने भी कप्तान रोहित को लेकर कहा कि इतनी जल्दी स्पष्टता की क्या जरूरत है। अभी तो आईपीएल खेलना है, इसके अलावा अफगानिस्तान के खिलाफ भी सीरीज होना है। अब भारत के पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने रोहित और विराट को लेकर बयान दे दिया है। चलिए आपको बताते हैं गंभीर ने रोहित और विराट को विश्व कप में चुनने के लिए कहा है या फिर नहीं।

'उम्र मत देखो, फॉर्म देखो'

गौतम गंभीर ने विराट कोहली और रोहित शर्मा को लेकर कहा कि उम्र से कुछ नहीं होता है। हमें खिलाड़ियों को सिर्फ इस आधार पर बाहर नहीं रखना चाहिए कि उसकी उम्र अधिक हो गई है, इससे अधिक महत्वपूर्ण है खिलाड़ियों का फॉर्म में रहना। अगर खिलाड़ी फॉर्म में हैं, तो उन्हें जरूर मौका मिलना चाहिए। गंभीर ने कहा कि टी20 विश्व कप के लिए हमें ऐसे खिलाड़ियों का चयन करना चाहिए, जो वास्तव में अच्छी फॉर्म में हैं। अगर रोहित और विराट अच्छे फॉर्म में हैं, तो उन्हें निश्चित रूप से टी20 विश्व कप के लिए चुना जाना चाहिए।

5 आईपीएल ट्रॉफी जीतना आसान नहीं

बता दें कि गौतम गंभीर ने पूर्व सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की कप्तानी की भी तारीफ की है। उन्होंने टी20 विश्व कप 2024 के लिए रोहित शर्मा की कप्तानी का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें खिलाना चाहिए।

गंभीर ने आईपीएल में रोहित की कप्तानी का जिक्र करते हुए कहा कि रोहित ने मुंबई को 5 आईपीएल ट्रॉफी जिताई है, यह आसान नहीं है। रोहित की कप्तानी में टीम ने विश्व कप में शानदार खेला। सिर्फ एक मैच से फैसला नहीं हो जाता है कि आप अच्छे टीम हैं या फिर नहीं। ऐसे में भारत फाइनल नहीं जीत सका, इसको लेकर यह नहीं कहना चाहिए कि गौतम गंभीर एक खराब कप्तान हैं।

द-अफ्रीका टूर के बाद तय होगा द्रविड का नया कार्यकाल

जय शाह बोले- अभी सिर्फ चर्चा हुई है, कॉन्ट्रैक्ट साइन करना बाकी

मुंबई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के चीफ कोच राहुल द्रविड़ और उनके साथ सहयोगी स्टाफ के कार्यकाल का तय साउथ अफ्रीका दौरे के बाद होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सेक्रेटरी जय शाह ने यह जानकारी मुंबई में डब्ल्युपीएल के ऑक्शन के दौरान मीडिया से बातचीत में दी।

शाह ने कहा कि वर्ल्ड कप और साउथ अफ्रीका दौरे के बीच का समय इतना कम था कि राहुल द्रविड़ और उनकी टीम को विस्तार की पेशकश के बावजूद उनके कार्यकाल को तय नहीं किया किया जा सका है। साउथ अफ्रीका से लौटने के बाद इस पर चर्चा की जाएगी। फिलहाल कोच राहुल द्रविड़ टीम के साथ साउथ अफ्रीका गए हुए हैं।

वर्ल्ड कप के बाद द्रविड़ का कार्यकाल हो गया था समाप्त

टीम इंडिया के चीफ कोच राहुल द्रविड़ और उनके सहयोगी स्टाफ का कार्यकाल वनडे वर्ल्ड कप समाप्त होने के साथ ही खत्म हो गया था। वनडे वर्ल्ड कप में भारत

ने फाइनल तक सफर तय किया था। फाइनल में उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। अगर फाइनल को छोड़ दिया जाए तो भारत ने सेमीफाइनल सहित लीग के सभी मैच जीते थे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज में लक्ष्मण को दी गई थी जिम्मेदारी

वहीं वर्ल्ड कप के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए 5 टी-20 मैचों की घरेलू सीरीज के लिए वीवीएस लक्ष्मण को मुख्य कोच की जिम्मेदारी दी गई थी।

द्रविड़ दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान टीम इंडिया के साथ अपना दूसरा कार्यकाल शुरू करने के लिए तैयार हैं, जिसमें दो टेस्ट के साथ-साथ तीन वनडे और टी-20I मैच होंगे। पहला टी-20 मैच रविवार को खेला जाएगा।

साउथ अफ्रीका के बाद इंग्लैंड और अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज

साउथ अफ्रीका दौरे के बाद टीम इंडिया को जनवारी में अफगानिस्तान के खिलाफ घर में ही तीन टी-20 मैचों की सीरीज और उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज खेलना है। इंग्लैंड के साथ पांच टेस्ट मैच शामिल हैं। यह सीरीज जून में वेस्टइंडीज/यूएसए में होने वाले आसीसी टी-20 वर्ल्ड कप से पहले होगा।

हार्दिक पंड्या अफगानिस्तान के खिलाफ खेल सकते हैं टी-20 सीरीज

पंड्या वनडे वर्ल्ड कप में पुणे में बांग्लादेश के खिलाफ मैच में चोटिल हो गए थे।

पंड्या वनडे वर्ल्ड कप में पुणे में बांग्लादेश के खिलाफ मैच में चोटिल हो गए थे।

जय शाह ने हार्दिक पंड्या के चोट को लेकर भी अपडेट दिया है। उन्होंने कहा कि पंड्या अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज तक फिट हो सकते हैं। BCCI की मेडिकल टीम उनके हेल्थ को लेकर नजर रखी हुई है। पंड्या वनडे वर्ल्ड कप में पुणे में बांग्लादेश के खिलाफ मैच में चोटिल हो गए थे। अपनी ही गेंद को रोकने की कोशिश में उनके बाएं टखने का लिगामेंट फट गया था। चोट के कारण वह शेष टूर्नामेंट से बाहर हो गये थे।

21 दिसंबर को होंगे कुश्ती संघ के चुनाव

जारी हुआ पूरा शेड्यूल; खत्म हुआ छह महीने का इंतजार

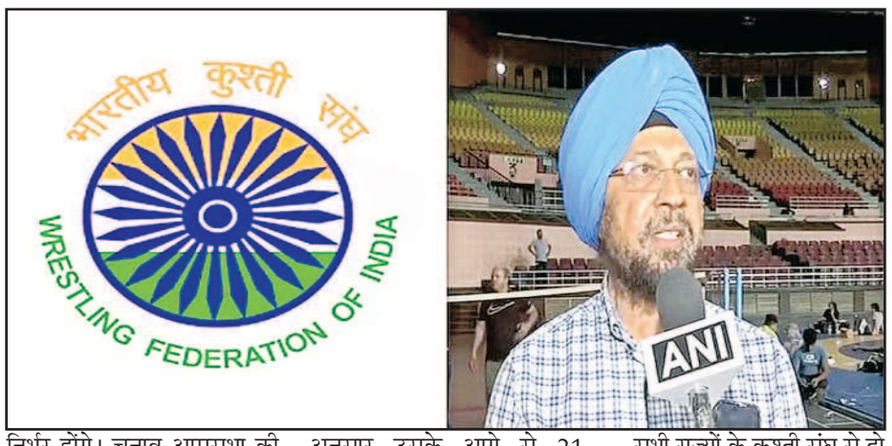

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती संघ के चुनावों की नई तारीख जारी कर दी गई है। अब यह चुनाव 21 दिसंबर को होंगे। सबसे पहले 13 जून को कुश्ती संघ ने नोटिफिकेशन जारी कर बताया था कि चुनाव 21 जून को होंगे। हालांकि, गुवाहाटी और अन्य हाईकोर्ट ने चुनावों में रोक लगा दी। इस वजह से चुनाव कई बार टलते रहे। आखिरकार 21 दिसंबर को चुनाव की तारीख तय की गई है।

भारतीय कुश्ती महासंघ के चुनाव 21 दिसंबर को होंगे और उसी दिन नतीजों की भी घोषणा कर दी जाएगी। निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी दी। निर्वाचन अधिकारी जस्टिस (रिटायर्ड) एम एम कुमार के कार्यालय द्वारा जारी बयान में कहा गया कि मतदान, मतगणना और नतीजों की घोषणा एक ही दिन होगी । चुनाव के नतीजे पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में लंबित रिट याचिका के नतीजे पर निर्भर होंगे। चुनाव आमसभा की विशेष बैठक के दौरान होंगे और सात अगस्त को बनाई गई मतदाता सूची के अनुरूप होंगे।

बयान में कहा गया , ' डब्ल्यूएफआई के चुनाव पर पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने 11 अगस्त को रोक लगा दी थी जिसकी वजह से 12 अगस्त को चुनाव नहीं हो सके। उच्चतम न्यायालय ने रोक हटा दी है और अब चुनाव की बाकी प्रक्रियायें संशोधित कार्यक्रम के अनुसार उसके आगे से 21 दिसंबर को होगी।' इसमें कहा गया ,' इस चुनाव के नतीजे पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में लंबित रिट याचिका के नतीजे के मुताबिक घोषित किए जाएंगे।' भारतीय वुशू महासंघ के प्रमुख भूपेंदर सिंह बाजवा की अगुवाई में इस समय आईओए द्वारा गठित तदर्थ समिति डब्ल्यूएफआई के दैनिक कामकाज का संचालन कर रही है।

सभी राज्यों के कुश्ती संघ से दो सदस्यों का चुनाव करने के लिए कहा गया है। ये सदस्य ही चुनाव के दौरान कुश्ती संघ की नई समिति का चयन करेंगे। असम और आंध्र प्रदेश के कुश्ती संघ की सदस्यता और अधिकारों को लेकर गुवाहाटी हाईकोर्ट ने चुनाव पर रोक लगाई थी। बाद में इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई और सुप्रीम कोर्ट ने गुवाहाटी हाईकोर्ट के फैसले को सही ठहराया। इस वजह से चुनाव की आधी प्रक्रिया जून में हो गई थी और उसे दोहराने की जरूरत नहीं पड़ी।

चुनाव के लिए सदस्यों ने आवेदन कर दिया है और आगे की प्रक्रिया भी हो चुकी है। अब बैठक में कुश्ती संघ के अध्यक्ष और एग्जक्यूटिव समिति के सदस्यों का चयन बाकी है। 21 दिसंबर को दोपहर 11 बजे मीटिंग शुरू होगी और 1.30 बजे वोटों की गिनती शुरू होगी। वोटो की गिनती पूरी होते ही नए अध्यक्ष के नाम का एलान हो जाएगा।

कुश्ती संघ के चुनाव कई बार टल चुके हैं। संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों के आरोपों ने इसमें और परेशानियां खड़ी कीं। कई बार हाईकोर्ट ने भी चुनाव पर रोक लगाई। खेल मंत्रालय ने बृजभूषण शरण सिंह की अध्यक्षता वाले महासंघ को निलंबित कर दिया था। भारत के शीर्ष पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर प्रदर्शन किया था।

अश्विनी-तनीषा ने गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 खिताब जीता

गुवाहाटी, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो की भारतीय महिला युगल जोड़ी ने रविवार को यहां सुंग शुओ युन और यू चिएन हुई की चीनी ताइपे की जोड़ी को सीधे गेम में हराकर गुवाहाटी मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब जीता जो इस जोड़ी का दूसरा सुपर 100 खिताब है।

पिछले हफ्ते लखनऊ में सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 टूर्नामेंट की उप विजेता रही अश्विनी और तनीषा की दूसरी वरीय जोड़ी ने दुनिया की 81वें नंबर की जोड़ी को 40 मिनट में 21-13 21-19 से हराया।

भारतीय जोड़ी का यह तीसरा खिताब है। इस जोड़ी ने इससे पहले अबु धाबी मास्टर्स सुपर 100 और नेट्स अंतरराष्ट्रीय चैलेंज का खिताब भी जीता था।

चौंतीस साल की अश्विनी और 20 साल की तनीषा ने इस साल जनवरी में ही एक साथ खेलना शुरू किया है और वे सितंबर-अक्टूबर में चीन के हांगझोउ में एशियाई खेलों में हिस्सा लेने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं।

हॉकी: भारत ने कनाडा को 10-1 से रौंदा

जूनियर विश्वकप हॉकी के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कनाडा को 10-1 से हराकर पुरुष जूनियर विश्वकप हॉकी के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इस जीत के साथ भारत पूल सी में दूसरे स्थान पर आ गया है। भारत के लिए आदित्य अर्जुन (8वां, 43 वां मिनट), रोहित (12वां, 55वां मिनट), अमनदीप लाकड़ा (23वां, 52वां), विष्णुकांत (42वां मिनट), राजिंदर (42वां मिनट), कुशवाहा सौरभ आनंद (51वां मिनट) और उत्तम सिंह (58वां मिनट) ने गोल किए।

कनाडा की ओर से एकमात्र गोल जूड निकोलसन ने 20वें मिनट में किया था। भारतीय टीम अब मंगलवार को पूल डी की विजेता नीदरलैंड के साथ क्वार्टर फाइनल खेलेगी।

ऑक्शन में अनुष्का शर्मा अनसोल्ड रहे, प्रशंसक ने चटखारे लिए

मुंबई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रीमियर लीग 2024 के लिए बीते दिन 9 दिसंबर को ऑक्शन हुआ है। खिलाडियों की नीलामी का बाजार मुंबई में सजा था। इस ऑक्शन ने कई खिलाड़ियों को करोड़पति बना दिया, तो कई खिलाड़ियों को बेस प्राइस पर भी नहीं खरीदा गया। अनसोल्ड रहने वाली खिलाड़ियों में ही एक खिलाड़ी है अनुष्का शर्मा। किसी भी फ्रेंचाइजी ने अनुष्का पर बोली नहीं लगाया, उन्हें बेस प्राइस पर भी नहीं खरीदा जा सका है। बता दें कि विराट कोहली की पत्नी का भी नाम अनुष्का शर्मा ही है, ऐसे में क्रिकेट फैंस सोशल मीडिया पर तरह-तरह की टिपण्णी कर आरसीबी की खिल्ली उड़ा रहे हैं। इसके अलावा अनुष्का के अनसोल्ड रहने पर फैंस ने विराट को लेकर भी तरह-तरह की टिपण्णी की है।

स्टार खिलाड़ी अनुष्का शर्मा मध्य प्रदेश के लिए खेलती ही। वह बल्ले के साथ-साथ गेंद से भी कमाल कर सकती है। खिलाड़ी ने अपना बेस प्राइस महज 10 लाख रुपए रखा था, बावजूद इसके खिलाड़ी को कोई खरीददार नहीं मिला और अनुष्का शर्मा अनसोल्ड रह गई। इसके बाद से ही क्रिकेट फैंस सोशल मीडिया पर आरसीबी और विराट कोहली को लेकर तरह-तरह के मजेदार कॉमेंट्स कर रहे हैं। अक्की नाम के एक ट्विटर यूजर्स ने कहा कि 'क्या आरसीबी वालों ले लेते'। पेट्रीकोर नाम के यूजर्स ने लिखा कि 'यही कारण है को विराट कोहली आरसीबी वालों के लिए आईपीएल ट्रॉफी नहीं जितना चाहते हैं। 2024 ऑक्शन के लिए कुल 165 खिलाड़ियों ने अपना नाम दिया था। इनमें से 104 खिलाड़ी भारतीय थी और 61 खिलाड़ी विदेशी। इन 165 खिलाड़ियों में से सिर्फ 93 खिलाड़ियों पर ही बोली लगी, जिनमें से 31 खिलाड़ियों को खरीददार मिल गया, जबकि 62 खिलाड़ियों को कोई बेस प्राइस पर भी नहीं खरीदना चाहा। इस लिस्ट में कई बड़े खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिन्हें कोई खरीददार नहीं मिला। WPL ऑक्शन में 2 ऐसे खिलाड़ी रहे, जिनपर 2 करोड़ की बोली लगाई गई।

ऑस्ट्रेलिया ओपन: चोटिल किर्गियोस टूर्नामेंट से बाहर, पिछले सीजन में भी नहीं लिया था भाग

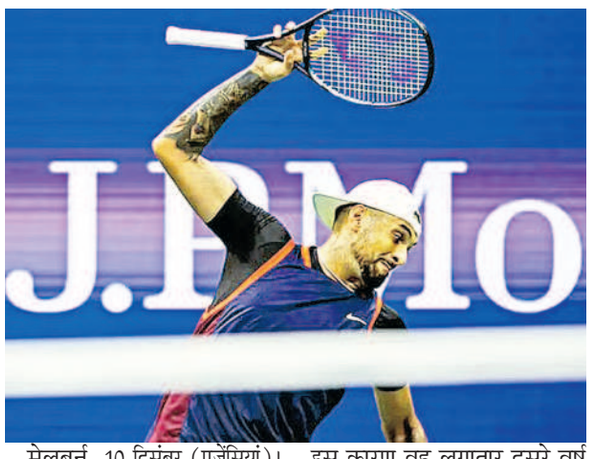

मेलबर्न, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी निक किर्गियोस ने पुष्टि की है कि वह चोटिल होने के कारण अगले महीने होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन में नहीं खेलेंगे। इस 28 वर्षीय खिलाड़ी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि कि उन्हें पूर्ण फिटनेस हासिल करने के लिए अभी थोड़ा समय चाहिए और इस कारण वह लगातार दूसरे वर्ष इस ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में नहीं खेल पाएंगे।

किर्गियोस का नाम टूर्नामेंट की प्रवेश सूची में भी शामिल नहीं था। इस साल के शुरू में भी घुटने का ऑपरेशन करवाने के कारण वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन में नहीं खेल पाए थे। इसके बाद उनकी कलाई में भी चोट लग गई थी।

मैच से पहले टीम इंडिया के साथ दिखीं मिस्ट्री गर्ल, फैंस का खींचा ध्यान

खेल डेस्क, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत बनाम साउथ अफ्रीका के बीच पहले टी20 मुकाबले से पहले एक मिस्ट्री गर्ल चर्चा में आई है। रिंकू सिंह ने एक सेल्फी ली है, इस फोटो में भी इस मिस्ट्री गर्ल को देखा जा सकता है। इतना ही नहीं आज से पहले भी कई बार यह मिस्ट्री गर्ल कभी महेंद्र सिंह धोनी, तो कभी रोहित शर्मा के साथ नजर आ चुकी है। इसके अलावा वह बीसीसीआई के सचिव जय शाह के साथ भी दिख चुकी हैं। ऐसे में फैंस को यह जानने की इच्छा हो रही है कि यह मिस्ट्री गर्ल कौन है। चलिए हम आपको बताते हैं कौन है यह लड़की जो हमेशा से भारतीय टीम के साथ दिखा करती है।

भारत बनाम साउथ अफ्रीका के बीच मैच से पहले भी यह मिस्ट्री गर्ल एक बार फिर से चर्चा में आ गई है। इस मिस्ट्री गर्ल का नाम रजल अरोड़ा है, वह टीम इंडिया के साथ काम करती है। उसका पूरा नाम राजलक्ष्मी अरोड़ा है। वह भारतीय टीम में डिजिटल प्रोडक्शन का काम करती है, इसी वजह से हमेशा भारतीय टीम के साथ रहती है। सिर्फ भारतीय टीम में ही नहीं, बल्कि वह आईपीएल के दौरान भी टीम के साथ नजर आती है।

सोशल मीडिया पर जो भी फोटो या फिर वीडियो पोस्ट किए जाते हैं, वह रजल अरोड़ा की निगरानी में ही की जाती है। रजल की टीम ही सोशल मीडिया पर फोटो या फिर वीडियो पोस्ट किया करती है। खिलाड़ियों के इंटरव्यू से लेकर जो भी वीडियो बीसीसीआई द्वारा शेयर किए जाते हैं, उसके पीछे भी रजल अरोड़ा का ही हाथ होता है।

वेस्टइंडीज बनाम इंग्लैंड : वेस्टइंडीज की दमदार वापसी

वनडे सीरीज पर जमाया कब्जा, सीरीज में जमकर चला होप का बल्ला

खेल डेस्क, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच खेला गया तीन मैचों की वनडे सीरीज को कैरेबियन टीम ने 2-1 से अपने नाम कर लिया है। आखिरी वनडे मुकाबले में मेजबान टीम को डकवर्थ लुईस नियम के तहत 14 गेंद शेष रहते चार विकेट से जीत जीत मिली है।

वेस्टइंडीज और इंग्लैंड एक बीच प्रस्तावित तीन मैचों की वनडे सीरीज सफलतापूर्वक समाप्त हो गई है।

प्रतिष्ठित सीरीज पर कैरेबियन टीम 2-1 से कब्जा जमाने में कामयाब रही। तीन मैचों की वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला नौ दिसंबर को ब्रिजटाउन में खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में विंडीज टीम डकवर्थ लुईस नियम के तहत 14 गेंद शेष रहते चार विकेट से जीत हासिल करने में कामयाब रही।

मैच के दौरान टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लिश टीम 40 ओवरों में नौ विकेट के नुकसान पर 206 रन बनाने में कामयाब हुई थी। टीम के लिए चौथे क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए बेन डकेट ने 73 रन की सर्वाधिक अर्धशतकीय पारी खेली। उनके अलावा सातवें क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए लियाम लिविंगस्टोन 56 गेंद में 45 रन का योगदान देने में कामयाब रहे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.